दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
ललितपुर ■ मंगलवार 26 नवंबर 2024 ■ वर्ष -19 ■ अंक-137 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹03

- मध्य प्रदेश में चीता प्रोजेक्ट को एक और बड़ी सफलता मिली
- कूनो पार्क प्रबंधन मादा चीता पर रख रहा लगातार पैनी नजर
- पीएम द्वारा शुरू किए गए प्राजेक्ट की सफलता से अधिकारी गदगद

ब्रीफ न्यूज

फोन टैपिंग : गहलोत का पूर्व ओएसडी अरेस्ट, रिहा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पूर्व स्पेशल ड्यूटी अफसर (ओएसडी) लोकेश शर्मा को गिरफ्तार किया है। उसे फोन टैपिंग से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया है। हालांकि उसे बाद में जमानत मिल गई।

बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास प्रभु किए गए गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू नेता और इस्कॉन के सदस्य चिन्मय कृष्ण दास प्रभु को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने फर्जी राजद्रोह मामले में उन्हें ढाका एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। पुलिस उन्हें विदेश की यात्रा नहीं करने देना चाहती थी।

दिल्ली में 80 हजार और बुजुर्गों को मिलेगी पेंशन

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले आप सरकार ने बुजुर्गों की पेंशन स्कीम को दोबारा शुरू करने का ऐलान किया। स्कीम में 80 हजार नए बुजुर्गों को और जोड़ा गया है। 60 से 69 साल तक के बुजुर्गों को हर माह 2000 और 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को 2500 रुपए महीना मिलेगा।

मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव का रास्ता साफ

लखनऊ। यूपी में अयोध्या की मिल्कीपुर विस सीट पर उपचुनाव को लेकर बड़ी खबर है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने यहां पर उपचुनाव को लेकर दाखिल याचिका वापस लेने की मंजूरी दे दी है। इससे उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया है। पूर्व भाजपा विधायक ने एक याचिका दाखिल की थी।

दिल्ली-एनसीआर में जारी रहेंगे ग्रेप-4 के प्रतिबंध

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से स्कूलों और कॉलेजों में स्कूल खोलने पर विचार करने को कहा है, ताकि फिर से शारीरिक कक्षाएं शुरू की जा सकें। वहीं, कोर्ट ने ग्रेप-4 के प्रतिबंधों में भी ढील देने से इंकार कर दिया।

सोना 706 रुपए सस्ता, अब 77,081 प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में बीते दिनों लगातार बढ़ोतरी के बाद गिरावट देखने को मिल रही है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 706 रुपए घटकर 77,081 रुपए पर आ गया है। सोमवार को ये 1,089 रुपए घटकर 76,698 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था।

संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द नहीं हटेगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। 22 नवंबर को हुई सुनवाई में कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था।

संसद का शीतकालीन सत्र: राज्यसभा में सभापति-कांग्रेस अध्यक्ष के बीच बहस

धनखड़ बोले-सदन की मर्यादा रखें खड़गे ने कहा- मुझे मत सिखाइए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया। दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि देने के बाद जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्ष अदाणी मुद्दे पर हंगामा करने लगा। इसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने कार्यवाही स्थगित कर दी।

वहीं राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच बहस हो गई। दरअसल, धनखड़ ने खड़गे से कहा कि हमारे संविधान को 75 साल पूरे हो रहे हैं। उम्मीद है आप इसकी मर्यादा रखेंगे। इस पर खड़गे ने जवाब दिया कि इन 75 सालों में मेरा योगदान भी 54 साल का है, तो आप मुझे मत सिखाइए। इस पर धनखड़ ने कहा कि मैं आपको इतना सम्मान देता हूं और आप ऐसा बोल रहे हैं। मुझे दुःख पहुंचा है। इसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही 27 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई।

खड़गे ने अडाणी का मुद्दा उठाया

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में अडाणी का मुद्दा उठाया। इस पर राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने उन्हें रोक दिया। धनखड़ ने कहा कि इस मुद्दे पर आप जो भी बोलेंगे उसे रिकॉर्ड नहीं किया जाएगा।

राज्यसभा में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के बाद जैसे ही सभापति जगदीप धनखड़ ने बोलना बंद किया तो विपक्ष के नेता चिल्लाने लगे कि, एलओपी को बोलने दीजिए। इस पर धनखड़ ने कहा कि मुझे बोले हुए अभी एक सेंकेंड भी नहीं हुआ और आप लोग चिल्लाने लगे। इससे विपक्ष नेता की गरिमा को नुकसान पहुंचता है। हमारे संविधान को इस साल 75 साल पूरे हो रहे हैं। आपको कुछ तो मर्यादा रखनी चाहिए।

साइकिल से संसद पहुंचे सांसद

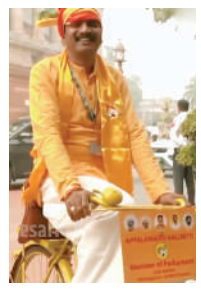

तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के सांसद अप्पाला नायडू कालीसेट्टी शीतकालीन सत्र के पहले दिन साइकिल से संसद पहुंचे।

पीएम मोदी बोले- संसद में मुट्ठी भर लोग करते हैं हुड़दंग

इधर, संसद सत्र से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने संसद भवन के बाहर मीडिया को संबोधित किया। पीएम ने विपक्ष पर बड़ा हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा, संसद में स्वास्थ्य चर्चा होना चाहिए, लेकिन कुछ लोग हुड़दंग करते हैं। बकौल पीएम मोदी, संसद में मुट्ठी भर लोग हुड़दंग करते हैं। जनता सब देखती और समझती है। ऐसे लोगों को समय-समय पर चुनावों में जनता सजा भी देती है। हंगामे के कारण नए सांसदों के विचार देश तक नहीं पहुंच पाते हैं।

वक्फ बोर्ड पर जल्दबाजी में रिपोर्ट नहीं दे सकते

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, हमने लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से मुलाकात की है। जेपीसी अध्यक्ष हमारी बात नहीं सुन रहे हैं। जल्दबाजी में रिपोर्ट नहीं दी जा सकती। स्पीकर ने कहा कि वह हमारी भावनाओं का सम्मान करते ह।

प्रियंका गांधी 28 को लेंगी शपथ

केरल की वायनाड और महाराष्ट्र की नांदेड़ सीट से उपचुनाव जीतकर आए 2 नए सांसदों को लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला 28 नवंबर कसे शपथ दिलाएंगे। दोनों सीट पर कांग्रेस कैंडिडेट ने जीत दर्ज की है। वायनाड से प्रियंका गांधी पहली बार जीती हैं।

कूनो में बढ़ा कुनबा! निर्वा ने चार शावकों को दिया जन्म

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

कूनो नेशनल पार्क में चीतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अब चीता निर्वा ने चार शावकों को जन्म दिया है। 22 नवंबर को निर्वा ने इन्हें जन्म दिया है। निर्वा चीता को 2022 में साउथ अफ्रीका से कूनो नेशनल पार्क में शिफ्ट किया गया था। मई 2023 में इसे पहली बार खुले जंगल में छोड़ा गया था। इसके पहले निर्वा को बाड़े में ही दूसरे चीतों के साथ रखा गया था। निर्वा द्वारा शावकों के जन्म दिए जाने के बाद से चीता प्रोजेक्ट को एक बड़ी सफलता मिली है। मादा चीता निर्वा के पिछले दिनों गर्भवती होने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद से पार्क प्रबंधन ने इस पर निगरानी बढ़ा दी थी। कूनो नेशनल पार्क में 24 चीते हैं, इनमें 12 शावक हैं, जिनका जन्म यहीं हुआ है। हाल ही में वीरा चीता के भी गर्भवती होने की सूचना सामने आई थी। इसके बाद से उस पर भी निगरानी जा रही थी। लेकिन बाद में सामने आया है कि हार्मोनल बदलाव की वजह से वीरा का पेट बढ़ रहा था।

सीएम का ट्वीट

गूंजीं किलकारियां कूनो में आईं खुशियां

आज चीता प्रोजेक्ट को बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। हमारे चीता स्टेट मप्र के कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता निर्वा ने शावकों को जन्म दिया है। जल्द ही वन विभाग संख्या की पुष्टि करेगा। चीता प्रोजेक्ट के संरक्षण में शामिल सभी वन्यकर्मियों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई।
- डॉ. मोहन यादव, सीएम

पर्थ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को भारत ने 295 रन से हराया

- रोहित और शमी की गैरमौजूदगी में भी जीता मुकाबला
- दूसरी पारी में 238 रन पर सिमटी कंगारू टीम
- पर्थ में कंगारूओं पर कहर बनकर टूटे बुमराह

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में 295 रन से हरा दिया है। टीम ने 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा मुकाबला 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में सोमवार को मैच के चौथे दिन 534 रन चेज कर रही कंगारू टीम को दूसरी पारी में 238 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले भारत ने 6 विकेट पर 487 रन पर दूसरी पारी घोषित कर दी थी। टीम इंडिया ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर सिमट गई थी। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में यह ऑस्ट्रेलिया की यह पहली हार है। टीम ने इससे पहले 4 मैच खेले थे और सभी जीते थे। यह ऑस्ट्रेलिया में भारत की अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट जीत है। इससे पहले 222 रन की सबसे बड़ी जीत थी, जब टीम ने 1977 में मेलबर्न में हराया। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में बुमराह और मोहम्मद सिराज ने 3-3 विकेट लिए। ट्रैविस हेड (89) ने अर्धशतक लगाया। बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने पहले पारी में 5 विकेट लिए थे।

अब नहीं सहेंगे! देश में नारियों के सम्मान की परंपरा तोड़ रही दम

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह बोले-हम एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

मानवाधिकार मनुष्यों के लिए हैं दरिंदों-राक्षसों के लिए नहीं

सत्ता सुधार ■ भोपाल/ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को नई दिल्ली में लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ एक महीने तक चलने वाले राष्ट्रीय अभियान, 'नई चेतना-पहल बदलाव की' के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया। इसके साथ ही 13 राज्यों में 227 नए जेंडर रिसॉर्स सेंटरों की भी शुरुआत की। शिवराज ने कहा कि भारत में नारियों को सम्मान देने की परंपरा दम तोड़ती नजर आ रही है। एक बार फिर नई चेतना की जरूरत है। अब

नहीं सहेंगे आगे हमें बढ़ना पड़ेगा। अब कोई बहाना नहीं चलेगा, जैसी चीजों को साथ जोड़ कर हम तेजी से आगे बढ़ेंगे और फिर से वे दिन लेकर आएंगे जब किसी भी बहन और बेटी के साथ हिंसा न हो। उन्होंने कहा कि दुष्कर्मियों को फांसी की सजा होनी चाहिए ताकि ऐसी घटनाएं न हों। फांसी की सजा होते ही मानवाधिकार की बात होने लगती है। मानवाधिकार मनुष्यों के लिए होते हैं दरिंदों और राक्षसों के लिए नहीं। हम सभी को मिल कर काम करना होगा, क्योंकि एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। शिवराज ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते मैंने कई महिलाओं के विकास के लिए कई योजनाओं को शुरू किया था। उन योजनाओं से बहनों की जिंदगी में सबसे बड़ा बदलाव आया कि उनका घर में भी मान सम्मान बढ़ा। महिला को पूरी तरह से सशक्त करना है तो महिला का सशक्तिकरण, सामाजिक सशक्तिकरण राजनीतिक सशक्तिकरण और शैक्षिक सशक्तिरण करना ही होगा।

बेटियों को बनना पड़ता है निर्भया

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नई चेतना जैसे अभियानों को समाज में ले जाना होगा, क्योंकि हिंसा तो आज भी होती है। ये केवल गांव में ही नहीं हैं, निर्भया जैसी घटनाएं शहर में होती हैं। आज भी कितनी बेटियों को निर्भया बनना पड़ता है। रूबिका पहाड़ी और अंकिता सेन जैसी बेटियां टुकड़े-टुकड़े कर फेंक दी जाती हैं। मुख्यमंत्री रहते मैंने देखा कि 90 फीसदी दुष्कर्म के केस परिचितों द्वारा किए जाते हैं। समाज में व्यापक जनजागरण करना पड़ेगा। एक महीना नई चेतना नहीं, बल्कि हर दिन चेतना होनी चाहिए।

वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ उग्र प्रदर्शन-पत्थरबाजी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कटरा में वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ खच्चर और पालकीवालों ने विरोध शुरू कर दिया है। पुलिस ने सोमवार को प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की तो भीड़ ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। हिंसक प्रदर्शन में कुछ लोगों के घायल हो गए। वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड कटरा में ताराकोट मार्ग और सांझी छत के बीच 12 किमी के मार्ग पर 250 करोड़ की लागत से रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण करवा रहा है। वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं को खच्चर और पालकीवाले मंदिर दर्शन कराने ले जाते हैं। ये उनके कमाई का जरिया है। इसलिए वे इसका विरोध कर रहे हैं। रियासी के एसएसपी परमवीर सिंह ने बताया कि लोग पिछले तीन दिनों से यहां विरोध कर रहे हैं ।

सुलगा संभल...हिंसा प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू जैसे हालात

सपा सांसद और विधायक के बेटे सहित 2800 पर केस दर्ज

कमिश्नर का आदेश: संभल हिंसा की होगी मजिस्ट्रियल जांच

एजेंसी ■ संभल

संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान भड़की हिंसा के बाद सोमवार सुबह से पूरे शहर में तनाव का माहौल रहा। हिंसा प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू जैसे हालात हैं। प्रशासन ने स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। संभल से सपा के सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर भी

मुकदमा दर्ज किया गया है। सांसद के अलावा स्थानीय सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों पर ही दंगाइयों को भड़काने का आरोप लगा है। इनके साथ 2800 लोगों पर भी केस दर्ज किया गया है।

इनका कहना है

संभल हिंसा की मजिस्ट्रियल जांच होगी। संभल में हालात कंट्रोल में हैं। जिस तरह के साक्ष्य मिल रहे हैं, दंगाइयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी और एनएसए लगाया जाएगा। ड्रोन कैमरे के फुटेज की स्टडी चल रही है। संभल हिंसा मामले में अब तक 2800 लोगों पर केस दर्ज किया गया है।
आंजनेय सिंह, कमिश्नर, मुरादाबाद

ऐसा हुआ तो हैरत नहीं, क्योंकि ये शर्मा का मामला है

अभिषेक शर्मा

मौसम बदलते ही मध्यप्रदेश भाजपा में भी बदलाव की सुगबुगाहट बढ़ गई है। वातावरण में घुलती ठंड के बीच यह सवाल सरगर्म है कि इस राज्य में भारतीय जनता पार्टी किसे अध्यक्ष बनाएगी? कई नाम चल रहे हैं, लेकिन ठीक-ठीक कुछ नहीं कहा जा सकता। क्योंकि यह उस पार्टी का मामला है, जिसके निर्णयों में चौंकाने वाले भाव का तड़का लगना आम बात है। कई खास बातें भी हैं। जिन्हें मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से जोड़कर देखा जा सकता है। संगठन किसी भी पार्टी की रीढ़ होती है। इस रीढ़ को शर्मा ने कई तरीके से जो मजबूती प्रदान की है, वह जगजाहिर है। शर्मा ने संगठन और सरकार के बीच संतुलन वाले जिस कौशल का परिचय दिया है उसे समीक्षा वाली तराजू के पलड़ों पर तीन तरीकों से तौला जा सकता है। शिवराज सिंह चौहान से लेकर डॉ. मोहन यादव के साथ शर्मा की कदमताल देखते ही बनती है। आगे की बात से आशय किसी की निंदा करने से नहीं है, लेकिन तुलनात्मक रूप से देखें तो शर्मा अपने दो पूर्ववर्ती अध्यक्ष दिवंगत नंदकुमार सिंह चौहान और राकेश सिंह के मुकाबले पार्टी सहित सरकार के लिए बेहद मुफीद चयन साबित हुए हैं। चौहान और सिंह के समय में भाजपा का संगठन प्रकारांतर से शिवराज पर ही आश्रित होकर रह गया था। जबकि शर्मा ने इस अघोषित किन्तु अतिरिक्त प्रभार से चौहान सहित डॉ. यादव को भी राहत दी है।

बीते साल के विधानसभा चुनाव से लेकर इसी साल हुए लोकसभा चुनाव को देखिए। दोनों में ही भाजपा को बड़ी सफलता मिली। इसमें टीम वीडी का यह योगदान रहा कि उसने राज्य और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को प्रदेश के हर बूथ तक पहुंचाने के लिए कड़ा परिश्रम किया। ज्योतिरादित्य सिंधिया की कांग्रेस से बगावत की भी बात कर सकते हैं। इस घटनाक्रम के बाद हुए विधानसभा उपचुनाव में शर्मा की टीम ने कमलनाथ सरकार के किसानों के कर्ज माफी वाले वादे को झूठा बताते हुए कांग्रेस को वह मर्ज दिया कि नाथ की सरकार 'डेथ बेड' पर पहुंच गई।

भाजपा के सदस्यता अभियान में वीडी शर्मा की सक्रियता सब ने देखी है। अब बात सजगता की भी। शर्मा ने मेम्बरशिप के नाम पर पार्टी में गलत/निष्कासित लोगों के प्रवेश पर जिस तरह लगाम लगाई है, उसने कांग्रेस के पंजे से एक बड़ा मुद्दा छीन लिया है। क्योंकि कांग्रेस इस अभियान के जरिए भाजपा में आपराधिक तत्वों के प्रवेश के जमकर आरोप लगा रही थी। अब सदस्यों की स्क्रूटनी की प्रक्रिया के द्वारा शर्मा ने कांग्रेस की इन कोशिशों पर दमदार तरीके से 'स्क्रू कसने' जैसा काम कर दिखाया है। इधर, केंद्रीय नेतृत्व ने भी खुलकर अभियान की सफलता के लिए शर्मा को सराहा है। इसके साथ ही व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां आम लोगों तक पहुंचाने के शर्मा के नवाचार की भी राष्ट्रीय स्तर पर तारीफ हुई है।

वीडी शर्मा की यह यूएसपी उनकी उपलब्धियों में और इजाफा करती है कि वह दो कदम आगे बढ़ने के लिए एक कदम पीछे खींचने के हुनर में भी माहिर हैं। भाजपा में कुछ नेताओं के आपसी विवाद का मामला हाल ही में खूब उछला। मीडिया के सवालों पर शर्मा इत्मीनान के साथ कहते रहे कि परिवार का विवाद है और इसे जल्दी ही सुलझा लिया जाएगा। ऐसा लगा कि प्रदेश अध्यक्ष कुछ डिफेंसिव हो रहे हैं, लेकिन शर्मा ने केवल एक कदम पीछे लिया था और फिर असंतुष्टों का उन्होंने दम फुला दिया। नाराज चल रहे एक नेता की बयानबाजी पर शर्मा कुछ समय खामोश रहे। फिर उन्होंने एक ऐसा बयान दिया, जिसमें यह संकेत था कि नेताजी को मनाने की अब कोई कोशिश नहीं की जाएगी। फिर अखबारों में यह समाचार भी छपे कि कोपभवन में बैठकर पार्टी को कोस रहे उन महाशय की शिकायत दिल्ली तक पहुंच रही है। फिर क्या था। नेताजी कोपभवन से निकलकर मानो सिर के बल दौड़ते हुए भोपाल तक आए और सरेंडर वाली मुद्रा को अपनाकर उन्होंने खामोशी का दामन थामना ही उचित समझा। यह मात्र एक उदाहरण है और इससे भी अधिक मात्रा में ऐसे और भी घटनाक्रम हुए हैं, जो शर्मा की संगठन पर पकड़ का ठोस तरीके से परिचय देते हैं। इसके साथ ही कांग्रेस पर शर्मा ने जिस आक्रामक तरीके से हमलों का क्रम जारी रखा है, वह भी भाजपा के लिए खासा लाभकारी साबित हुआ है।

नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर चल रही चर्चा के बीच शर्मा निस्पृह भाव से जस की तस धर दीनी चदरिया वाले समर्पण से जरा भी अलग नहीं दिख रहे हैं। आने वाले कल से बेपरवाह होकर शर्मा वर्तमान के लिए भाजपा की शक्ति में वृद्धि के प्रयासों में डूबे हुए हैं। इसी सब के चलते यदि यह चर्चा भी उठती है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए एक बार फिर शर्मा को ही चुनेगी, तो इसमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए। आखिर मामला उस सफल कार्यकाल का जो ठहरा, जो राज्य में भाजपा संगठन सहित सरकार के लिए भी सफलता के कई अध्याय रच चुका है।

sattasudharbpl@gmail.com | satta_sudhar | facebook.com/satta.sudhar.7 | www.sattasudhar.in
पांच राज्यों से एक साथ प्रकाशित

ब्रीफ न्यूज

विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता पर फैसला जल्द

भोपाल। रामनिवास रावत के साथ लोकसभा चुनाव में भाजपा का समर्थन करने वाली बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता पर निर्णय अगले सप्ताह होगा। विधानसभा सचिवालय ने उन्हें अपनी बात रखने का अंतिम अवसर दिया है। वहीं, सप्रे ने कहा है कि वे विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के समक्ष उपस्थित होकर अपनी बात रखेंगी। उधर, कांग्रेस विधायक दल ने विधानसभा अध्यक्ष से मांग की है कि 16 दिसंबर से विधानसभा का शीतकालीन सत्र है। इसलिए आवेदन का निराकरण शीघ्र करें।

दुग्ध उत्पादन में प्रदेश अग्रणी किसानों को मिल रहा मुनाफा

भोपाल। दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश भारत के अग्रणी राज्यों में शामिल है। यहां दुग्ध उत्पादक किसान न केवल बड़ी मात्रा में दूध का उत्पादन कर रहे हैं, अपितु दुग्ध और दुग्ध उत्पादों के विक्रय से अच्छा मुनाफा भी कमा रहे हैं। भारत का नौ फीसदी दुग्ध उत्पादन मध्यप्रदेश में होता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है कि प्रदेश का दुग्ध उत्पादन, देश के कुल दुग्ध उत्पादन का 20 फीसदी तक पहुंचे। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री लखन पटेल ने बताया कि भारत में दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का तीसरा स्थान है। प्रदेश में 591 लाख किलोग्राम प्रतिदिन दूध का उत्पादन होता है।

मुख्य सचिव आम लोगों से भी करेंगे मुलाकात

भोपाल। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन जल्द आम लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनेंगे। प्रदेश से मंत्रालय पहुंचने वाले लोगों को भी मुख्य सचिव से मिलकर अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। इसके लिए मुख्य सचिव हफ्ते में कोई दिन निर्धारित कर सकते हैं। हालांकि आम लोगों से मिलना कब शुरू करेंगे, यह अभी तय नहीं है। मंत्रालय में सरकारी कामकाज में सुधार की दिशा में काम शुरू हो गया है। इसी क्रम में अब मुख्य सचिव लोगों से सीधा संवाद प्रक्रिया शुरू करने जा रहे हैं। पूर्व में तत्कालीन मुख्य सचिव अंटोनी डिसा और केएस शर्मा भी आम लोगों से मुलाकात करते थे। इस दौरान वे लोगों की समस्याओं भी सुनते थे। आम लोगों से मुलाकात का सिलसिला बंद हो गया था, जिसे अनुराग जैन शुरू करने की तैयारी में है।

भोपाल से हैदराबाद-बेंगलुरु के लिए होंगी फ्लाइट

भोपाल। राजाभोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विंटर शेड्यूल में एयर इंडिया और इंडिगो एयरलाइंस नई उड़ानों की शुरुआत करने जा रही है। लंबे समय बाद भोपाल को गोवा से एक बार फिर डायरेक्ट कनेक्टिविटी मिलने वाली है। भोपाल एयरपोर्ट से 180 सीटर डायरेक्ट फ्लाइट गोवा के लिए उड़ान भरेगी। इसके अलावा एयर इंडिया एवं इंडिगो एयरलाइंस हैदराबाद और बेंगलुरु के लिए भी अतिरिक्त फ्लाइट सेवा शुरू करेगी। इससे पहले इंडिगो ने मई 2023 में पहली बार भोपाल से गोवा तक सीधी उड़ान शुरू की थी। भोपाल से गोवा तक का सफर एक घंटा 50 मिनट में पूरा होगा। प्रस्तावित उड़ान शनिवार को छोड़कर सप्ताह के बाकी छह दिन रहेगी। इसका शेड्यूल भी पैसेंजर फ्रेंडली है।

'हम होंगे कामयाब' पखवाड़ा की दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ

ऑनलाइन लैंगिक हिंसा के बारे में शिक्षित किया जाना समय की जरूरतः मंत्री भूरिया

सत्ता सुधार ■ भोपाल

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि आज का ज़माना सोशल मीडिया का है, इसलिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है। सभी युवाओं को सोशल मीडिया साक्षरता, डिजिटल एक्सटॉर्शन और ऑनलाइन लैंगिक हिंसा के बारे में शिक्षित किया जाना समय की जरूरत है। मंत्री सुश्री भूरिया सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में 'हम होंगे कामयाब' पखवाड़े के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर उपयुक्त महिला बाल विकास सूफिया फारूकी वली सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का भी प्रसारण किया गया। उन्होंने अपने संदेश में प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा है कि हमारी बेटियों और बहनों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना जरूरी है। बेटियों और बहनों की सुरक्षा व सम्मान केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। आज से 10 दिसंबर तक 'हम होंगे कामयाब' पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसमें पुरुष वर्ग की भूमिका ज़्यादा अहम है। सीएम ने कहा था कि यह आवश्यक है कि माता-पिता अपने बच्चों को जागरूक करें। महिलाओं पर होने वाली हिंसा का विरोध करें। साथ ही समाज और परिवार में सभी समानता का माहौल बनाए। मंत्री सुश्री भूरिया ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएम ने इस विषय को अत्यंत गंभीरता से लिया और पूरे प्रदेश में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की रोकथाम के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए है। हम होंगे कामयाब अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा की रोकथाम है। 25 नवंबर को हम महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के उन्मूलन का अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाते हैं। इस 16 दिवसीय सक्रियता अभियान से निश्चित ही हमें महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान जैसे इन गंभीर मुद्दों को गहराई से समझने और ठोस समाधान तलाशने का एक महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा। सुश्री भूरिया ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चला रही है। इन्हें लागू करने के लिए कानूनों और नीतियों का निर्माण किया गया है जिससे महिलाएं अपनी सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें। कई राज्यों में महिलाओं के लिए विशेष पुलिस स्टेशन खोले गए हैं जहां महिलाएं बिना किसी डर के अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है। महिला हेल्पलाइन नंबर 181 महिलाओं के लिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वे तत्काल सहायता प्राप्त कर सकती है। महिला हेल्पलाइन की जानकारी प्रदेश की प्रत्येक महिला तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने इस अभियान में महिला हेल्पलाइन नंबरों के व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ सरकारी नहीं बल्कि गैर सरकारी संगठन भी महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है ये संगठन महिलाओं की शिक्षा को शिक्षा स्वास्थ्य कानून सहायता और रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ उनके अधिकारों के प्रति जागरूक भी करते हैं। घरेलू हिंसा के लिए पुलिस व न्यायिक व्यवस्था में समन्वय होना चाहिए। महिला थानों में भी आने वाले प्रकरणों में उन्हें कानूनी सलाह प्रदान करने की व्यवस्था होनी चाहिए।

पुरुषों की मानसिकता बदलने का भी प्रयास : शमी

प्रमुख सचिव महिला बाल विकास रश्मि अरूण शमी ने कहा कि ये पखवाड़ा बच्चों और महिलाओं पर केंद्रित नहीं बल्कि पुरुषों की मानसिकता बदलने का भी प्रयास है। उन्होंने कहा कि उनके व्यवहार में परिवर्तन ही नए समाज की नींव रखेगा पूरे पखवाड़े के दौरान जिलों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता लाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए सभी विभागों से समन्वय गतिविधियां निर्धारित की गई है। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने 'हम होंगे कामयाब' अभियान का अधिकारिक लोगो भी लॉन्च किया।

औद्योगिक विकास प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक

सीएम ने लंदन में भारतीय उच्चायोग के साथ निवेश और विकास पर की चर्चा

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेशकों को प्रदेश के विकास से जोड़ने का प्रयास

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारतीय प्रवासियों ने गर्मजोशी से किया डॉ. मोहन यादव का स्वागत

यूरोपीय देशों के दौरे पर गए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सोमवार को लंदन पहुंचे। यहां होटल पहुंचने पर भारतीय प्रवासियों ने गर्मजोशी से सीएम मोहन यादव का स्वागत किया। सीएम मोहन यादव मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई प्रदान करने और वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के लिए यूनाइटेड किंगडम (यूके) और जर्मनी की छह दिवसीय यात्रा पर हैं। मुख्यमंत्री ने लंदन पहुंचने पर यूके में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम के. दोरईस्वामी के साथ ब्रीफिंग की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने यूके दौरे के पहले दिन भारतीय उच्चायोग, लंदन के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने औद्योगिक विकास, तकनीकी सहयोग और वैश्विक निवेश को लेकर प्रदेश की योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री ने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा ब्रिटेन से शुरू करने पर खुशी व्यक्त करते हुए भारतीय उच्चायोग के सहयोग की सराहना की। सीएम ने कहा कि यह मेरे लिए गौरव का क्षण है। इस यात्रा की तैयारी में उच्चायोग टीम द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन और सहयोग के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। डॉ. यादव ने कहा कि औद्योगिक विकास प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने बताया कि उज्जैन, रीवा, ग्वालियर, जबलपुर और सागर जैसे शहरों में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से प्रदेश में निवेश को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम अब राष्ट्रीय स्तर से आगे बढ़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेशकों को प्रदेश के विकास से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत लंदन से हो रही है।

सीएम ने कृषि, ऑटोमोबाइल, ऑटो कंपोनेंट्स, फार्मास्यूटिकल्स और आईटी जैसे क्षेत्रों में मध्यप्रदेश की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने विशेष रूप से ब्रिटेन के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास और अनुसंधान के क्षेत्र में साझेदारी की बात कही। डॉ. यादव ने फरवरी 2025 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए भारतीय उच्चायोग से विशेष सहयोग का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मेरा विशेष आग्रह है कि उच्चायोग की टीम मध्यप्रदेश को ब्रिटिश निवेशकों के लिए आदर्श स्थल के रूप में स्थापित करने में हमारा सहयोग करें। बैठक में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम के दोराईस्वामी, उप उच्चायुक्त सुजीत घोष, मंत्री निधिमणि त्रिपाठी और प्रथम सचिव (व्यापार) जसप्रीत सिंह सुक्खीजा मौजूद रहे।

महात्मा गांधी को सीएम ने दी पुष्पांजलि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज यूके में प्रवास के दौरान ब्रिटिश संसद परिसर का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने संसद परिसर में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सीमा यादव भी मौजूद थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में वे सभी संभावनाएं हैं, जिसके बल पर वह पूरे देश और दुनिया में बड़े पैमाने पर निवेशकों को आमंत्रित कर सकें। मध्यप्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसमें सफलता भी मिल रही है।

बाबा साहेब को करेंगे श्रद्धासुमन अर्पित

मुख्यमंत्री मंगलवार सुबह यूके डॉ. बीआर अंबेडकर हाउस में डॉ. अंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहां भारतीय संविधान की प्रति लेकर जाएंगे और संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी करेंगे। डॉ. यादव आमंत्रित अतिथि उद्योगपतियों के लिए दोपहर भोज की मेजबानी करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव समानांतर सेक्टोरल राउंडटेबल मीटिंग में उद्योग प्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे।

सीएम ने दी संविधान दिवस की बधाई

सीएम डॉ. मोहन यादव ने 26 नवम्बर संविधान दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने संविधान के सभी अनुच्छेदों के महत्व के दृष्टिगत नागरिकों में जागरूकता लाने की पहल की है। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने जो संविधान हमें दिया है, उसे जनता तक पहुंचाने के लिए संविधान प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग को साध नहीं पाई बीजेपी

विजयपुर उपचुनाव में भाजपा की हार पर मंथन करेगा संगठन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

विजयपुर उपचुनाव के नतीजों से विधानसभा में दलीय स्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। इस चुनाव की हार ने एक बार फिर भाजपा के चुनावी रणनीतिकारों के माथे पर चिंता की सिलवटें ला दी है। कांग्रेस अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के मन में भाजपा को लेकर अनचाहा भय बैठाने में कामयाब हुई है। यह डर है कि भाजपा बाबा साहब के संविधान को बदलने का कुचक्र रच रही है और आदिवासियों को उनकी जमीनों से बेदखल कर बड़े उद्योगपतियों को थमा देगी। इसी डर से यह वर्ग न चाहकर भी चुनाव के समय कांग्रेस के साथ खड़ा नजर आता है। भाजपा तमाम कोशिशों के बाद कांग्रेस के नैरिटेव को तोड़ने में नाकाम रही है। यही कारण है कि विजयपुर की विधानसभा सीट कांग्रेस की झोली में आई हैं।

भाजपा का हर प्रयोग रहा विफल

इस वर्ग के मन से अनचाहा डर निकालने के लिए भाजपा तमाम कोशिशें कर रह रही है। भाजपा नेता खुले मंच से बोल चुके हैं संविधान बदलने का उनका कोई इरादा नहीं है। भाजपा आरक्षण के मुद्दे पर भी नीति स्पष्ट कर चुकी है। संविधान निर्माता डा. भीमराव आंबेडकर, संत रविदास, बिरसा मुंडा, टंटया मामा सहित इस वर्ग से युग पुरुषों को सम्मान देने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इन महापुरुषों से जुड़े स्थलों पर जो कार्य भाजपा शासनकाल में हुए वो कांग्रेस के कालखंड में कभी नहीं हुए है। आरएसएस भी सामाजिक समरसता के लिए विशेष प्रकल्प चला रही है। इसके बाद भी यह वर्ग अब भी भाजपा से जुड़ने हिचकिचा रहा है।

खुद के वार्ड में ही हारे रावत

विजयपुर विधानसभा उपचुनाव में रामनिवास रावत को जहां से सबसे ज्यादा वोट मिलने की उम्मीद थी वहां से भी कांग्रेस के प्रत्याशी मल्होत्रा जीते। विजयपुर में खुद ही के वार्ड में भी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा के प्रत्याशी रामनिवास रावत वार्ड क्रं. 13 मंडी विजयपुर में रहते हैं। यहां छह में से दो मतदान केंद्र पर ही जीत पाए।

फिर मंथन करना होगा

विजयपुर विधानसभा के चुनाव नतीजे ने एक बार फिर भाजपा के रणनीतिकारों के सामने कई सवाल छोड़े हैं। सबसे बड़ा प्रश्न है कि किस तरीके से प्रदेश के अनुसूचित व जनजाति वर्ग के लोगों से कांग्रेस द्वारा उत्पन्न किया गया भय दूर किया जाए। इसके लिए नए सिरे से रणनीति बनाने के लिए मंथन करना होगा।

'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान' कार्यक्रम राज्यपाल की उपस्थिति में होगा

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई संविधान दिवस आयोजन सम्बंधी बैठक

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय में संविधान दिवस आयोजन सम्बंधी बैठक हुई। बैठक में अवगत कराया गया कि राज्यपाल मंगुभाई पटेल की गरिमामयी उपस्थिति में 26 नवम्बर को रवीन्द्र भवन भोपाल के हंसध्वनि सभागृह में प्रातः 11 बजे राज्य-स्तरीय संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रदेश की विविध विभूतियों का स्मरण किया जाएगा। इसमें संविधान निर्माण सम्बंधी प्रदर्शनी लगाई जाएगी और संविधान संबंधी लघु फिल्म भी प्रदर्शित की जाएगी। मुख्य सचिव श्री जैन ने संबंधित विभागों के साथ कार्यक्रम तैयारियों को लेकर समीक्षा की। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में, संविधान को अंगीकृत करने के 75 वर्ष पूर्ण होने के महत्व को देखते हुए वर्ष भर चलने वाले उत्सव को हमारा संविधान- हमारा स्वाभिमान अभियान के अन्तर्गत चलाया जाएगा। संविधान दिवस को सम्पूर्ण नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सवपूर्वक मनाया जाएगा। प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थाओं, स्वशासी संस्थाओं एवं सार्वजनिक उपक्रमों में 26 नवम्बर को संविधान दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। संविधान दिवस पर भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन भी होगा, इसमें अधिकाधिक संख्या में शासकीय सेवकों के साथ आम नागरिकों की भी सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सहभागी, सामूहिक वाचन की तस्वीर पोर्टल www.constitution/z.com/ पर अपलोड कर सकते हैं। तस्वीर अपलोड करने के उपरांत वेबसाइट पर एक प्रमाण-पत्र तैयार हो जाएगा, इसे डाउनलोड कर सोशल मीडिया में साझा किया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि भारतीय संविधान को 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत किया गया था ।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस सबसे ज्यादा दिग्विजय सिंह से पीड़ितः सरोज

कम्युनिस्ट नेता को पूर्व सीएम ने दिया जवाब-ये बात सही नहीं

सत्ता सुधार ■ भोपाल

समन्वय भवन में ऑल इंडिया बहुजन इंटेलेक्ट समिट में कम्युनिस्ट नेता बादल सरोज ने पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह पर मजाकिया लहजे में कहा कि मेरे ख्याल से कांग्रेस सबसे ज्यादा दिग्विजय सिंह से पीड़ित है। मेरे दोस्त बताते हैं कि ये मरवाएंगे, आज ये बोल दिया अब ये मरवाएंगे। तो ये गलतफहमियां दूर कर लें कांग्रेस में भी अच्छे लोग हैं। कम्युनिस्ट लीडर द्वारा मजाकिया लहजे में कही गई बात का दिग्विजय सिंह ने भी अपने भाषण में जवाब दिया। कम्युनिस्ट नेता द्वारा मजाकिया लहजे में बोली गई बात पर दिग्विजय ने पलटवार करते हुए अपना बचाव किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने संविधान विहीन भारत विषय पर आयोजित समिट में भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी पर भी निशाना साधा। दिग्विजय सिंह ने कहा कि हो सकता है कांग्रेस पार्टी को मुझसे आपत्ति हो लेकिन ये बात सही नहीं हैं। मैं सीपीआईएम नेता बादल सरोज से सहमत नहीं हूं। कांग्रेस पार्टी ने आज तक मेरे किसी भी वक्तव्य पर नोटिस नहीं दिया। मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैंने अक्षरशः जो नीति, विचार या विचारधारा कांग्रेस पार्टी की रही है उसका न केवल पालन किया है बल्कि उसको आगे भी बढ़ाया है। इस समिट में वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, कम्युनिस्ट पार्टी के नेता बादल सरोज, लॉ कमीशन ऑफ इंडिया के पूर्व मेंबर टीएन सदाशिव और पूर्व मंत्री राजा पटेरिया मौजूद थे। दिग्विजय सिंह के बयान पर बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने ट्वीट कर लिखा कि दिग्विजय सिंह की चोरी और सीनाजोरी। मिस्टर बंटाधार सीना ठोक कर कह रहे हैं कि मेरे किसी बयान पर कांग्रेस पार्टी की तरफ से आजतक कोई नोटिस नहीं मिला नोटिस है।

भारतीय संविधान की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रासंगिकता

कैलाश विजयवर्गीय

संविधान हमारे देश का सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी दस्तावेज है। यह हमारे देश के नागरिकों के अधिकारों, कर्तव्यों और स्वतंत्रता की रक्षा करता है। भारतीय संविधान की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि इसके निर्माण के समय थी। भारतीय संविधान ने हमारे देश को एक संघीय लोकतंत्र बनाया है, जहां सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर प्रदान किए जाते हैं। संविधान ने हमारे देश की विविधता और सामाजिक बहुलता को बनाए रखने में मदद करता है। आज के समय में, जब दुनिया भर में लोकतंत्र और मानवाधिकारों की रक्षा की आवश्यकता है, भारतीय संविधान की प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ जाती है। यह संविधान हमें यह याद दिलाता है कि हमारे देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए नागरिकों को अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का भी पालन करना होगा। इसलिए, हमें भारतीय संविधान के महत्व को समझना चाहिए और इसके सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। हमें अपने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए एकजुट होना चाहिए। एक रहकर ही हम लोग सुरक्षित, समृद्ध और संपन्न समाज के रूप में विश्व में अपनी पहचान स्थापित कर सकते हैं। इसलिए मन वचन और कम से हमें संविधान के मूल्यों को अपनाना चाहिए। संविधान को क्षतिग्रस्त करने के जो प्रयास समय-समय पर निहित स्वार्थ द्वारा किए जाते हैं उन्हें भी बेनकाब करते रहना चाहिए। हमारा संविधान एक जीवंत दस्तावेज है जिसमें राष्ट्र की नवीनतम आवश्यकताओं के अनुरूप अपने आप को बदलने और ढालने की क्षमता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 5 अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने का प्रस्ताव रखा, जिसे संसद में पारित किया गया। यह एक महत्वपूर्ण निर्णय था जिसने जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त कर दिया। इसके पीछे अनेक कारणों में से एक यह था कि अनुच्छेद 370 के कारण जम्मू और कश्मीर में व्यवस्था,विकास और प्रगति में बाधाएं आ रही थीं। इस अनुच्छेद के कारण जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा मिला हुआ था, जिससे वहां के निवासियों को कुछ विशेष अधिकार प्राप्त थे। हालांकि, इस निर्णय के विरोध में भी कई आवाजें उठाई गईं। निहित स्वार्थियों का मानना था यह निर्णय %जम्मू और कश्मीर की स्वायत्तता को कम करेगा और वहां के निवासियों के अधिकारों को प्रभावित करेगा। इस निर्णय के बाद, जम्मू और कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया - जम्मू और कश्मीर, और लद्दाख । इस निर्णय के परिणामस्वरूप, जम्मू और कश्मीर में विकास और प्रगति के नए अवसर खुल गए हैं। सकारात्मक संशोधन का एक और अनुपम उदाहरण है। संविधान के 106वें संशोधन से महिलाओं को आरक्षण दिया गया है, जो कि एक महत्वपूर्ण कदम है महिला सशक्तिकरण की दिशा में। इस संशोधन के तहत, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया। यह संशोधन महिलाओं को राजनीतिक प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व प्रदान करेगा और उन्हें अपने अधिकारों के लिए लड़ने में मदद करेगा। इसके अलावा, यह संशोधन महिला सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो कि भारत के विकास के लिए आवश्यक है। यह संशोधन 28 सितंबर 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अपनी सहमति देने के बाद लागू हुआ। यह संशोधन महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा और उन्हें राजनीतिक प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व प्रदान करेगा। ऐसा नहीं है कि संवैधानिक प्रावधानों के दुरुपयोग के उदाहरण मौजूद न हों। इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाने का निर्णय एक विवादास्पद घटना थी जिसे संवैधानिक इतिहास में एक बुरे उदाहरण के तौर पर याद किया जाता है। यह निर्णय 25 जून 1975 को लिया गया था, जब इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति फ़ख़रुद्दीन अली अहमद से अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल की घोषणा करने का अनुरोध किया था। आपातकाल के दौरान, इंदिरा गांधी ने विपक्षी दलों और नेताओं को कैद कर लिया, प्रेस पर प्रतिबंध लगा दिया, और नागरिक अधिकारों को समाप्त कर दिया। यह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक काली अवधि है । आपातकाल के दौरान, इंदिरा गांधी ने अपने विरोधियों को दबाने और अपनी शक्ति को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए। उन्होंने अपने बेटे संजय गांधी को अपना उत्तराधिकारी बनाया और उन्हें महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया। आपातकाल की घोषणा के बाद, इंदिरा गांधी ने 1977 में चुनाव कराने का फैसला किया। हालांकि, उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, और जनता पार्टी के नेतृत्व में एक नई सरकार बनी। आपातकाल की घटना ने भारतीय राजनीति और इतिहास पर एक गहरा प्रभाव डाला। इसने जिस तरह भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और संविधान के प्रति सम्मान की आवश्यकता को रेखांकित किया,इसका उदाहरण विश्व इतिहास में अन्यत्र मुश्किल से ही मिलता है।

ब्रीफ न्यूज

ग्रापए ने उठाई स्थाई समिति की बैठक कराने की मांग

ललितपुर। ग्रामीण पत्रकार एसोशियेशन के जिलाध्यक्ष ठा.सम्राट सिंह बनाफर ने जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी को एक पत्र सौंपते हुये पत्रकारों के हितार्थ अविलम्ब स्थाई समिति की बैठक 30 नवम्बर के पूर्व कराये जाने की मांग उठायी। जिलाध्यक्ष ने डीएम को अवगत कराया कि स्थाई समिति की पिछली बैठक वर्ष 2020 में लगभग नवम्बर माह में सम्पन्न हुयी थी और तब से लेकर पत्रकारों पर कई सारे झूठे मुकद्दमें दर्ज हुये, जिनमें कुछ में साक्ष्यों के बावजूद चार्जशीट लगा दी गयी, जबकि कुछ लम्बित चल रहे हैं। उन्होंने डीएम से पत्रकारों की समस्याओं के निस्तारण व उत्पीडन पर विचार करने के लिए स्थाई समिति की बैठक बुलाये जाने की मांग उठायी है।

मैलवाराखुर्द में पांच घण्टे ही हो पा रही विद्युत आपूर्ति

ललितपुर। निकटवर्ती ग्राम मैलवाराखुर्द में महज पांच घण्टे विद्युत आपूर्ति होने का आरोप लगाते हुये रात में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराये जाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने एक ज्ञापन जिला प्रशासन को भेजा है। ज्ञापन में बताया कि बिजली विभाग द्वारा शासनादेशों को दरकिनार करते हुये महज 5 घण्टे ही बिजली आपूर्ति की जा रही है। बताया कि बिजली विभाग द्वारा नई लाइन से विद्युतापूर्ति की जा रही है और पुराना ट्रान्सफार्मर खराब हो चुका है, जिसकी सूचना विभाग को दी गयी, लेकिन सुनवाई न होने के कारण रात में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पा रही है। आगे बताया कि 24 घण्टों में महज 5 घण्टे ही विद्युत आपूर्ति की जा रही है, जिससे यहां के लोग काफी परेशान हैं। बताया कि किसान अपनी फसलों में पानी भी नहीं दे पा रहे हैं। किसानों ने जिला प्रशासन से खराब पड़े ट्रांस्फार्मर को बदलकर नया लगाये जाने एवं विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन देते समय गनेश, मनोज, सुरेन्द्र, गयासी, विजय शिवलाल के अलावा अनेकों ग्रामीण मौजूद रहे।

समारोह से घर लौट रहीं महिलाओं को बदमाशों ने घेरा

ललितपुर। शहर क्षेत्र के मोहल्ला नेहरूनगर अंतर्गत मस्जिद वाली गली में रहने वाली शान्तिदेवी पत्नी काशीराम रायकवार ने पुलिस अधीक्षक को एक शिकायती पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने बताया कि बीती 17 नवम्बर 2024 को वह रात्रि 10.30 बजे अपनी भान्जी के फलदान समारोह से अपनी बहू ममतादेवी व अपनी पुत्री मंजूलता के साथ अपने घर जा रही थी। बताया कि घर जाते समय महाकाल डेयरी के पास तीन अज्ञात युवक जो मोटर साइकिल पर सवार थे। उक्त लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया और गालियां देकर अश्लील कमेण्ट करने लगे। आरोप है कि उक्त लोगों ने महिलाओं से उनके जेवर मांगते हुये मारकर पटरियों पर फेंक देने की धमकी दी। बताया कि उक्त लोग उसी मोहल्ले के रहने वाले हैं, जिनमें से एक का नाम पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को दिये पत्र में उजागर करते हुये बताया कि उसने पीड़िता की बहू के गले से सोने का हार छीनने का प्रयास किया।

संजय तहसील अध्यक्ष व देवेन्द्र बने महामंत्री

उ.प्र. जर्नलिस्ट एसोशिएशन की महरौनी तहसील कार्यकारणी का हुआ गठन

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन के तत्वाधान में महरौनी नगर के ब्लाक सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया। संगठन की बैठक दिनेश विदुआ की अध्यक्षता एवम रविशंकर अगरिया व अजय प्रताप सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। बैठक में उ.प्र.जर्नलिस्ट एसोसिएशन जिलाध्यक्ष सूर्यकांत शर्मा ने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने संगठन में ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकार साथियों से जुडने का आह्वान किया। इसी क्रम में रविशंकर अरजरिया ने पत्रकारों के हित मे संगठन के कार्यो का उल्लेख करते हुए कहा कि आज का दौर पत्रकारों को संगठित रहने की मांग करता है। जिससे पत्रकारों पर आई विपत्ति का सामना हम सब मिलकर हल कर सकें। इस दौरान दिनेश विदुआ ने पत्रकारों के मान सम्मान की बात कही। उन्होंने कहा कि जिस संगठन में पत्रकारों का सम्मान हो, पत्रकारों की आवाज बुलंद हो, पत्रकार पर आई विपत्ति में संगठन कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हो, ऐसे उपजा संगठन में हम सभी पत्रकारों को जुडना चाहिए। तदोपरान्त महरौनी तहसील इकाई के गठन की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई। जिसमें सर्वसम्मति से महरौनी तहसील अध्यक्ष संजय भोंडेले, महामंत्री पद पर देवेंद्र तिवारी का चयन किया गया। तो वहीं सदस्यता प्रभारी शैलेन्द्र नायक, आनंद त्रिपाठी, अजय राजा को एवं मीडिया प्रभारी निशु दुबे को चयनित किया गया। जिला कार्यकारणी सहित समस्त पत्रकारों ने नव निर्वाचित कार्यकारणी को शुभकामनाये प्रेषित की। बैठक में राजीव सिंघई मोनू, आनंद त्रिपाठी, संजय भौडेले, दीपक तिवारी, देवेन्द्रसिंह पटेल, अजय राजा धवारी, जितेन्द्र यादव, नारायण राजा कुम्हैड़ी, सुन्दरलाल कुशवाहा, देवेन्द्र तिवारी, शैलेन्द्र नायक, बब्लू रत्नाकर, प्रदीप चौबे जरया, शंकर, नीशू दुवे, रिषी तिवारी आदि मौजूद रहे। संचालन शैलेन्द्र नायक ने व आभार सुन्दरलाल कुशवाहा ने जताया।

पशु पक्षी करें पुकार, हमें भी दो जीने का अधिकार: प्रधानाचार्य केपी पांडे

शाकाहार दिवस के रूप में मना साधु टी.एल.वासवानी का जन्मदिन, बच्चों को शाकाहार अपनाने की दिलाई शपथ

बच्चों ने चित्रों में उकेरी साधु टी एल वासवानी की आकृति

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

शाकाहार के पुरोधा साधु टीएल वासवानी की 145 वीं जन्म जयंती के अवसर पर करुणा इंटरनेशनल केन्द्र ने उनका जन्म दिवस शाकाहार दिवस के रुप में मनाया। वहीं विद्यालयों में उनके जन्म दिवस के मौके पर बच्चों ने शाकाहार अपनाने की शपथ भी ली। बताते चलें साधु टी एल वासवानी ने शाकाहार के प्रचार-प्रसार के लिए अपना संपूर्ण जीवन न्यौछावर कर दिया था। उनका जन्म दिवस शाकाहार दिवस के रुप में मनाया जाता है। नगर के स्याद्वाद बाल संस्कार केंद्र जूनियर हाईस्कूल के प्रधानाचार्य केपी पांडे ने साधु टी एल वासवानी को शाकाहार का पुरोधा बताया। उन्होंने कहा कि साधु टीएल वासवानी के जीवन से हमें प्रेरणा लेना चाहिए कि उनके जीवन का प्रत्येक क्षण जीव- जंतुओं एवं शाकाहार के प्रति समर्पित रहा।उनका कहना था कि प्रकृति के प्रत्येक प्राणी में जीवन है। हमें संसार के समस्त जीवों से प्रेम करना चाहिए। स्याद्वाद कान्वेंट विद्यालय की प्रधानाचार्य सीमा जैन ने कहा कि प्रकृति ने भी जहाँ मानव के आहार के लिए अनेक वनस्पति व स्वादिष्ट पदार्थ उत्पन्न किए हैं।

वहीं उसकी सेवा व सहायता के लिए विभिन्न पशु-पक्षियों की सृष्टि की। वे पशु- पक्षी जो एक ओर प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं तो दूसरी ओर मानव भी तनिक सी दया, प्रेम पाकर उसके मनुष्यों से भी अधिक स्वामी भक्त वफादार बनकर उसकी जी जान से सेवा करते हैं।फिर भी आज मानव दानव बनकर जीव हिंसा के लिए कदम बढा रहा है। जिसे आधुनिक युग में रोकना वेहद जरुरी है। जिससे प्रकृति का संरक्षण हो सके।करूणा क्लब प्रभारी लक्ष्मी सिरोठिया ने कहा कि जीवों के प्रति अपार स्नेह रखने वाले साधु टी0एल0 वासवानी का जन्म 25 नवंबर 1879 को हैदराबाद में हुआ था।जीव हत्या पर अंकुश लगाने के लिए उन्होंने जीवन भर संघर्ष किया। साधु टीएल वासवानी के जीवन और मिशन को आगे बढ़ाने के लिए मौजूद साधु वासवानी मिशन सालाना 25 नवंबर को वासवानी के जन्मदिन पर अंतर्राष्ट्रीय मांसहीन दिवस मनाता है।क्योंकि उन्होंने शाकाहारी जीवन के सार्वभौमिक अभ्यास की पुरजोर वकालत की थी। इस दौरान राधिका रैकवार, राधिका झां, सुरभि पंथ, प्रियंका पाल, प्रिंस पाल, खुशबू सेन, कनिष्का दुबे, शिवि पाराशर, प्राक्षी जैन, पूनम सेन, सिंदपाल यादव, ऋषि पवारिया के अलावा विद्यालय के बच्चों ने शाकाहार अपनाने की शपथ ली। इस दौरान प्रधानाचार्य केशव प्रसाद पांडे, सीमा जैन, लक्ष्मी सिरोठिया, कामिनी, तृप्ति करन, मुस्कान मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर के बगल में रखा अस्थाई बाथरूम कंटेनर हटाने की मांग

शाही रोड पर यह भारी भीड़भाड़ वाला है इलाका

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

शाही रोड पर भीडभाड़ वाला इलाका, जहां नगर पालिका परिषद की ओर से सार्वजानिक पेशाबघर अस्थाई रूप रखा है, जिससे ठीक बाजू में और ऊपर विद्युत सप्लाई के ट्रांसफार्मर लगे हुए है। उन ट्रांसफार्मर से तेल आदि बहता रहता है। कोई भी अपनी घटना घट सकती है।

इस समस्या को लेकर जागरूक दुकानदारों ने जिला अधिकारी को अवगत कराया था, जहां उन्होंने यह भी कहा था कि शीघ्र ही यह है ट्रांसफार्मर होने की वजह से हट जाएगा। ऐसा नहीं है नगर पालिका परिषद ने एक अस्थाई बाथरूम हटा भी दिया है, लेकिन अभी एक और लगा हुआ है, जिससे कोई भी अनहोनी घटना कभी भी घट सकती है। अभी हाल ही में झांसी मेडिकल कॉलेज में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से 17 नवजात शिशु असमय ही काल के गाल में समा चुके हैं। प्रशासन इतनी बड़ी घटना के बाद भी ललितपुर के इस भीड़भाड़ वाले इलाके में यदि ट्रांसफार्मर के पास से अस्थाई बाथरुम नहीं हटती है तो कोई भी बड़ी घटना घटने से इनकार नहीं किया जा सकता है। इस महावीर प्याऊ के आस-पास चाट पकौड़ी के ठेले भी हैं, जो कि घरेलू गैस सिलेण्डरों का उपयोग करते हैं। कभी भी कोई घटना घट सकती है। जनहित में नगर पालिका परिषद को जिलाधिकारी का आदेश का पालन करते हुए तत्काल प्रभाव से यह अस्थाई बाथरूम हटा कर अन्यत्र स्थित किया जाना आवश्यक है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार सुधार संगठन की बैठक संपन्न, मौलिक अधिकारों की जानकारी दी गई

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

राष्ट्रीय मानव अधिकार सुधार संगठन की बैठक वरिष्ठ नागरिक संगठन के अध्यक्ष गंधर्वसिंह राजपूत की अध्यक्षता में जितेन्द्र सिंह सलूजा के सिविल लाइन स्थित आवास पर संपन्न हुई। संचालन अशोक कुमार स्वर्णकार ने किया। इस अवसर पर वक्ताओं द्वारा राष्ट्रीय मानव अधिकार के संबंध में जानकारी देती हुई है। बताया कि मानव अधिकार सभी लोगों में निहित क्या है, उनके राष्ट्रीयता मूल निवास स्थान, लिंग, जाति का त्वचा रंग धर्म भाषा की स्थिति कुछ भी हो है। इसका उद्देश्य मानव गरिमा रक्षा करती हुई प्रत्येक व्यक्ति के सामग्र विकास के लिए अनुकूल बुनियादी स्थितियों की गारंटी देना है, जिसमें भजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता के अधिकार निहित है। भारत में मानव अधिकार के अंतर्गत संविधान में मौलिक अधिकार के अंतर्गत समानता का अधिकार स्वतंत्रता का अधिकार शोषण के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार सांस्कृतिक और शिक्षा का अधिकार कुछ कानून को बचाने और संवैधानिक उपचारों के अधिकार की गारंटी देते हुए इं.राजाराम गोस्वामी, डा.सिंह राजपूत, जगदीश शरण पाराशर, मनजीत सिंह सलूजा, विशाल सलूजा, जयशंकर द्विवेदी, जितेन सिंह सलूजा, अशोक कुमार वर्मा, इं.गिरजा शंकर दुबे, अशफाक अली, पं.आसाराम तिवारी, सतनाम सिंह, मोहनलाल रैकवार सभी ने अपने विचार व्यक्त किये। अंत में अशोक कुमार स्वर्णकार ने सभी का आभार जताते हुये प्रबुद्ध जीवियों प्रतिनिधियों से मानव अधिकारों की रक्षा के लिए के लिए किए जाने वाले कार्यो में अपना सहयोग देने की अपील की।

पांचवें दिन भी घण्टाघर मैदान पर जारी रहा धरना प्रदर्शन

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

शहर में युवा खिलाडियों के लिए खेल मैदान के रूप में तुवन मंदिर परिसर को आवंटन किये जाने की मांग को लेकर विगत पांच दिनों से विभिन्न संगठनों द्वारा लगातार किया जा रहा धरना प्रदर्शन सोमवार को भी जारी रहा। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि तुवन मंदिर परिसर को खेल मैदान घोषित किये जाने से युवा खिलाडियों को खेलने के लिए समुचित स्थान मिल सकेगा, तो वहीं युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभाओं को और निखार सकेंगे। जिला प्रशासन से मांग करते हुये उन्होंने याद दिलाया डीएम ने जब ललितपुर में पदभार ग्रहण किया था, उस समय भ्रमण के दौरान तुवन मैदान को खेल मैदान घोषित करने की बात कही थी। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने जिला प्रशासन से उक्त वायदे को पूरा करने की मांग उठायी, ताकि यहां के हर वर्ग के खिलाडियों को खेल मैदान उपलब्ध हो सके।

धरना स्थल पर पार्षद मनमोहन चौबे, धर्मेंद्र, शिवम, आशिफ, धर्मेंद्र पाठक, बॉबी राजा, भीकम सिंह एड., अशोक, टोनी, प्रमोद चौबे, सुधीर श्रीवास्तव, शफीक खान, अनिरुद्ध, सोनू राजा परमार, संजय राठौर, राजीव जैन, संकेत कुशवाहा, अंकित सिंह, दयाशंकर, रामप्रताप, ब्रजेश पांडिया, अभिषेक, पंकज रजक, हेमेंद्र गिरी, यश, अमन आदि उपस्थित थे।

राखपंचमपुर माइनर को अविलम्ब चालू करने की मांग, आधा दर्जन से अधिक गांवों के किसान पहुंचे मुख्यालय

ललितपुर। जाखलौन पम्प कैनाल से निकली राखपंचमपुर माइनर को तत्काल खुलवाये जाने की मांग को लेकर किसानों ने सोमवार को एक ज्ञापन जिलाधिकारी व सिंचाई निर्माण खण्ड को भेजा है। ज्ञापन में ग्राम दैलवारा, जैरवारा, अंधियारी, बूचा, बख्तर, करगन व खुरा ब्लाक जखौरा के किसानों ने बताया कि अपने खेतों में खेतीवाड़ी करने के लिए राख पंचमपुर माईनर से अपनी सिंचाई, ऐरावनी कर अपने अपने खेतों में फसल बोते है। किन्तु इस बार उक्त जाखलौन पम्प से निकली राख पंचमपुर माईनर की अभी तक चालू नहीं किया गया है, जिस कारण किसानों के खेतों में ऐरावनी, फसल बुबाई नहीं कर पा रहे है। बताया कि किसानों के खेत अभी खाली पड़े हुये है चूंकि किसानों पास आय का साधन मात्र खेती है। इसके अलावा अन्य कोई साधन नहीं है।

जागरुकता

नपा बालिका इण्टर कॉलेज में छात्राओं को बताये यातायात नियम

नियमों का पालन करना हम सभी की नैतिक जिम्मेवारी: आलोक तिवारी

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी यातायात अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात आलोक कुमार तिवारी द्वारा नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज रावरपुरा में छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को यातायात के नियमों के बारे में जागरूक किया गया। टीएसआई आलोक कुमार तिवारी ने छात्राओं से बताया कि 18 वर्ष पूर्ण होने पर पहले लाइसेंस बनवाना फिर वाहन चलाना, सड़क पर स्टंट न करना,सेफ्टी बेल्ट का प्रयोग, हेलमेट लगाकर वाहन चलाना, ट्रिपलिंग न करना, डिजी लाकर ऐप में प्रपत्र रखना, दुर्घटना में घायल व्यक्ति की अविलंब मदद करना, हिट एंड रन के मामले में मिलने वाली आर्थिक मदद, आदि के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त यातायात पुलिस द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। जरूरतमंदों को हेलमेट और नियमों से संबंधित पम्पलेट, स्टिकर वितरित किए गए और प्रवर्तन की कार्यवाही के अंतर्गत बिना हेलमेट वाहन चलाते हुए 226 वाहनों का, बिना सीट बेल्ट 16 वाहनों का, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए 11 वाहन, बिना बीमा के वाहन चलाते हुए 31 वाहनों का, नो पार्किंग के 33, मोटरसाइकिल पर तीन सवारी बैठा कर चलने वाले 53 वाहनों का चालान करते हुए अन्य एम.वी. एक्ट की विभिन्न धाराओं में 27 वाहनों का चालान किया गया।

लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष ने लगाया छवि धूमिल करने का आरोप

ललितपुर। समाजवादी लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष परवेज पठान ने सोमवार को क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय को शिकायती पत्र देते हुये सोशल मीडिया पर उनके नाम की फर्जी सदस्यता रसीद जारी किये जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने तालबेहट के ग्राम रामपुर निवासी एक युवक का नाम उजागर करते हुये बताया कि वह समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता और वर्तमान में समाजवादी लोहिया वाहिनी का जिलाध्यक्ष है। बताया कि कुछ लोगों द्वारा उसके नाम पर सत्तादल की सदस्यता की रसीद बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है, जिससे उसकी छवि लगातर धूमिल हो रही है। उन्होंने तालबेहट के ग्राम रामपुर निवासी एक नामजद युवक पर फेसबुक एकाउण्ट से उनकी रसीद बनायी गयी है। परवेज पठान ने क्षेत्राधिकारी सदर से मामले की गहन जांच कर कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है।

ब्रीफ न्यूज

हिंदू एकता पद यात्रा पहुंची झांसी, मऊरानीपुर से झांसी के लिए हुई रवाना

झांसी। सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा सोमवार की सुबह झांसी पहुंची। झांसी के मऊरानीपुर में जैसे ही यात्रा ने प्रवेश किया। यात्रा का फूल माला वर्षा कर स्वागत किया गया। बागेश्वरधाम सरकार के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व में 21 नवंबर से शुरू की गई यह हिंदू एकता पद यात्रा आज चौथे दिन झांसी सीमा में प्रवेश की। पद यात्रा आज सुबह से शुरू होकर ग्राम देवरी घाट, भंडरा, खिलारा, भद्रवारा होते हुए मऊरानीपुर पहुंची। यहां ग्रामोद्योग विद्यालय पहुंच कर भोजन विश्राम आदि की व्यवस्था रहेगी। वही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसएसपी सुधा सिंह के निर्देशन में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। इस दौरान रूट भी डाइवर्जन किया गया।यात्रा जैसे जैसे आगे बढ़ रही तैसे तैसे भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही है पुलिस प्रशासन प्रमुख स्थानों पर तैनात रह कर व्यवस्था बनाये हुए है।

घर में घुसकर डंडों से पीट कर किया लहू लुहान

झांसी। सीपरी बाजार क्षेत्र अंतर्गत देर शाम घर में घुसकर एक दबंग ने युवक पर डंडों से हमलाकर लहू लुहान कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वही पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।जानकारी के मुताबिक आवास विकास बी ब्लॉक में रहने वाले युवक ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि रविवार की शाम वह घर के अंदर बैठा था। तभी क्षेत्र का रहने वाला दबंग युवक हाथ में डंडा लेकर आया और उस पर हमला कर दिया। जिससे उसके सर में चोट लग गई और वह लहू लुहान हो गया। आरोप लगाया कि दबंग ओर उसके साथी घटना को अंजाम देकर उसे जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। पुलिस ने घायल अतुल दुबे की तहरीर पर आरोपी तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

खड़े ट्रक में आग लगने की ख़बर पर दौड़ी पुलिस पुलिस ने पानी डालकर आग पर काबू पाया

झांसी। झांसी ललितपुर राजमार्ग पर बिजौली में बंटी ढाबा के सामने खड़े ट्रक में धुआं निकलता देख लोगों में हड़कंप मच गया ट्रक के अंदर आग लगने की सूचना मिलते ही बिजौली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आगे का शीशा तोड़कर पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की कुछ ही मिनट बाद आग पर काबू पा लिया गया वरना बड़ा हादसा हो सकता था।थाना प्रेम नगर क्षेत्र अन्तर्गत बिजौली में बंटी ढाबा के सामने ट्रक ने.यूपी 93वी की 2447 खड़ा हुआ था कि शाम लगभग 4 बजे ट्रक के अंदर से राहगीरों ने धुआं निकलता देखा तो हड़कंप मच गया इसी बीच किसी ने आग लगने की सूचना बिजौली पुलिस को दी तो बिजौली चौकी प्रभारी पूनम वर्मा सब इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह सिपाही सद्दाम ख़ान के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल आग पर काबू पाने के लिए पानी फेंकना शुरू जिससे आग भड़कने से पहले ही बुझा ली गई चौकी प्रभारी पूनम वर्मा ने बताया कि ललितपुर राजमार्ग पर खड़े ट्रक से धुआं निकलने की खबर मिली थी आग विकराल रूप धारण करती इससे पहले ही काबू पा लिया गया है ट्रक के गेट खोलने के बाद पता चला कि स्टेरिंग के पास निकले वायरों में स्पार्किंग से आग लगी थी।

लाइन लीकेज से रास्तों में बर्बाद हो रहा अमृत जल, सडकें बनी दलदल

लीकेज सही करने के नाम पर खोदे गड्ढ़े पंद्रह दिन से पड़े हैं खुले, वाहन चालक आये दिन हो रहे हादसों का शिकार

सत्ता सुधार ■ टहरौली

कस्बा में जगह जगह पाइप लाइन लीकेज होने के कारण सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल हर घर जल योजना का अमृत रूपी पेयजल जहां सडकों पर बहकर बर्बाद हो रहा है वहीं लीकेज सुधारने के नाम पर सडक के बीचों बीच खोदे गए गड्ढों को खुला छोड देने से वाहन चालक आये दिन दुर्घटना का शिकार होकर घायल हो रहे हैं।

कस्बा में बस स्टैण्ड से वस्ती अंदर जाने वाली मुख्य सडक पर मस्जिद तक लाइन लीकेज का पानी बह रहा है, करीब पंद्रह दिन पहले विभागीय कर्मचारियों ने लीकेज सही करने के लिए गड्ढों को खोदकर खुला छोड दिया था जिसकी शिकायत स्थानीय व्यापारियों द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल व तहसील में करने के बाद भी कार्यवाही न होने से जनता में रोष पनप रहा था। बीते रविवार को गड्ढों में फंसकर कई दो व चार पहिया वाहन चालकों के चुटहिल हो जाने की सूचना पर पहुंचे उप जिलाधिकारी अजय कुमार यादव ने मौके पर जिम्मेदारों को बुलाया और लीकेज व गड्ढों को तत्काल सही करने के निर्देश दिए। इसके अलावा तहसील तिराहा, सर्व यूपी ग्रामीण बैंक,बजरिया बाजार, टहरौली खास में सत्येन्द्र प्रताप सिंह के घर के पास, पाठक का कुआं एवं आत्माराम तिवारी के घर के पास लाइन लीकेज का पानी बहने से रास्तों में चिकनी मिट्टी व कीचड पटा हुआ है जिसमें पैदल चलने वाले लोगों के साथ ही बाइक चालक भी आए दिन फिसलकर गिरने से चोटिल होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। भाजपा मंडल महामंत्री रविन्द्र सोनी, अन्नू आर्य, रानी साहू, घनश्याम प्रजापति, गौरव गुप्ता, अशोक कुशवाहा, डॉ पीके रोय, अरविन्द साहू, रुपम नामदेव, अशोक सोनी सहित अन्य ग्रामीणों ने शासन प्रशासन व जिम्मेदार अधिकारियों से लीकेज व गड्ढों को जल्द सही कराकर रास्तों को कीचड मुक्त कराये जाने की मांग की है।

तहसीलदार/नोडल अधिकारी के आदेश का असर नगर पंचायत ने चालू कराये बन्द पड़े शौचालय

सत्ता सुधार ■ कटेरा(झांसी)

ओडीएफ घोषित नगर पंचायत कटेरा में कुछ बार्ड में बने सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति लम्बे समय से दयनीय थी जिसकी समय समय पर नगर वासियों द्वारा शिकायत की जा रही थी शिकायत का संज्ञान लेकर स्वच्छ भारत मिशन अभियान के नोडल अधिकारी/तहसीलदार मऊरानीपुर प्रभात सिंह से विगत कुछ दिनों पूर्व कटेरा आकर नगर पंचायत के मुहल्ला टौरियापुरा में बने शौचालयों का निरीक्षण किया था जिसमें उन्होंने शौचालयों की स्थिति खराब पायी थी जिस पर नोडल अधिकारी ने नगर पंचायत कटेरा को अतिशीघ्र शौचालयों को मेन्टीनेंस कराये जाने तथा व्यवस्थित सुचारू रूप से चालू कराये जाने के आदेश दिये थे जिस पर नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी निर्देश राजपूत ने तत्काल रिपेयरिंग के लिए एस्टीमेट बनबाकर सार्वजनिक शौचालयों को व्यवस्थित करा दिया जिससे लोगों की खुले में शौच जाने की समस्या का समाधान हो गया है तथा सडक पर गंदगी समाप्त हो गयी है वहीं अधिशाषी अधिकारी निर्देश राजपूत ने बताया कि कस्बा के अधिकांश सार्वजनिक शौचालय चालू हालत में हैं कुछ जो रह गये हैं उन्हें जल्द ही दुरूस्त कराकर उपयोग हेतु तैयार कर दिया जायेगा।

अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी रितिका का बड्स एन ब्लूम्स में हुआ सम्मान

सत्ता सुधार ■ गुरसराय झाँसी

ग्राम अतरसुआँ की बेटी जिन्होंने पिछले वर्ष अंडर-17 न्यूजीलैंड हॉकी दौरे पर देश का प्रतिनिधित्व किया एवं हाल ही में नीदरलैंड में संपन्न हुए हॉकी टूर्नामेंट में देश को मेडल दिलाकर देश का नाम रौशन करने वाली रितिका अहिरवार को आज नगर गुरसरायं के बड्स एन ब्लूम्स स्कूल में सम्मान किया गया रितिका के माता-पिता का भी सम्मान किया गया इस अवसर पर उपस्थित रितिका के नाना चंद्रभान ने बताया कि बेटी ने हॉकी खेलना कक्षा 6 से शुरू कर दिया था एवं ग्वालियर में हॉस्टल में रहकर विगत 5 वर्षों में यह मुकाम हासिल किया इस अवसर पर प्रधानाचार्या अमिता पटेल ने कहा कि रितिका ने न सिर्फ अपने माता-पिता एवं अपने ग्राम का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया है। प्रबंधक पुरुषोत्तम पटेल ने कहा कि हमारी झांसी के हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद ने हमारे देश को अनेकों पदक दिलाये एवं पूरे विश्व में अपना परचम लहराया आज रितिका में दद्दा की झलक दिखती है इस अवसर पर विद्यार्थियों में रितिका के साथ फोटो खिंचवाने एवं ऑटोग्राफ लेने की होड लगी रही इस मौके पर रामदीन पटेल अतरसुआँ चंद्रभान अस्ता अशोक सेन, एवं धन प्रसाद मौजूद रहे संचालन रोहित सागर ने एवं सभी का आभार आशीष खरे ने प्रकट किया।

युवा गोष्ठी में ''संविधान को जानो'' प्रश्नोत्तरी का आयोजन

झाँसी। नेहरू युवा केन्द्र द्वारा ''संविधान दिवस'' की पूर्व संध्या पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मन्त्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार युवा गोष्ठी कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कार्यालय सभागार में कर विजेता प्रतिभागियो को प्रमाण-पत्र वितरित किये। इस कार्यक्रम के संयोजक जिला युवा अधिकारी विशाल सिंह ने बताया कि भारत की संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को अपना संविधान अंगीकृत किया गया था. इसके परिपेक्ष में नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति आज 26 नवम्बर को भारत के संविधान के महात्व को प्रचारित करने एवं संविधान के जनक डा0 बी0 आर0 अम्बेडकर के प्रति सम्मान देने के लिए संविधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर विशाखा कुशवाहा, यशपेन्द्र राजपूत, अंकित भार्गव, प्रतिभा डोंगरे, विपिन कुमार, गजेन्द्र प्रजापति, अंकित श्रीवास्तव आदि मौजूद रहें। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार अजय गोस्वामी ने व्यक्त किया।

महिला कल्याण संगठन, झांसी मंडल द्वारा पर्सनल हाइजीन के प्रति जागरूकता हेतु सेनेटरी का वितरण

सत्ता सुधार ■ झांसी

महिला कल्याण संगठन उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी मंडल द्वारा चलाये जा रहे ''दस्तक'' प्रोग्राम के तहत रानी लक्ष्मीबाई जूनियर हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में रेलवे कॉलोनी तथा स्टेशन के आस-पास रहने वाली गरीब व अशिक्षित महिलाओं को पर्सनल हॉयजीन के प्रति जागरूक किया गया ढ्ढ महिला कल्याण संगठन सेनेटरी पैड के प्रयोग के प्रति जागरूकता अभियान चला रहा है। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और लड़कियों को सेनेटरी पैड के प्रयोग के बारे में जागरूक करना है।

सेनेटरी पैड का प्रयोग महिलाओं और लड़कियों के लिए अति आवश्यक है। लेकिन कई महिलाएं और लड़कियां सेनेटरी पैड के प्रयोग के बारे में जागरूक नहीं हैं। इसके परिणामस्वरूप, वे सेनेटरी पैड का सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पाती हैं, जिससे उन्हें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

इस अभियान के तहत, हम महिलाओं और लड़कियों को सेनेटरी पैड के प्रयोग के बारे में जागरूक कर रहे हैं। हम उन्हें सेनेटरी पैड के सही तरीके से प्रयोग करने के बारे में भी जानकारी प्रदान कर रहे हैं, ताकि वे स्वस्थ और सुरक्षित रह सकें।

आज के कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं/लड़कियों को संगठन की पदाधिकारियों द्वारा सेनेटरी नैपकीन वितरित किये गयें। कार्यक्रम में संगठन अध्यक्षा स्वेता सिन्हा, उपाध्यक्षा सचिव मोनिका गोयल, कोषाध्यक्षा मनुश्री सैनी, प्रियंका गुप्ता, अकांक्षा गुप्ता, मधुलिका, अर्चना, संगीता नामा उपस्थित रहीं ढ्ढ कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की प्रधानाचार्या शाशि सेन द्वारा किया गया तथा इस दौरान विद्यालय का स्टॉफ उपस्थित रहा।

प्रदेश सरकार को जगाने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेस ने दिया मौन धरना

सत्ता सुधार ■ झांसी

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय जी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी झांसी के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह पारीछा की अध्यक्षता में सोमवार को गांधी उधान कचेहरी चौराहा पर जनपद संभल मे हुई हिंसा मे पुलिस की गोली लगने से कई लोगो की मौत हुई। जिसकी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की है। प्रदेश सरकार को कुंभकरण नींद से जगाने, मृतकों की आत्मा की शांति तथा उनके परिवार के न्याय दिलाने के एवं दोषियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग को कांग्रेस जनों ने मौन धरना दिया जाएगा। इस अवसर पर धरने के उपरांत पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने उत्तर प्रदेश की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र व प्रदेश सरकारें पूरी तरह विफल हैं, जहां एक और उत्तर प्रदेश के संभल जिले में सरकार की लापरवाही से पुलिस द्वारा पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं दूसरी ओर मणिपुर राज्य लगातार दो पक्षों का अखाड़ा बना हुआ है। यह सरकार की जिम्मेदारी होती है कि ऐसी स्थिति पैदा ना हो। सरकारें असहाय नजर आ रही हैं। ऐसी सरकारों को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। इस अवसर पर प्रदेश सचिव एवं एआईसीसी सदस्य मनीराम कुशवाहा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश को बांटने का काम कर रही है उनकी सरकार है पूरी तरह देश में नफरत फैलाई जा रही है और लोगों में तनाव की स्थिति के चलते ऐसी घटनाएं हो रही है जो चिन्ताजनक है। इस अवसर पर देवी सिंह कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष अखिलेश गुरुदेव, पकज मिश्रा, प्रिंस कटियार, शफीक अहमद मुन्ना, जिला महासचिव विनय उपाध्याय, नीरज कुशवाहा, अनिल रिछारिया,अमीर चंद आर्य, अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र वर्मा ÷शीलू÷, जगमोहन मिश्रा, मो. शाहिद, राजेश रानी, दिनेश वर्मा, राजू प्रजापति, मुकेश सिंघल,आफताब आब्दी, बृजेन्द्र यादव,आकाश दुबे, जगदीश नायक,हरिओम ब्रजवासी, दारा जैन आदि ने मौन धारण कर धरना दिया।

राशन कार्डधारकों की ई-केवाईसी का कार्य अभियान चलाकर पूर्ण करायें: जिला पूर्ति अधिकारी

झांसी। जिला पूर्ति अधिकारी सौम्या अग्रवाल ने अवगत कराया है कि शासन द्वारा प्रदेश के समस्त राशन कार्डधारकों व उनसे सम्बद्ध यूनिटों की ई-केवाईसी का कार्य अभियान चलाकर समयबद्ध तौर पर पूर्ण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जनपद में अभी तक राशन कार्डो में सम्बद्ध 1521610 सदस्यों में से 925559 सदस्यों के द्वारा ही ई-के0वाई0सी0 करायी है, अभी भी 596051 सदस्यों की ई0के0 वाई0सी0 शेष है।

उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में निःशुल्क ई-के0वाई0सी0 का कार्य उचित दर दुकानों के माध्यम से युद्धस्तर पर किया जा रहा है। ई0 के0वाई0सी0 का कार्य पूर्णतः निःशुल्क है इसमें किसी भी प्रकार की कोई धनराशि देय नहीं है। कार्डधारको को ई-के.वाई.सी. एवं खाद्यान्न प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की असुविधा/परेशानी होने पर क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी शैलेन्द्र कुमार, नगर निगम क्षेत्र-6307546746, अमित त्रिवेदी सम्पूर्ण क्षेत्र तहसील मोंठ सदर-6388352494, संतोष यादव सम्पूर्ण क्षेत्र तहसील गरौठा-टहरौली-मऊरानीपुर 6306555679 एवं पूर्ति निरीक्षकगण अपूर्वा तिवारी नगर निगम क्षेत्र-7428244752, अमित कुमार नगर निगम क्षेत्र-9140014339, आदित्य कुमार तहसील मोंठ-9015058035, वीरभानु तहसील सदर-9264936373, अशोक कुमार तहसील मऊरानीपुर-8299821460, प्रभाकर देव तहसील गरौठा-8948318963, सुरेश कुमार साहू तहसील टहरौली-8808641550 फील्ड अधिकारी/कर्मचारियों के मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क कर समस्या का निवारण किया जा सकता है।

जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा समस्त राशनकार्डधारकों को पुनः सूचित किया गया है कि अपनी उचित दर दुकान पर राशनकार्डों में अंकित समस्त यूनिटों की निःशुल्क ई0के0वाई0सी0 अतिशीघ्र करा लें तथा राशनकार्ड में अंकित मृतक, विस्थापित, शादी होने की दशा में विस्थापित यूनिटों को अपने राशन कार्ड से विलोपित करा लें ताकि खाद्यान्न प्राप्त होने में कोई असुविधा न हो।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों के राष्ट्रीय अधिवेशन में बुंदेलखंड के गिरजा शंकर राय होंगे सम्मानित

सत्ता सुधार ■ झांसी

गाँधी भवन में विभिन्न प्रांतो के स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों को जीतू पटवारी प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल करेंगे सम्मानित। गाँधी भवन भोपाल आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड से झाँसी एवं चित्रकूट मंडल के पदाधिकारी प्रतिनिधित्व करेंगे द्य जिसमें झाँसी के गिरजाशंकर राय प्रदेश उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संयुक्त संगठन ने बताया कि अधिवेशन में उत्तर प्रदेश हरिराम गुप्त राष्ट्रीय समन्यवक, रामकुमार स्वतंत्र कोषाध्यक्ष, बुंदेलखंड के चित्रकूट मंडल से डॉ संजय द्विवेदी दनादन प्रदेश महासचिव, एस पी द्विवेदी चित्रकूट मंडलअध्यक्ष , प्रताप सिंह बुन्देला झाँसी मंडल अध्यक्ष जोगिंदर सिंह बाजबा मंडल अध्यक्ष कानपुर सहित देश के विभिन्न पदाधिकारिओं को सम्मानित करेंगे। 26 एवं 27 नवंबर में दो दिवसीय कार्यक्रम दो सत्रों में अधिवेशन होगा। अंतिम सत्र में अतिथियों के सम्मान व राष्ट्रगान उपरांत अधिवेशन होगा संम्पन।

श्री रामराजा इण्टर कॉलेज, वमनुआ इण्टर कॉलेज एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कन्या इण्टर कॉलेज को परीक्षा केन्द्र बनाया जाना प्रस्तावित

उक्त विद्यालय को परीक्षा केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में आपत्ति/प्रत्यावेदन करें 30 नवम्बर तक

झाँसी। उ0प्र0 माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा आयोजित वर्ष 2025 की पूर्व मध्यमा से उत्तर मध्यमा पर्यन्त स्तर की परीक्षा के सम्पादन हेतु निर्गत नीति के आलोक में समिति द्वारा श्री रामराजा इण्टर कॉलेज, वमनुआ इण्टर कॉलेज, झाँसी एवं डा0 राजेन्द्र प्रसाद कन्या इण्टर कॉलेज, झाँसी को परीक्षा केन्द्र प्रस्तावित किया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने सर्वसाधारण को सूचित किया हैं कि यदि उक्त विद्यालय को परीक्षा केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में आपत्ति हैं तो वह अपना प्रत्यावेदन दिनांक 30 नवम्बर 2024 तक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय झाँसी में सीधे प्राप्त करा सकते हैं।

मेडिकल बनवाने आए युवक से मांगे पच्चीस सौ रुपए, पीड़ित ने पुलिस को दी लिखित तहरीर

झांसी। निर्देशों के बावजूद कुछ अधिकारी भ्रष्टाचार करने से बाज नहीं आ रहे है। जिसके चलते आम जनता परेशान हो रही है।ऐसा ही एक मामला जिल अस्पताल में देखने को मिला जहां मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने आए एक युवक ने आरोप लगाते हुए कहा कि वहां मौजूद कर्मचारी दलाल ने पच्चीस सौ रूपये मांगे। युवक ने कहा वह कोई गलत कार्य करवाने नहीं आया और वह बहुत गरीब है। इसके इसके बाद उसे लौटा दिया गया। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत करते हुए कार्यवाही की मांग की है।थाना गुरसराय निवासी दीपू यादव ने मिनर्वा चौकी में दिए शिकायती पत्र देते हुए बताया कि वह ग्राम दिनारा में स्कूल में पढ़ता है। उसका कई दिनों से स्वास्थ्य खराब चल रहा था इसके चलते वह स्कूल नहीं गया। उसे बताया गया कि वह जिला अस्पताल में जाकर उपचार कराते हुए अपना मेडिकल सर्टिफिकी बनवा कर स्कूल में दाखिल कर दे। इस पर वह सोमवार को जिला अस्पताल आया और मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने जैसे ही कमरे में दाखिल हुआ वहां बाहर बैठे दो व्यक्ति जो खुद को वहां का कर्मचारी बता रहे थे उन्होंने पच्चीस सौ रूपये मांगे। जब युवक ने रुपए देने से मना कर दिया तो उसका मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं बनाया गया। पीड़ित ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर वहां लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज जबकि में लेकर कार्यवाही की मांग की है।

शासन से जल्द न्याय न मिलने पर समस्त ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन करेगा धरना प्रदर्शन

मुख्यमंत्री के नाम पत्रकारों ने उप जिलाधिकारी गरौठा को दिया ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ गुरसराय (झांसी)

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील के समस्त पत्रकारों ने आज गरौठा तहसीलदार द्वारा गुरसराय में किसान सेवा समिति पर पत्रकार से अभद्र व्यवहार एवं जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने के संबंध में आज मुख्यमंत्री के नाम उपजिलाधिकारी गरौठा को एक ज्ञापन सौपा। जिसमें समस्त पदकारों ने तहसीलदार के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की बात कही। वहीं उत्तर प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से इस संबंध में जल्द बड़ी कार्यवाही की मांग की गई। वहीं ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष राजेश सिंह परिहार ने कहा कि अगर इस संबंध में पत्रकार के साथ जल्द न्याय नहीं होगा तो मीडिया के लोग इस संबंध में आगे की रणनीति बनाकर जिलास्तर पर धरना करने को मजबूर होंगे। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार रामकुमार सिंह, राजेश सिंह परिहार, राजीव परमार, संदीप श्रीवास्तव, आशुतोष गोस्वामी, मिलन परिहार, सोम मिश्रा, कौशल किशोर, सार्थक नायक, आयुष त्रिपाठी, बलराम पटेल, शौकीन खान,हरिश्चंद्र नायक कुलदीप यादव सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

अज्ञात पागल युवक के लिए डॉ. ओपी राठौर बने भगवान

सत्ता सुधार ■ गुरसरांय (झांसी)

पागल युवक को सड़क पर गिर जाने के चलते सिर में गंभीर रूप से चोट लग जाने से युवक बेहोश होकर 25 नवंबर सोमवार को 5ः40 बजे शाम लगभग सरकारी अस्पताल के सामने मुख्य मार्ग पर गिर गया और उसके सिर से काफी खून बह रहा था आसपास राहगीर भी निकलते रहे लेकिन देखते हुए भी अनदेखा करते रहे इस दौरान गुरसरांय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर ओपी राठौर किसी काम से बाजार की तरफ जा रहे थे तो उन्होंने उक्त अज्ञात पागल युवक को गंभीर हालत में स्वयं उसको उठाया और फिर सरकारी अस्पताल से स्टेचर मंगवाया और कुछ स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग से उसे सरकारी अस्पताल गुरसरांय भर्ती कर खुद इलाज किया प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओपी राठौर ने मानवता का जीता जागता उदाहरण प्रस्तुत किया कौन है क्या नाम है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है लेकिन गुरसरांय कस्बे में आए दिन उसे देखा गया है इसे कहते हैं जिसका कोई नहीं उसका खुदा है यारों और डॉक्टर ओपी राठौर उसके लिए भगवान बनकर आए तो दूसरी ओर सरकारी अस्पताल गुरसरांय में समाचार लिखे जाने समय तक पागल युवक का इलाज जारी था और उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी।

मनीला में लगी आग की एक ड्रोन से ली गयी तस्वीर।

ब्रीफ न्यूज

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान को रिहा कराने दुनियाभर से मिल रहा समर्थन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम और महान क्रिकेटर इमरान खान की रिहाई के लिए प्रोटेस्ट कर रहे प्रदर्शनकारियों का काफिला इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहा है। 24 नवंबर को इमरान की अपील पर प्रदर्शन शुरू हुआ। इमरान ने इस प्रोटेस्ट को फाइनल कॉल नाम दिया है। प्रदर्शन रोकने के लिए पुलिस ने चार हजार से ज्यादा इमरान समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें पांच सांसद भी हैं। इस बीच पाकिस्तान में चल रहे प्रदर्शन को दुनियाभर से समर्थन मिल रहा है।

हिंद महासागर में दो नौकाओं के पलटने से 24 लोगों की मौतः सोमालिया सरकार

मोगादीशू। हिंद महासागर में मेडागास्कर तट के पास दो नौकाओं के पलटने से 24 लोगों की मौत हो गई। सोमालिया सरकार ने इसकी जानकारी दी। सोमालिया के विदेश मंत्री अहमद मोआलिम फिकी ने कहा कि 46 लोगों को बचाया गया है। अधिकांश यात्री सोमालिया के युवा थे। इथियोपिया में सोमालिया के राजदूत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल नौकाओं के पलट जाने घटना की जांच करने लिए सोमवार को मेडागास्कर जाएगा।

बंदूकधारियों ने बरसाईं गोलियां, 6 की मौत, 5 घायल

सैन जुआन। दक्षिण-पूर्वी मेक्सिको में बंदूकधारियों की गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम पांच घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोलीबारी की यह घटना तटीय प्रांत ताबास्को में हुई, जो हाल में हिंसा से जूझ रहा है। लोक सुरक्षा सचिव उमर गार्सिया हार्फुच ने 'एक्स पर कहा कि गोलीबारी की घटना को सुलझाने में अधिकारियों लगे हुए हैं।

अमेरिका के बाद अब अडाणी के साथ हुए समझौते की जांच करेगा बांग्लादेश

शेख हसीना ने पीएम रहते अडाणी ग्रुप के साथ किया था पावर एग्रीमेंट

एजेंसी ■ ढाका

अमेरिका में रिश्वत देने के आरोप में घिरे अडाणी ग्रुप की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब बांग्लादेश ने भी शेख हसीना के पीएम रहते अडाणी ग्रुप के साथ हुए पावर एग्रीमेंट की जांच के लिए एक एजेंसी गठित करने की सिफारिश की गई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की गठित समिति ने इस एजेंसी के गठन की सिफारिश की है। साथ ही शेख हसीना के पीएम रहते हुए छह अन्य बड़े एनर्जी और पावर एग्रीमेंट की जांच की भी मांग की है। मीडिया रिपोर्ट में एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पावर, एनर्जी और खनिज संसाधन मंत्रालय की समीक्षा समिति ने 2009 से 2024 तक पावर प्रोडक्शन एग्रीमेंट को लेकर किए गए समझौते की जांच के लिए एजेंसी नियुक्त करने की सिफारिश

की है। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के ऑफिस से जारी बयान में कहा गया है कि समीक्षा समिति सात प्रमुख एनर्जी और पावर प्रोजेक्ट की समीक्षा कर रही है। इसमें अडाणी (गोड्डा) बीआईएफपीसीएल 1234.4 मेगावाट कोल फायर्ड प्लांट भी शामिल है। छह अन्य समझौतों में से एक चीनी कंपनी के साथ हुआ है, जिसने 1320 मेगावाट का कोल फायर्ड इलेक्ट्रिसिटी प्लांट बनाया है। बयान में यह भी कहा गया है कि समिति ने कई सबूत जुटाए हैं, जिनके आधार पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों और प्रक्रियाओं के मुताबिक समझौतों को रद्द या फिर पुनर्विचार किया जा सकता है। इसके अलावा कई अन्य कॉन्ट्रेक्ट की जांच के लिए अलग से वक्त मांगा गया है। अडाणी ग्रुप का गोड्डा पावर प्लांट ग्रुप का पहला इंटरनेशनल पावर प्लांट है। इसमें झारखंड के गोड्डा में 1600 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट लगाया था। इससे ट्रांसमिशन लाइन के जरिए बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (बीपीडीबी) को बिजली की सप्लाई की जा रही है। 2016 में इसे लेकर शेख हसीना सरकार के साथ करार किया गया था।

मैं भारत और बांग्लादेश की समर्पित टीमों को सलाम करता हूं,

गोड्डा पावर प्लांट शुरू होने के बाद गौतम अडाणी ने सोशल मीडिया पर शेख हसीना के साथ तस्वीर शेयर की थी। तब उन्होंने लिखा था कि 1600 मेगावाट के अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल गोड्डा पावर प्लांट के फुल लोड शुरुआत और हैंडओवर पर बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना से मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं भारत और बांग्लादेश की समर्पित टीमों को सलाम करता हूं, जिन्होंने कोविड का सामना करने के बाद भी साढ़े तीन साल के रिकॉर्ड समय में प्लांट को चालू कर दिया है।

कई चुनौतियों से जूझ रहे पाकिस्तान के सामने इमरान ने बढ़ाई एक और मुसीबत

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पाकिस्तान में एक के बाद एक नई नई चुनौतियां आ रहीं हैं। पहले आर्थिक फिर शिया सुन्नी झगड़ा और अब पूर्वे पीएम इमरान खान की पार्टी का प्रदर्शन सरकार के लिए मुश्किलें पैदा कर रहा है। पाकिस्तान में रविवार से पीटीआई का प्रदर्शन शुरू हो गया है। अलग-अलग इलाकों से पीटीआई के हजारों समर्थकों ने कूच करना शुरू कर दिया है। इस प्रदर्शन के शुरू होने से पहले ही 48 घंटे के लिए पूरे इस्लामाबाद में अघोषित लॉकडाउन कर दिया है। और शायद पाकिस्तान दुनिया का इकलौता देश है, जिसकी राजधानी इस वक्त कंटेनर लॉक्ड है। पाकिस्तान सरकार ने इस प्रदर्शन को दबाने और इस्लामाबाद तक प्रदर्शनकारियों को ना पहुंचने देने के लिए जितने भी रास्ते हैं, सबको बड़े बड़े शिपिंग कंटेनर रखकर बंद कर दिया है। कुल 35 से ज्यादा ऐसी सड़कें हैं जो बाकी प्रांत से इस्लामाबाद को जोड़ती हैं, जो बंद हैं। जिन शिपिंग कंटेनरों से सड़कें ब्लॉक की गई हैं, ये कोई मुफ्त की नहीं हैं। इसके लिए भी करोड़ों खर्च करने पड़ सकते हैं। अगर ये प्रदर्शन लंबे समय तक चला तो इन कंटेनरों के लिए शहबाज सरकार को बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। कंटेनर के किराए की बात करें तो यह करोड़ों में है।

INVEST MADHYA PRADESH
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
फरवरी 2025, भोपाल

MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

वैश्विक निवेश का उभरता परिवेश
मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
द्वारा

यू.के.
में
मध्यप्रदेश की निवेश संभावनाओं पर
इंटरैक्टिव सेशन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

26 नवम्बर, 2024 | अपराह्न 4:00 बजे से (IST)
होटल सेंट जेम्स कोर्ट (ताज), लंदन

द फ्यूचर रेडी स्टेट, मध्यप्रदेश

फोकस सेक्टर: नवकरणीय ऊर्जा | ऑटोमोबाइल, ऑटो कंपोनेंट्स एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल्स | खाद्य प्रसंस्करण | शिक्षा

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP | #InvestMP | Website : invest.mp.gov.in

D-11105/24

ध्यान ही सकारात्मक परिवर्तन का आधार : दिव्य धाम आश्रम में मासिक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन

दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी के दिव्य मार्गदर्शन में ब्रह्मज्ञानी साधकों को भक्ति पथ पर दृढ़ता पूर्वक आगे बढ़ने हेतु दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा दिल्ली स्थित दिव्य धाम आश्रम में प्रेरणादायक आध्यात्मिक मासिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ब्रह्मज्ञानी वेदपाठियों ने वैदिक मंत्रों उच्चारण सहित सभा का शुभारंभ किया। संस्थान के प्रशिक्षित संगीतकार शिष्यों ने विभिन्न सुमधुर भक्ति रचनाओं के गायन द्वारा वातावरण में भक्ति की आभा को प्रसारित किया। संस्थान के प्रचारकों द्वारा आध्यात्मिक प्रवचनों ने साधकों में उत्साह का संचार किया।

गुरुदेव के प्रचारक शिष्यों ने अध्यात्म एवं संसार दोनों ही क्षेत्रों में ध्यान द्वारा समग्र विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानव में सकारात्मक परिवर्तन की शक्ति उसके भीतर ही निहित है। इस अंतर्निहित शक्ति को जागृत करने हेतु श्री आशुतोष महाराज जी ने शिष्यों को ब्रह्मज्ञान की सनातन विधि प्रदान की है। ध्यान के निरंतर अभ्यास द्वारा शिष्य अपने विकारों को नियंत्रित कर सकता है। साधक को अपनी कमियों व विकारों के प्रति सचेत रहते हुए उसे समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि यही विकार उसकी शांति व उन्नति में बाधा उत्पन्न करते हैं। दिव्य गुरु के मार्ग व आदर्शों पर दृढ़ता से बढ़ते हुए शिष्य अपने भीतर आध्यात्मिक ओज को प्राप्त करता है।

जिस प्रकार मानव अपने शरीर के लिए ऊर्जा हेतु भोजन को नियमित रूप से ग्रहण करते है, उसी प्रकार आत्मा के विकास हेतु नियमित ध्यान की आवश्यकता होती है। आध्यात्मिक मार्ग पर शिष्य को सदैव अपनी कमियों को जान, उसे समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए। अपने विकारों पर विजय प्राप्त करने हेतु निरंतर ध्यान व गुरु के प्रति समर्पण और विश्वास ही साधक का संबल है। सत्संग विचारों में यह स्पष्ट किया गया कि शिष्य नियमित ध्यान द्वारा अपने भीतर सकारात्मक परिवर्तन को प्राप्त करें। अंत में प्रसाद वितरण द्वारा सभा को विराम दिया गया।

चुनाव परिणाम: सत्ता पक्ष को फिर मिला जनादेश

▪ सुरेश हिंदुस्तानी

देश के दो राज्यों के साथ कुछ राज्यों के उपचुनाव के परिणाम ने सत्ता पक्ष के प्रति अपना जनादेश दिया है। हर चुनाव में सत्ता के प्रति जनता में किसी न किसी बात पर आक्रोश रहता है, लेकिन महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव में ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं दिया। जनता ने फिर से उन्हीं सरकारों को फिर से सत्ता संभालने की जिम्मेदारी दी है, जो सत्ता में थी। खास बात यह है कि महाराष्ट्र और झारखण्ड में सत्ता धारी गठबंधन को पहले से ज्यादा सीटें मिली हैं।

यह जनादेश न तो किसी के उछलने का मार्ग तैयार करता है और न ही किसी को नकारने की स्थिति पैदा करता है। जहां तक खुशियाँ मनाने की बात है तो महाराष्ट्र में भाजपा नीत गठबंधन जीत की खुशी मना रहा है तो झारखण्ड में इंडी गठबंधन के गले में विजयी माला पहनाई गई है। वहीं उपचुनाव में सबको खुशी और सबक दोनों ही दिए हैं।

महाराष्ट्र और झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद अपने हिसाब से राजनीतिक विश्लेषण किए जा रहे हैं। राजनीतिक दलों के लिए इन चुनावों में प्रादेशिक रूप से जय और पराजय दोनों ही सन्देश प्रवाहित हो रहे हैं। किसी के लिए खुशी तो किसी के लिए गम की स्थिति पैदा करने वाले परिणाम ने यह तो साबित कर दिया है कि देश में किसी एक राजनीतिक दल का न तो व्यापक प्रभाव है और न ही कम सीट प्राप्त करने वाले को कमतर आँका जा सकता है। इस चुनाव की सबसे ख़ास बात यह मानी जा सकती है कि कोई भी पार्टी अकेले दम पर बहुमत का आंकड़ा प्राप्त नहीं कर सकी, जिससे यह सन्देश निकल रहा है कि अब भविष्य की राजनीति की दिशा और दशा गठबंधन के सहारे ही तय होगी। वर्तमान में राजनीति दो विचार धाराओं के बीच है, जिसमें एक तरफ भारतीय जनता पार्टी के साथ समन्वय बनाकर चलने वाले राजनीतिक दलों का विचार है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के विचारों से तालमेल रखने वाले दलों की बानगी है। इतना ही नहीं इन चुनावों एक दूसरे के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया गया, वह राजनीतिक हिसाब से भले ही जायज ठहराया जा सकता है, लेकिन आम नागरिकों के समक्ष भ्रम जैसी स्थिति को ही प्रादुर्भित करती हैं।

महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भाजपा के लिए निश्चित ही अच्छे कहे जा सकते हैं, लेकिन झारखण्ड में सरकार बनाने का सपना लेकर मैदान में उतरी भाजपा को फिर से तैयारी करनी होगी।

झारखण्ड के परिणाम को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति उपजी सहानुभूति को आधार बताया जा रहा है। पिछले दिनों झारखण्ड में हुए भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से अलग होना पड़ा था। जिसके बाद हेमंत सोरेन ने चुनाव में इसी को अपना राजनीतिक हथियार बनाया था और चुनाव में अपने पक्ष में वातावरण बनाया। ऐसा लगता है कि झारखंड में भाजपा अपनी ताकत और कमजोरी को भाँपने में विफल हो गई। झारखण्ड में भाजपा इतनी अप्रभावी नहीं कही जा सकती, जैसा उसका इस चुनाव में प्रदर्शन रहा है। पिछले विधानसभा के चुनाव में भाजपा के प्रादेशिक नेताओं की तनातनी जगजाहिर थी, जिसका परिणाम भाजपा के लिए ठीक नहीं था। हालाँकि इस चुनाव में भाजपा ने पिछली गलती को सुधारने का भरसक प्रयास किया, लेकिन वह सत्ता के सीढ़ी का निर्माण कर पाने में असफल रही। अब झारखण्ड में फिर से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन फिर मुख्यमंत्री होंगे, यह भी तय लगता है।

परिणाम के बाद अब महाराष्ट्र के चुनावों के बारे में जो राजनीतिक निष्कर्ष निकाले जा रहे हैं, उसके अनुसार यही कहा जा रहा है कि झारखंड और महाराष्ट्र में राजनीतिक हवा अलग अलग दिशा में बह रही थी। जिसने हवा का रुख भांप लिया, वह हवा के साथ ही चला और सत्ता प्राप्त करने में सफलता हासिल की।

महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस के साथ रहने वाले शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को जनता ने नकार कर शायद यही सन्देश दिया है कि यह सत्ता के लिए किया गया बेमेल गठबंधन ही था। महाराष्ट्र में ऐसे जनादेश का क्या अर्थ होना चाहिए कि एक गठबंधन जीत गया तो दूसरा गठबंधन हार गया। इसी प्रकार झारखण्ड में भी जनादेश की भी समीक्षा की जाने लगी है।

पिछले पांच साल में महाराष्ट्र में जिस प्रकार की राजनीतिक उठापटक हुई थी, उसके केंद्र में कौन था, यह ठीक ठीक नहीं कहा जा सकता, लेकिन इंडी गठबंधन की मानें तो उसने इसका सारा ठीकरा भाजपा के मत्थे मढ़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। इस राजनीतिक धमा चौकड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिव सेना ने अपने विभाजन के रूप में चुकाई। जो धड़े अलग हुए वे भाजपा के साथ जाकर खड़े हो गए और महाराष्ट्र में सरकार बनाई। कहा जा रहा है कि जनादेश ने भाजपा के साथ वाली शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को असली होने का प्रणाम पत्र दे दिया है। अब महाराष्ट्र में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन की ही सरकार बनेगी, यह तय है, लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा, इसके कयास भी लगने लगे हैं, क्योंकि महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर भाजपा ने शानदार वापसी की है। ज्यादा उम्मीद इसी बात की है कि एकनाथ शिंदे ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके पीछे राजनीतिक कारण यह भी माना जा रहा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सहयोगी दलों की जरुरत है, इसलिए भाजपा अपने सहयोगी दलों को अब नाराज नहीं कर सकती। दूसरी बात यह भी है भाजपा ने एकनाथ शिंदे को जिस प्रकार से चौकाने वाले अंदाज में मुख्यमंत्री बनाया था, वह हर किसी के लिए आश्चर्य ही था। अब यह भी हो सकता है कि भाजपा ने जिस प्रकार से पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उप मुख्यमंत्री बनाया, वही प्रयोग शिंदे के साथ भी किया जा सकता है।

राजकाज

महाराष्ट्र में भाजपा का एक छत्र राज

महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव में भाजपा गठबंधन ने चमत्कार करके दिखाया है। 288 सीटों में से महायुति गठबंधन ने 230 सीट जीतकर रिकॉर्ड बना लिया है। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने 132 सीट जीत ली।भूतो ना भविष्यति की तरह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का यह परिणाम किसी चमत्कार से कम नहीं है। विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी का सुपड़ा साफ हो गया।असली शिवसेना और असली राकपा विधानसभा चुनाव की आंधी में उड़ गई।नकली-असली के रूप में सामने आ गई। यह चमत्कार मोदी और अमित शाह ही कर सकते हैं। महा विकास अघाड़ी के नेता चुनाव आयोग को मोदी और अमित शाह की कैद में बता रहे हैं जैसा वह चाहते हैं,वैसा परिणाम ले लेते हैं। बेचारा चुनाव आयोग,उसे जो निर्देश मिलते हैं,वही करता है। महाराष्ट्र में भाजपा की सरकार बनना तय हो गया है। जिसे नतीजा नहीं मानना है।

महाराष्ट्र में असली और नकली शिवसेना-राकापा के बीच फैसला?

महाराष्ट्र में शिवसेना दो फाड़ हुई। एकनाथ शिंदे ने भाजपा के साथ समझौता करके सरकार बनाई। खुद मुख्यमंत्री बन गए। बाला साहब ठाकरे के वारिस उद्धव ठाकरे अपने आप को असली वारिस बताते रह गए। जनता ने अथवा चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना को ही असली शिवसेना मान लिया है।चुनाव परिणाम तो यही बता रहे हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति राकापा की हुई है। इस पार्टी का गठन शरद पवार ने किया था। उनके भतीजे पार्टी तोड़कर भाजपा के साथ मिल गए।वह उप मुख्यमंत्री बन गए। जेल जाने से भी बच गए। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव हुए। वह अपने चाचा को हराकर नकली से असली राकापा के मालिक बन गए हैं। समय की बलिहारी है, जिसने पैदा किया वह डुप्लीकेट हो गया। और डुप्लीकेट असली हो गया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में चमत्कार के रूप में जनता को यह देखने को मिल रहा है।

महाराष्ट्र में भाजपा को किसी की जरूरत नहीं

महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव हो गए हैं। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में भाजपा ने 132 सीटों पर विजय प्राप्त कर ली है। 14 निर्दलीय विधायकों का समर्थन भाजपा को मिल गया है। वह स्पष्ट बहुमत में पहुंच गई है।ऐसी स्थिति में अब भाजपा को सरकार बनाने के लिए ना तो एकनाथ शिंदे की जरूरत है। नाही अजीत पवार की जरूरत है। भाजपा के कहने पर यह बिना किसी मोलतोल की समर्थन करेंगे, तो सरकार में एकनाथ शिंदे और अजीत पवार को हिस्सेदारी मिलेगी।

भतीजे को हराकर 1 लाख वोटो से जीते अजीत पवार

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में बारामती की विधानसभा सीट पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार 1लाख से अधिक वोटो से चुनाव जीतकर,अपने भतीजे योगेंद्र पवार को हरा दिया है। कहा जा रहा है, कि भाजपा भाई-भाई को लड़ाती है। भाजपा जिस परिवार में घुस जाती है। उस परिवार का टूटना तय माना जाता है। यहां तो भतीजे की बात थी। पवार का पूरा परिवार एक दूसरे के खिलाफ लड़ रहा है।

फीचर

पपीते का रस ठीक करता है कई गंभीर बीमारियां

आम तौर पर माना जाता है कि पपीते का फल पेट की बीमारियों का रामबाण उपाय है पर इतना ही नहीं है। पपीता एक ऐसा फल है जो गंभीर बीमारियों को बढ़ने से रोकता है।

ऐसे में अगर आप स्वस्थ् रहना चाहते हैं तो पपीते का सेवन करना शुरु कर दें। पपीता ही नहीं इसके पत्तों का रस भी बेहद स्वस्थ्यवर्धक होता है। अगर आपने इसके पत्तों का रस पीया है तो ठीक और नहीं पीया तो पीना शुरू कर दीजिए क्योंकि पपीता खाने के साथ ही इसके पत्तों का रस पीने से कई तरह की बड़ी बीमारियों से बचाव होता है। वैसे तो ज्यादातर डेंगू और चिकनगुनिया के रोगियों को इसका रस पीने की सलाह दी जाती है लेकिन अगर आप ताउम्र स्वस्थ रहना चाहते हैं तो इसे आपने आहार में शामिल करें। कैंसर कोशिकाओं को रोकता है पपीते के पत्तों में कैंसररोधी गुण होते हैं जो कि रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने में मदद करते हैं और सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्टम कैंसर जैसे कैंसर के सेल्स को बनने से रोकते हैं।

संक्रमण से बचाव: शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाने के साथ ही पपीते के पत्तों का जूस शरीर में बैक्टीदरिया की ग्रोथ रोकने में भी सहायक है। यह खून में सफेद रक्त कणों और प्लेटलेट्स को बढ़ाने में भी सहायता करता है।

डेंगू नहीं होगा: डेंगू और मलेरिया से लड़ने में पपीते की पत्तियों का रस काफी लाभकारी रहता है। यह बुखार की वजह से गिरती प्लेटलेट्स को बढ़ाने और शरीर में कमजोरी को बढ़ने से रोकता है।

पीरियड्स में लाभप्रद: पीरियड्स में होने वाला दर्द में अगर पपीते की पत्ती को इमली, नमक और 1 ग्लास पानी के साथ मिलाकर काढ़ा बनाया जाए और इसे ठंडा करके पिया जाए तो काफी आराम मिलता है।

एनीमिया में लाभप्रद: पपीते का रस किसी औषधि से कम नहीं है। अगर आपकी ब्लरड प्लेतटलेट्स कम हो रही हैं तो इसे पीने से ब्लेड प्लेअटलेट्स बढ़ जाती हैं।

विश्व में भारत की साख बढ़ाने की मोदी प्रतिबद्धता

दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विश्व नेता बनकर उभरे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा लगातार बढ़ा है। विदेशी धरती से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की एक लम्बी शृंखला इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित हुई है और उनकी सोच, नीतियों एवं कार्यक्रमों को विश्व स्तर पर मान्यता मिल रही है। यह भारत के लिये गर्व की बात है। इसी शृंखला में अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका और गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान और नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में ब्राजील में जी 20 समिट की बैठक के लिए पहुंचे थे और इसके बाद 3 कैरेबियन देशों की यात्रा पर है। कोरोना काल में मानवीय दृष्टि से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' और गुयाना ने 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा।

भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को अभिभूत एवं गौरवान्वित कर देने वाले हैं। ये सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। ये सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से देश का समग्र विकास करते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर किया, इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा है। अब तक विदेशों में कुल 19 बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और

ललित गर्ग

अमेरिका के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिप्ट, बहरीन और युएई जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार विदेशी संसद को संबोधित करने का रिकॉर्ड भी मोदी के नाम ही है। मोदी आश्चर्यों की वर्णमाला से गूंथित ऐसा व्यक्तित्व है जिसने अपने हर कीर्तिमान से भारत का मस्तक ऊंचा किया है। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के पार्लियामेंट को भी प्रधानमंत्री मोदी संबोधित कर चुके हैं। मोदी ने 14 बार विदेशी संसद में वहां के सांसदों को संबोधित किया। अमेरिका में मोदी ने दो बार संसद को संबोधित किया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिजी, मॉरिशस, युगांडा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मालदीव की संसद को भी प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने 7 बार, इंदिरा गांधी ने 4 बार, जवाहरलाल नेहरू ने 3 बार, जबकि मोरारजी देसाई और पीवी नरसिम्हा राव ने 1-1 बार विदेशी संसदों में संबोधन दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे तो सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी किसी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हो। भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। मोदी की हर देश की यात्रा ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बनी है। बात चाहे अमेरिका यात्रा की हो, वहां राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि ''आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए।'' आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा। उसे देखकर तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए। दुनिया के बड़े नेता जहां मोदी को सर आंखों पर बैठा रहे हैं, वहीं भारत में मोदी की लगातार बढ़ती साख एवं सम्मान से समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है। मोदी का जितना विरोध किया जा रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। एक तरह से विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। इस युगनायक पर कीचड़ उछालने की जिस तरह की हरकतें की गई, वर्तमान में वे पराकाष्ठा तक पहुंच गयी है। पर इससे मोदी का वर्चस्व धूमिल होने वाला नहीं है। क्योंकि उनकी राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट है। आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है। मोदी का संपूर्ण व्यक्तित्व एक पाठशाला बन गया है। उनके व्यक्तित्व के कई अनूठे आयाम हम देख चुके हैं, जो हमें आश्चर्यचकित कर देते हैं। उनकी सबसे बड़ी और असाधारण बात है उनके वक्तव्य और भाषण। जितनी स्पष्टता और प्रभावी तरीके से वे अपनी बात रखते हैं वह विलक्षण है।

प्रेरणा

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ?से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है- भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

अपनी बात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश औद्योगिक रूप से सक्षम बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य की औद्योगिक क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य में विभिन्न घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि संभल में शाही जामा मस्जिद 50-100 साल पुरानी नहीं है, यह 250 से 300 साल से भी ज्यादा पुरानी है। कोर्ट ने मस्जिद के लोगों की बात सुने बिना ही एकपक्षीय आदेश पारित कर दिया जो गलत है। जब दूसरा सर्वेक्षण किया गया तो कोई जानकारी नहीं दी गई और टीम सर्वे करने पहुंच गई। सर्वेक्षण का वीडियो जो लोग दावा कर रहे हैं कि सार्वजनिक डोमेन में है, उसमें सर्वेक्षण के लिए आए लोगों द्वारा भड़काऊ नारे लगाए गए थे।

ब्रीफ न्यूज

26 नवम्बर को मनाया जायेगा संविधान दिवस

गुना। शासन के निर्देशानुसार 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाया जाता है। जिसके अंतर्गत भारत सरकार ने संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के महत्व को देखते हुए, वर्ष भर चलने वाले उत्सव को हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान अभियान की टैग लाइन के तहत चलाने का निर्णय लिया है। शासन के आदेशानुसार शासकीय कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थाओं, स्वशासी संस्थाओं एवं सार्वजनिक उपक्रमों आदि में कार्यक्रम आयोजित किये जाने हैं। कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह द्वारा समस्त जिला अधिकारियों को आयोजन के विस्तृत दिशा-निर्देश के आदेश जारी किये गये हैं।

जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेला 28 को

गुना। युवाओं को एक ही छत के नीचे लाभ पहुंचाने के उदेश्य से जिला स्तर पर प्रत्येक माह रोजगार एवं स्वरोजगार मेलो का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। जिला रोजगार अधिकारी बी.एस. मीना ने बताया कि इसी क्रम में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन तथा सूक्ष्म, लघु व मध्यम, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के सहित सभी विभागों के समन्वय से जिला स्तर पर 28 नवम्बर 2024 को सर्किट हाउस (विश्राम गृह), (एसबीआई बैंक कलेक्टरेट शाखा) के पास जिला गुना में प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रदेश की विभिन्न कंपनियों द्वारा मेला स्थल पर साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे एवं विभिन्न विभागों द्वारा अलग अलग स्वरोजगार योजनाओं के बारे में जानकारी दी उपलब्ध करायी जावेगी, साथ ही ऐसे विभाग जिनमें स्वरोजगार एवं हितग्राही मूलक योजना संचालित होती है, उनके हितग्राही को भी हितलाभ वितरण किया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर द्वारा अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री विशाल सिंह को कार्यक्रम समन्यव के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है साथ ही अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

अपने खोए मोबाईल को लेने गए युवक के साथ मारपीट

गुना। शहर के कैंट थानांतर्गत सेमरा में अपने गिरे मोबाईल को लेने गए युवक के साथ दो लोगों ने मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी टीकाराम कुशवाह पिता चरण सिह कुशवाह निवासी दोषपुर ने अपने चाचा रानू कुशवाह के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसका कुछ दिन पहले मोबाइल गिर गया था। जिस पर ग्राम सेमरा का मोनू कुशवाह ने बोला था कि तेरा मोबाइल मेरे पास है आकर ले जा। जिस पर गत शाम ग्राम सेमरा में बनबारी अहिरवार की दुकान के पास पहुंचा। यहां उसे मोनू कुशवाह व उसका साथी दौलत कुशवाह मिले। जब फरियादी ने उनसे अपना मोबाइल मांगा तो दोनों ने गाली गलौंच कर कहा कि तूने मेरी रिपोर्ट क्यों की थी तुझमें दम हो तो मोबाइल लेकर बता। इस दौरान दोनों ने उसकी डंडे से मारपीट कर दी। जिसमें वह घायल हो गया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची डायल-100 ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया।

जनता के प्रति संवेदनशील रहें और उनकी समस्या को गंभीरता से करें निराकृतः मुख्य सचिव

मुख्य सचिव द्वारा समाधान ऑनलाइन के दौरान कलेक्टर-कमिश्नर्स को दिये आवश्यक निर्देश

सत्ता सुधार ■ गुना

मुख्य सचिव द्वारा समाधान ऑनलाइन के दौरान कलेक्टर-कमिश्नर्स को दिये आवश्यक निर्देश दिये गये। जिला कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा, वन मण्डलाधिकारी श्री अक्षय राठौर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य सचिव द्वारा समाधान ऑनलाईन के दौरान चयनित जिलों के हितग्राहियों से वन-टू-वन चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों द्वारा की गयी कार्यवाही के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान सीएम हेल्पलाइन से संबंधित उच्च, निम्न प्रदर्शन करने वाले ग्रेडिंग के आधार पर संबंधित कलेक्टर्स से चर्चा की गयी और उनके द्वारा निराकरण के लिए की गयी बेस्ट प्रेक्टिस का फीडबैक प्राप्त किया। समीक्षा के दौरान समाधान ऑनलाइन के चयनित विषयों की तुलनात्मक समीक्षा भी की गयी।

मुख्य सचिव द्वारा व्हीसी के माध्यम से सभी कलेक्टर्स/कमिश्नर्स को निर्देशित किया गया कि जनता के प्रति संवेदनशील रहें और उनकी समस्या को गंभीरता से निराकृत करें और शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करावें और निराकरण की सही रिपोर्ट दर्ज करावें। गलत रिपोर्ट दर्ज कराने वाले कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त की जावे। कोई भी शिकायत बिना संतुष्टिपूर्ण निराकरण के फोर्स क्लोज नही की जावे। सही शिकायतों का जवाब फीड करने वाले अधीनस्थ कर्मचारियों की कैपिसिटी बिल्डिंग का प्रशिक्षण कराया जावे जिससे अच्छे परिणाम आने की संभावना रहती है और निराकरण के दौरान प्रकरणों की नियमित रूप से समीक्षा भी की जावे।

राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत फार्मर आईडी पंजीयन एक महत्वपूर्ण कार्य है, इसे अच्छी तरह से संपन्न करावें। आगे से किसानों को इसी आधार पर सभी कार्यो का लाभ प्राप्त होगा। अंत में व्हीसी के माध्यम से समीक्षा के दौरान सभी को निर्देशित किया गया कि कल 26 नवम्बर को हमारे संविधान दिवस को 75 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस उपलक्ष्य में सभी नगरीय एवं ग्रामीण स्तर पर महत्वपूर्ण गतिविधियों का आयोजन किया जाये, जिसके तहत संविधान प्रस्तावना का सामूहिक वाचन, आमजन एवं स्कूल तथा महाविद्यालयों के छात्रों को कार्यक्रम में भागीदारी के लिए प्रेरित करें। शासन स्तर पर प्राप्त होने वाली फिल्म को दिखाएं और देश एवं प्रदेश में अपना योगदान देने वाले महानुभावों की जानकारी शेयर की जावे। इस दौरान संविधान पर आधारित प्रदर्शनी लगायी जावे। संविधान दिवस के सभी कार्यक्रम गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित करावें।

कलेक्टर द्वारा खेलो एमपी यूथ गेम्स के आयोजन के संबंध में हुई बैठक

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में खेलो एमपी यूथ गेम्स-2024 के आयोजन के सबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मान सिंह ठाकुर, प्राचार्य पी0जी0 कॉलेज श्री बीके तिवारी,जिला शिक्षा अधिकारी श्री चन्द्रशेखर सिसौदिया, श्रीमती शर्मिला डाबर संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी गुना सहित अन्य अधिकारी एवं विभिन्न खेल संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान खेल अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार खेलो एमपी यूथ गेम्स 2024 का विकासखंड स्तरीय चयन स्पर्धा, जिला स्तरीय, संभाग स्तरीय एवं राज्य स्तरीय आयोजन किया जाना है। विकासखंड स्तरीय चयन स्पर्धा 5 से 11 दिसम्बर 24 के मध्य, जिला स्तरीय आयोजन 13 से 15 दिसम्बर 2024 के मध्य, संभाग स्तरीय आयोजन 17 से 22 दिसम्बर के मध्य तथा राज्य स्तरीय आयोजन दिनाक 24 से 28 दिसम्बर 2024 तक किया जाना है।

बैठक में बताया गया कि खेलो एमपी यूथ गेम्स 2024 का विकासखंड चांचौड़ा में 07 दिसम्बर 24 को, विकासखंड गुना में 8 दिसम्बर 2024 को, विकासखंड बमौरी में 9 दिसम्बर 2024 को, विकासखंड राघौगढ में 10 दिसम्बर 2024 को, विकासखंड आरोन में दिनांक 11 दिसम्बर 2024 को चयन स्पर्धा आयोजित की जावेगी तथा 13 एवं 14 दिसम्बर 2024 को जिला स्तरीय आयोजन किये जाने का निर्णय लिया गया। खेलो एमपी यूथ गेम्स 2024 के अतंर्गत बॉक्सिंग, जूडो, कुश्ती, एथलेटिक्स, कबडडी, खो-खो, योगा, फुटवॉल, क्रिकेट, बेडमिंटन, टेबिल टेनिस, वेटलिफिटिंग, बॉलीवॉल, बास्केटवॉल, हॉकी, शतरंज, तैराकी, मलखंब कुल 19 खेलो में विकासखंड एवं जिला स्तरीय आयोजन किया जावेगा तथा 06 खेलों ताईक्वांडो, फैंसिंग, रोईग, क्याकिंग-कैनोईग, शूटिग एव आर्चरी का आयोजन सीधे राज्य स्तर पर किया जावेगा। खेलो एमपी यूथ गेम्स में 19 वर्ष से कम आयु (31 दिसम्बर 2024 की स्थिति में) के बालक एवं बालिका खिलाड़ी प्रतिभागिता कर सकते है।

बैठक में कलेक्टर द्वारा खेलो एमपी यूथ गेम्स 2024 के सफल आयोजन किये जाने हेतु तैराकी प्रतियोगिता गेल तथा योगा स्वतंत्रता पार्क के शेड में सम्पन्न कराने के निर्देश संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी को दिये गये।

कोतवाली और केंट पुलिस ने दबोचे एक दर्जन से अधिक जुआरी

गुना। शहर की कैंट थाना पुलिस द्वारा गल्ला मंडी के पीछे पिपरौदा खुर्द मैदान में चल रहे जुए के फड पर दबिश देकर आधा दर्जन के करीब जुआरियों को पकड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मौके पर दबिश देकर जुआ खेल रहे मुकेश पुत्र नारायण सिह राठौर निवासी खटीक मोहल्ला केंट, रमेश पुत्र गज्जू लाल साहू निवासी पिपरौदा खुर्द नानाखेड़ी, मुनेश पुत्र गोपीलाल साहू निवासी पिपरौदा खुर्द, मुकेश पुत्र चिन्टूलाल राठौर निवासी हीराबाग के सामने, दिनेश जाटव पुत्र लाखन सिह जाटव निवासी भुल्लनपुरा को पकड़ा। जिनके पास से पुलिस ने कुल नगदी 5100 रुपये राशि एवं ताश की गड्डी बरामद की। पुलिस ने सभी जुआरियों पर 13 जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की। केंट थाना पुलिस कि इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव, प्रधान आरक्षक प्रमोद जाट, आरक्षक अर्जुन यादव, आरक्षक माखन चौधरी, आरक्षक विनोद धाकड़, आरक्षक सागर आस्के, आरक्षक देवेन्द्र रघुवंशी एवं आरक्षक महेन्द्र छारी की विशेष भूमिका रही है । इधर कोतवाली पुलिस द्वारा हरिपुर रोड मस्जिद के पीछे बाड़ी में चल रहे जुए के फड पर दबिश दी। यहां से पुलिस ने जुआ खेलते हुए

क्रिकेट मैच पर सट्टा खिलाते हुए युवक को पकड़ा

कैंट थाना पुलिस द्वारा पटेल नगर क्षेत्र से क्रिकेट मैच पर सट्टा खिलाते हुए दबोचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मर्घटशाला के पास पटेलनगर कैंट गुना में क्रिकेट मैच पर मोबाईल पर सट्टा खिला रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर रानू खान पुत्र हनीफ मोहम्मद निवासी तलैया मोहल्ला को पकड़ा। जिसने पूछताछ में बताया कि वह आनलाईन आईडी देकर क्रिकेट मैच पर सट्टा खेलता व खिलाता हूँ। पुलिस को मोबाईल में करीबन 39670 रुपये का हिसाब क्रिकेट सट्टे का मिला। पुलिस ने आरोपी पर धारा 35क बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की है।

फर्जी तरीके से बदला जमीन का मालिक और रजिस्ट्रार कार्यालय खड़े होकर करा दी रजिस्ट्री

कैंट थाने में चार सौ बीसी सहित अन्य धाराओं में मृतक सहित चार पर मामला दर्ज

गुना। जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने के मामले में करीनब डेढ़ दशक से अधिक समय बाद कोर्ट के आदेश के बाद फर्जी विक्रेता, क्रेता और दो गवाहों पर चार सौ बीसी सहित अन्य धाराओं में कैंट थाने में मामला दर्ज हुआ है। जिसमें एक गवाह की तो मौत भी हो चुकी है। आरोपी द्वारा फर्जी तरीके से सब रजिस्ट्रार पहुंचकर असल मालिक के नाम पर खुद को प्रस्तुत कर जमीन की रजिस्ट्री करा दी थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित परिवादी चंद्रप्रकाश पुत्र मथुरालाल ने अपने अधिवक्ता मनोज श्रीवास्तव के माध्यम से न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राजकुमार तोरनिया की अदालत में परिवाद दायक किया था। जिसमें कहा गया कि परिवादी चंद्रप्रकाश पुत्र मथुरालाल के स्वमित्व तथा आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 16 रकवा 4.181 है स्थित ग्राम डोबरा तहसील बमौरी जिला गुना मप्र है। जिसे परिवादी ने जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 16 जून 1984 के माध्यम से राजेंद्रसिंह पुत्र सागरसिंह सिसोदिया से क्रय कर आधिपत्य प्राप्त किया था। चूंकि सर्वे क्रमांक 16 का रकवा 56.362 हे था इसलिए नामांतरण में कागजात राजस्व में आवेदक के द्वारा क्रय किये गये रकवा 4.181 है को सर्वे नंबर 16/मिन 9 पर अंकित कर दिया। परिवादी अभियुक्त कमांक 1 योगेन्द्र सिंह पुत्र मामराज सिंह राजपूत आयु 44 वर्ष, निवासी ग्राम खेडला तहसील सोहना जिला गुडगांव हरियाणा को जानता तक नहीं है। और न ही उसे कभी नहीं देखा। जबकि अभियुक्त चंद्रप्रकाश किरार और हरिप्रसाद किरार परिवादी से परिचित थे, एक ही समाज होने से पीड़ित उन्हें जानता था। इसके बाबजूद भी अभियुक्त योगेंद्र के साथ मिलकर चंद्रप्रकाश तथा हरिप्रसाद ने षडयंत्र किया और चंद्रकाश पुत्र भैरूलाल किरार, परिवादी चंद्रप्रकाश पुत्र मथुरालाल के स्थान पर कार्यालय सब रजिस्टार में खड़े होकर योगेंद्र सिंह कोक 27 अक्टूबर 2007 को उसकी स्वामित्व की भूमि को फर्जी एवं कूटरचित तरीके से बेच डाला। इस दौरान आरोपी ने स्वयं का फोटो लगाकर तथा स्वयं के हस्ताक्षर व अंगुष्ठ चिन्ह लगाकर जमीन को बेचन की कार्रवाई की। वहीं पीड़ित का कहना है कि जिस दिन जमीन की फर्जी खरीद फरोख्त हुई उस दिन तो वह गुना में किसी स्थान पर आया ही नहीं। विक्रय पत्र पर गवाह के रूप में अभियुक्त हरिप्रसाद पुत्र भमरलाल किरार ने अपने हस्ताक्षर किए थे, जबकि अन्य साक्षी रंगलाल की मृत्यु हो चुकी है। इस तरह अभियुक्त योगेंद्र सिंह ने अभियुक्त नाथूलाल अग्रवाल से मिलकर आवेदक की उल्लेखित भूमि का विक्रय पत्र संपादित करा दिया। फिलहाल मामले में कोर्ट के आदेश पर कैंट थाना पुलिस द्वारा धारा 420, 467, 468, 471 एवं 120 बी के तहत मामला दर्ज किया है।

आधार लिंकिंग, फॉर्मर रजिस्ट्री कार्य का किया निरीक्षण

गुना। शासन के निर्देशानुसार राजस्व महा-अभियान 3.0 का सफल संचालन जिले में कलेक्टर सतेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में 15 दिसम्बर तक चलाया जा रहा हैं। अभियान के तहत राजस्व विभाग के लंबित राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को राजस्व महा-अभियान में ठीक किया जा रहा है। इसी क्रम में आज अनुविभागीय अधिकारी गुना श्रीमति शिवानी पाण्डेय द्वारा ग्राम गेहूंखेड़ा गिर्द एवं बरखेड़ा गिर्द में ई-केवायसी एवं फॉर्मर रजिस्ट्री कार्य का निरीक्षण किया गया। इस दौरान तहसीलदार कमल सिंह मण्डेलिया उपस्थित रहे । हसीलदार चांचौड़ा अमित जैन द्वारा तहसील चांचौड़ा के ग्राम कोन्याकला एवं लहरचा में आधार खसरा लिंकिंग तथा फार्मर रजिस्ट्री कार्य का निरीक्षण किया गया।

आईएमए गुना की नई कार्यकारिणी का गठन

सत्ता सुधार ■ गुना

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गुना ब्रांच की नवीन कार्यकारिणी की चुनाव प्रक्रिया गत दिवस संपन्न हुई। इस चुनाव प्रक्रिया को चुनाव अधिकारी डॉ. एमके जैन ने संपन्न कराया। इस चुनाव में डॉक्टर रामवीर सिंह रघुवंशी वर्ष 2024-25 के लिए निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। प्रेसिडेंट इलेक्ट 2025-26 के लिए डॉ आरबी धाकड़ चुने गए। डॉक्टर भूपेंद्र ठाकरे और डॉ ममता मीना उपाध्यक्ष चुनी गई। वर्ष 2024-25 के सचिव के रूप में डॉ. अभिलाष सिंह राजपूत निर्विरोध चुने गए। जॉइंट सेक्रेटरी और क्लीनिकल सेक्रेटरी के रूप में क्रमशः डॉक्टर अरुण नागर और डॉक्टर सावरेन राय का निर्विरोध चयन किया गया। लेडी रिप्रेजेंटेटिव के रूप में डॉ. परिणीता जैन को चुना गया। यह पूरी प्रक्रिया गुना के वरिष्ठ चिकित्सा डॉ. जीके लाहोटी, डॉ. बीएस कुशवाह, डॉ श्यामबाबू शर्मा, डॉ पी पाठक, डॉ. बुनकर, डॉ पीके शर्मा, डॉ छाया शर्मा, डॉ. राजेश दिवाकर, डॉ. जीबी सिंह धाकड, डॉ एसके श्रीवास्तव, डॉ. एलएन ओझा, डॉ जितेंद्र रघुवंशी, डॉ पीके गुप्ता आदि की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान विभिन्न चिकित्सा साथियों द्वारा आईएमए गुना ब्रांच को बेहतर बनाए जाने के संबंध में अपनी राय रखी।

राघौगढ़ में एसबीआई शाखा में कामकाज ठप्प, लटका रहा ताला, ग्राहक हुए परेशान

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के राघौगढ़ कस्बे की स्थानीय एसबीआई शाखा में तकनीकी समस्या के कारण बैंकिंग सेवाएं पूरी तरह बाधित हो गई। जिससे ग्राहकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा और शाखा में ताला लटका रहा। शॉर्ट सर्किट की वजह से बैंक की विद्युत प्रणाली में खराबी आई, जिससे बैंक की एटीएम मशीनें जल गई और कंप्यूटर प्रणाली भी ठप हो गई। इस घटना के चलते बैंक की शाखा का संचालन रुक गया है, और ग्राहकों को समय पर सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। घटना के संबंध में शाखा प्रबंधक ने बताया कि इस तकनीकी खराबी के कारण बैंकिंग कार्यों में बाधा उत्पन्न हो गई है। फिलहाल, बैंक मुख्यालय को इस समस्या की सूचना दी गई है, और तकनीकी टीम इसे जल्द से जल्द ठीक करने का प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार, दो दिन के अवकाश के बाद शाखा सोमवार सुबह नियमित रूप से खुली, लेकिन तकनीकी गड़बड़ी के कारण लेनदेन संबंधी सभी कार्य रुक गए। शॉर्ट सर्किट की वजह से बैंक के सर्वर और अन्य उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे बैंक को लगभग 8 से 10 लाख रुपये के ट्रांजेक्शन फंस हुए हैं। बैंक प्रबंधन का कहना है कि तकनीकी खराबी के चलते उन्हें बेहद परेशान होना पड़ा। बैंक परिसर में लंबी कतारें लगी रहीं, लेकिन कोई भी काम नहीं हो सका। ग्राहकों को लेन-देन के लिए बार-बार इंतजार करना पड़ा, जिससे उनकी दिनचर्या भी प्रभावित हुई। शाखा प्रबंधक ने बताया कि इस समस्या का समाधान करने के लिए तकनीकी टीम कार्यरत है। इस घटना से बैंक के ग्राहकों में नाराजगी देखने को मिल रही है। कई ग्राहकों ने बैंक प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि समय पर उचित प्रबंधन होता तो इस प्रकार की परेशानी से बचा जा सकता था। फिलहाल, बैंक ने ग्राहकों को हो रही असुविधा के लिए खेद प्रकट किया है और जल्द से जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है।

कलेक्टर द्वारा लंबित पत्रों की बिंदुवार समीक्षा कर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

कलेक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय सीमा बैठक सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में साप्ताहिक समय सीमा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में डिप्टी कलेक्टर श्रीमति जिया फातिमा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विशाल सिंह सहित समस्त जिला अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर द्वारा लंबित पत्रों की बिंदुवार समीक्षा की गई। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान 'डी' रैंकिंग वाले विभागों को अपनी रैंक में सुधार के निर्देश दिये गये। विशेष रूप से महिला एवं बाल विकास, ट्रायबल, पिछड़ा वर्ग विभाग को सीएम हेल्पलाइन में संतुष्टिपूर्ण निराकरण के निर्देश दिये। जिला पंचायत एवं राजस्व विभाग द्वारा किये गये अच्छे कार्य की प्रशंसा की गई। जनसुनवाई, मुख्यमंत्री निवास, सीएस मॉनिट और विभिन्न आयोग से प्राप्त पत्रों के माध्यम से शिकायतों का निराकरण तत्परता से किया जाये। बैठक में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के कार्यो में प्रगति लाने के निर्देश दिये गये। सभी सीईओ जनपद को निर्देशित किया गया कि गांव में चौपाल लगाएं और विभिन्न योजनाओं से संबंधित कार्यो में प्रगति लाना सुनिश्चित करें।

बैठक में कलेक्टर द्वारा कैंट गौशाला गुना को आदर्श गौशाला बनाए जाने के लिए जेसीबी मशीन की सहायता से समतलीकरण कार्य के लिये निर्देशित किया। इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं खनिज विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि खनिज विभाग द्वारा दो एवं नगर पालिका विभाग द्वारा एक जेसीबी मशीनों से इस कार्य को कराया जाये। इसके अलावा नगरपालिका के राजस्व वसूली पर जोर देते हुए सीएमओ को निर्देशित किया कि जो बड़े बकायादार हैं उनके नाम होर्डिंग एवं बैनर पर लगाकर प्रदर्शित किये जाएं। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को निर्देशित किया गया कि पीएम ग्राम सड़क योजना के कार्य में प्रगति लाएं। बैठक में अमित सोनी (परिवीक्षाधीन) डिप्टी कलेक्टर गुना को तहसील कुंभराज में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करने निर्देशित किया गया। राज्य शासन के निर्देशानुसार जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान ''हम होंगे कामयाब'' 25 नवम्बर से 10 दिसंबर तक चलाया जाएगा। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि पखवाड़ा अंतर्गत जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर लोगों को जागरूक करने के लिये अभियान चलाया जाए।

अपहृत किशोरी के दुष्कर्म के आरोपी को भेजा जेल

गुना। सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा अपहृत एक नाबालिक किशोरी को दस्तयाब कर उसके अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल पहुंचाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत माह 23 अक्टूबर 24 को गुना कोतवाली अंतर्गत 17 वर्षीय एक नाबालिग बालिका जो घर से स्कूल के लिए निकली थी। जिसके देर शाम तक भी वापस घर नही लौटने पर बालिका के पिता की ओर से गुना कोतवाली में उसके गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिस पर से कोतवाली में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अप.क्र. 898/24 धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर गुना कोतवाली पुलिस द्वारा अपहृता बालिका की निरंतर तलाश की गई। जिसकी तलाश के क्रम में विगत दिवस को अपहृत बालिका को नागपुर (महाराष्ट्र) से दस्तयाब कर लिया गया। दस्तयाबी पर पीडित बालिका के कथनों के आधार पर प्रकरण में आरोपी कल्लू लोधा निवासी कुशमौदा गुना के विरुद्ध धारा 64(2)(एम) बीएनएस एवं 5(एल)/6 पॉक्सो एक्ट इजाफा की कर पुलिस द्वारा प्रकरण के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई में टीआई बृजमोहन सिंह भदौरिया, उपनिरीक्षक अंजलि गुप्ता, सउनि अमर सिंह भदौरिया, आरक्षक जितेन्द्र वर्मा, आरक्षक आदित्य कौरव, महिला आरक्षक प्रगति राजपूत, महिला आरक्षक धनकुंवर जाटव, महिला आरक्षक ज्योति राजपूत, महिला आरक्षक कल्पना शर्मा एवं सायबर सेल से आरक्षक कुलदीप भदौरिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है ।

न करें छोटे से दर्द को भी इग्नोर

रोजाना जिंदगी में हम सिर दर्द, कमर दर्द, पेट दर्द से लेकर बॉडी में दर्द तक ना जाने कितनी तरह के दर्द के शिकार होते हैं। ज्यादातर मामलों में हम पेन किलर से काम चला लेते हैं, लेकिन अगर दर्द ज्यादा और लगातार हो रहा है, तो लापरवाही बरतना खतरनाक हो सकता है। क्या आप बहुत दिनों अपनी कमर में होने वाले दर्द को इग्नोर कर रहे हैं? हो सकता है कि आप कुछ गोलियां लेकर काम चला रहे हों (ज्यादातर मामलों में इन गोलियों से थोड़ी राहत मिल जाती है।), लेकिन लंबे समय तक इस तरह के दर्द को इग्नोर करना आपके लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है। भले ही आप इस बात से सहमत हों या ना हों, लेकिन शरीर के किसी हिस्से में दर्द होने का मतलब यही है कि वहां सब कुछ ठीक नहीं है। ऐसे में अगर आप अपनी बॉडी की पुकार पर ध्यान नहीं देंगे, तो फिर आपके साथ कुछ गलत होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाएगी। आइए जानते हैं कुछ ऐसे कॉमन बॉडी पेन के बारे में, जो किसी बड़ी प्रॉब्लम की निशानी हो सकते हैं। अगर आपको इनमें से किसी तरह का दर्द होता है, तो उसे सीरियसली लिए जाने की जरूरत है।

गर्दन दर्द

हम लोग अक्सर उंगलियों में होने वाली सिहरन और वीकनैस को इग्नोर करते हैं , लेकिन जब यह दर्द काफी बढ़ जाता है , तो यह सरवाइकल में तब्दील हो जाता है। बेहतर होगा कि आप शुरुआती लक्षणों को पहचान कर सावधान हो जाएं। मसलन अगर आप कभी चाय पी रहे हैं और अचानक कमजोरी की वजह से आप चाय का कप नहीं पकड़ पाते , तो यह आपके लिए अलर्ट होने का समय है। यही दर्द धीरे - धीरे बढ़ता हुआ आपकी गर्दन में पहुंच जाएगा और सरवाइकल की वजह बन जाएगा।

चेस्ट पेन

सीने में दर्द की बहुत सी वजहें हो सकती हैं। सीने में जलन और गैस जैसी कॉमन परेशानियों के अलावा सीने में दर्द की कुछ सीरियस वजहें भी हो सकती हैं। अगर आप एक्सरसाइज नहीं करते या फिर आपका वजन काफी बढ़ गया है, तो आपको सीने में दर्द की शिकायत हो सकती है। लेकिन अगर आप फिट हैं, बावजूद इसके आपको सीने में थोड़ा-थोड़ा दर्द होता है, तो आपको निश्चित तौर पर चिंतित होने की जरूरत है। बेशक, सीने में होने वाला हरेक दर्द हार्ट अटैक की निशानी नहीं है, लेकिन फिर भी सावधानी बरतते हुए आपको अपने डॉक्टर से इस बारे में कंसल्ट जरूर कर लेना चाहिए। इसी तरह, अगर आप थोड़ा चलने या सीढ़ियां चढ़ने में हांफने लगते हैं, तो भी आपको डॉक्टर से डिस्कस करने की जरूरत है। ध्यान रहे कि हार्ट डिजीज का दर्द छाती के ऊपरी हिस्से, गले, बांये कंधे या हाथ में होता है। साथ ही, इस दौरान आपको पसीना भी आने लगता है।

हलका सिर दर्द

सिरदर्द एक ऐसी बीमारी है, जिसे लोग अक्सर सीरियसली नहीं लेते। हममें से ज्यादातर पेन किलर्स लेकर सिरदर्द को भुला देते हैं। बावजूद इसके आपको इस चीज का ख्याल रखना चाहिए कि अगर आपके सिरदर्द का पैटर्न चेंज होता रहता है या फिर यह अभी कुछ दिनों से ही होना शुरू हुआ है, तो इस पर ध्यान देने की जरूरत है। इसके अलावा, आपके कहीं गिरने या फिर सिर में चोट लगने से होने वाले सिरदर्द को भी सीरियसली लेना चाहिए। और अगर लगातार हो रहे सिरदर्द से आपका डेली रूटीन डिस्टर्ब हो रहा है, तो आपको उसे वाकई सीरियसली लेने की जरूरत है। कई बार सिरदर्द के साथ उलटी की शिकायत होती है। जबकि कई बार सिरदर्द में काफी कमजोरी महसूस होती है और ऐसा लगता है कि हाथों-पैरों में मानो सुइयां चुभ रही हों। इस तरह का दर्द स्ट्रोक का लक्षण हो सकता है, इसलिए ऐसी कंडिशन में सावधानी बरतने की जरूरत है। अगर किसी इंसान को सिरदर्द के साथ कोल्ड भी हो गया है, तो फिर उसे साइनस सिरदर्द का इलाज कराना चाहिए।

पेट दर्द

सबसे ज्यादा महिलाएं अपने पीरियड्स के दौरान पेट दर्द की शिकार होती हैं। दूसरे लोग भी पेट दर्द की शिकायत होने पर कोई पेन किलर लेकर राहत पा लेते हैं। लेकिन अगर आपको अक्सर पेट दर्द की शिकायत रहती है और आप लगातार पेन किलर का सहारा ले रहे हैं , तो सावधान इससे आपकी किडनियों को नुकसान हो सकता है। और महिलाओं को इस तरह की शिकायत है , तो उन्हें शॉर्टकट अपनाने की बजाय गायकन-लॉजिस्ट से डिस्कस करके पूरा चेकअप कराना चाहिए। इसके अलावा , लगातार पेट दर्द की वजह हार्ट बर्न , ब्लॉकेज , अल्सर और गॉलब्लेडर में कोई प्रॉब्लम भी हो सकती है।

दवाएं भी होती हैं जानलेवा

दवाएँ उतनी ही मात्रा में लेना चाहिए जितनी चिकित्सक ने लिखी हो। इससे कम या अधिक नुकसानदायक हो सकती है। अब तक ऐसी कोई औषधि नहीं है जिसके कोई साइड इफेक्ट्स न हों। अतः अपने मन से खाई गई कोई दवा जहर भी हो सकती है। जीवन की रक्षा करने वाली दवाइयाँ हमेशा सुरक्षित नहीं होती हैं। यदि आप चिकित्सक की सलाह के बिना इन्हें मनमाने तरीके से ले रहे हों तो ये खतरनाक भी हो सकती हैं।खुराक एवं मात्रा में से किसी भी एक का ध्यान न रखा जाए तो ये दवाइयाँ कभी-कभी खतरनाक हो सकती हैं। दमा के तेज अटैक से तुरंत राहत के लिए चिकित्सक ओरल स्टीरायड्स मरीज को देते हैं, लेकिन देखा गया कि करीब 5 से 10 प्रतिशत मरीज उन पर्चों को संभालकर रख लेते हैं ताकि जब दोबारा अटैक आए तो वही दवा फिर से खा लें। कई मरीज तो चिकित्सक को बिना बताए हफ्तों और यहाँ तक कि महीनों भी अपने मन से स्टेरायड्स खाते रहते हैं। इसके गंभीर परिणाम होते हैं। इसी तरह ब्लड प्रेशर की दवाइयों की खुराक बिना रक्तचाप नापे ज्यादा या कम नहीं करना चाहिए।

कई मरीजों के परिजन अस्पताल के आईसीयू में यह कहते हुए सुनाई पड़ते हैं कि हमारे मरीज को रक्तचाप की शिकायत अर्से से है और वे नियमित दवा खाते हैं। अब सिरदर्द की शिकायत होने पर भी उन्हें लगा कि रक्तचाप बढ़ गया है इसलिए एक गोली और खा ली। इससे रक्तचाप तेजी से गिर गया तो आईसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। कई लोग सिरदर्द, बदन दर्द के लिए एस्प्रीन, आइब्रूफेन व अन्य दर्द निवारक दवाएँ बिना निदान के अपने आप कई वर्षों तक लगातार लेते रहते हैं। ये दवाइयाँ कुछ समय के लिए सिर्फ दर्द को दबाती हैं। कारण को ठीक नहीं करती। इन दवाइयों से पेट में अल्सर, एनिमिया, गुर्दे खराब होना इत्यादि परेशानियाँ आ सकती हैं। कई लोग कमजोरी के लिए विभिन्न प्रकार के टॉनिक व विटामिन्स खाते रहते हैं। बी-कॉम्प्लेक्स व विटामिन-सी यदि ज्यादा ले भी लिए तो मूत्र के साथ निकल जाते हैं। लेकिन कुछ घुलनशील विटामिन्स जैसे विटामिन ए व विटामिन डी ज्यादा खुराक के कारण शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया में व्यवधान भी उत्पन्न कर सकते हैं। एंटीबायोटिक्स अपने मन से न लें। कई बार उनकी जरूरत नहीं होती। कई मरीज इस हिस्ट्री के साथ आते हैं कि पिछली बार जैसे लक्षण थे, इसलिए हमने आपका %पिछला पर्चे दिखाकर दवा ले ली, लेकिन इस बार फायदा नहीं हुआ। एक ही एंटीबायोटिक को बार-बार लेने से उससे शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में हल्की एंटीबायोटिक असर नहीं करती। अब केवल ताकतवर एंटीबायोटिक देने पर भी फायदा होता है। अधिक समय तक एंटीबायोटिक खाने से बीमारी बढ़ती रहती है और कई बार उसके साइड इफेक्ट्स- जैसा- दस्त होना, पेट खराब हो जाना, मुँह में छाले इत्यादि हो सकते हैं। इसलिए कोई सी भी एलोपैथिक दवाई चिकित्सक के परामर्श के बगैर न लें। खासकर वे लोग जो पहले ही से दवाइयाँ लेते रहते हैं उन्हें विशेष ख्याल रखना चाहिए क्योंकि उनकी पहले की दवाइयाँ इन नई दवाइयों से मिल कर उनके लिए नई परेशानियाँ खड़ी कर सकती हैं।

डेंटल केयर

उम्र के हिसाब से अगर दांतों की केयर की जाए, तो दांतों में दर्द या किसी और दिक्कत का सामना ही न करना पड़े-हर रोज दो बार टूथ ब्रश करना और अपने डेंटिस्ट से रेग्युलर चेकअप करना, यही करते हैं न हम अपने दांतों की केयर के लिए। दरअसल, जब दांतों में दर्द होता है, तब हमारे पास इसके सिवा कोई ऑप्शन भी नहीं होता। इंडियन डेंटल असोसिएशन के जनरल सेक्रेट्री डॉ. अशोक धोबले ओरल केयर के बारे में बता रहे हैं कुछ खास बातें

बेबी की ओरल केयर

कुछ लोग सोचते हैं कि बेबी के दूध के दांत हैं, तो अभी से क्या केयर करनी है। जबकि हम आपको बता दें कि बेबी के दांतों की केयर करना भी उतना ही जरूरी है, जितने बड़ों की। दरअसल, इनके सहारे वह अच्छी डाइट तो ही ले ही पाता है, जॉ की ग्रोथ भी सही होती है। यही नहीं, टीथ लाइन चेहरे को सही फॉर्म और अपीयरेंस देने में भी मददगार है। इनसे बच्चे को साफ-साफ बोलने में मदद मिलती है और ये एडल्ट टीथ के लिए स्पेस सेवर्स के तौर पर भी अच्छा काम करते हैं। हम आपको बता दें कि अगर बेबी टीथ डैमेज हो जाते हैं या खराब हो जाते हैं, तो परमानेंट टीथ भी सही जगह पर नहीं आते। आगे चलकर वह भी एक- दूसरे पर चढ़े या सटे- सटे से आते हैं।

व्यायाम के लिए नई गाइडलाइंस

अनियमित दिनचर्या से जुड़ी बीमारियों का ग्राफ बढ़ने के साथ ही देश में एरोबिक, योगा व व्यायाम का भी रूझान बढ़ा। इसके बावजूद, बीमारियां नियंत्रित नहीं हो रही हैं, जिसका सीधा असर अप्रशिक्षित योगाभ्यास या व्यायाम का माना गया है। भारतीयों को व्यायाम व एरोबिक की सही दिशा देने के लिए नेशनल डायबिटिक ओबेसिटी एंड कोलेस्ट्रॉल फाउंडेशन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ कर्टिन विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया ने मिलकर व्यायाम की नई गाइडलाइंस जारी की हैं, जिसके बाद हर उम्र के व्यक्ति के लिए व्यायाम की अलग पाठशाला होगी। यही नहीं, पहली बार मधुमेह व दिल की बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए भी व्यायाम की सलाह दी गई है।

किसके लिए जरूरी व्यायाम

अब तक बच्चों के लिए व्यायाम की जरूरत को सही नहीं बताया गया था, लेकिन ताजा अध्ययन कहते हैं कि बढ़ने की उम्र में अधिक से अधिक शारीरिक श्रम बच्चों की मांसपेशियों को मजबूत करता है। यहां तक निर्धारित वजन के वेट लिफ्टिंग को भी बच्चों के लिए सही बताया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वह व्यक्ति जो 4 से 5 घंटे एक जगह बैठकर काम कर रहा है, साथ ही जंक फूड, अधिक तेल व वसा का सेवन कर रहा है, परिवार में मोटापे व दिल की बीमारी का इतिहास रहा है, तो उसे कम से 60 मिनट रोजाना व्यायाम करना जरूरी है। यह व्यायाम कई तरह का हो सकता है, जिसमें मॉडरेट एक्सरसाइज भी शामिल है। पहली बार मधुमेह व दिल की विभिन्न बीमारियों से पीड़ित रोगियों के लिए भी व्यायाम की जरूरत को महत्व दिया गया है, जिसे कार्डिक रेस्पिरेटरी फिटनेस की संज्ञा दी गई है।

क्यों जरूरत पड़ी

भारतीयों की बीमारी के संदर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के बाद ही व्यायाम की गाइडलाइन जारी करने की जरूरत समडी गई, जिसके अनुसार पिछले दस साल में देश में मधुमेह के मरीजों और दिल की बीमारी का खतरा अन्य देशों की अपेक्षा दस गुना अधिक है। संगठन के अनुसार अकेले वर्ष 2010 में भारतीयों पर 43 प्रतिशत नॉन कम्युनिकेबल डिज़ीज़ (सीएचडी, मधुमेह, वॉल्व खराब होना) व 60 प्रतिशत बोझ हाइपरटेंशन का है। राष्ट्रीय रोग संचारी विभाग के अनुसार वर्ष 1990 में संचारी रोगों से मरने वालों का आंकड़ा जहां 40.4 प्रतिशत तक रहा था, वर्ष 2020 तक 66 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। बीमारियों के आंकड़ों का ग्राफ बढ़ने का सबसे बड़ा कारण लाइफस्टाइल को माना गया है, जिसे नियंत्रित करने के लिए देश में विशेष गाइडलाइन की जरूरत महसूस की गई। शरीर के साधारण विकास के लिए शारीरिक श्रम जरूरी है। कंप्यूटर का अधिक प्रयोग और स्कूल की अधिक पढ़ाई का बोझ बच्चों को बाहर खेलने का मौका कम कर रहा है। मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए बच्चों में शारीरिक श्रम व व्यायाम की जरूरत को बताया गया है। अब तक वेट लिफ्टिंग के व्यायाम से बच्चों को दूर रहने की सलाह दी जाती थी, लेकिन हालिया अध्ययन कहते हैं कि निर्धारित वजन का व्यायाम बच्चों के लिए सही है। जिसे प्रशिक्षण ट्रेनर की सलाह पर किया जा सकता है। व्यायाम को सही दिशा देने के लिए स्कूलों को भी एप्रोच किया गया है, जिसमें खेल के मैदान के साथ ही पीटी व शारीरिक श्रम के घंटे अधिक किए जाने की बात कही गई है।

इंडस्ट्री में 6 साल के अनुभवों का सांझा किया मौनी रॉय ने

अभिनेत्री मौनी रॉय के मनोरंजन इंडस्ट्री में 6 वर्ष पूरे हो गए है। वे अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का सेलिब्रेट कर रही हैं। मौनी ने इन वर्षों में इंडस्ट्री में हासिल किए अपने अनुभवों का सांझा किया है। मौनी ने इस दौरान न केवल स्क्रीन पर एक मजबूत उपस्थिति बनाई है, बल्कि टेलीविजन और फिल्मों के बीच सहजता से आगे बढ़ते हुए, अपनी एक अनूठी छवि भी स्थापित की है।

अपनी यात्रा पर विचार करते हुए, मौनी ने इंडस्ट्री के साथ आने वाली चुनौतियों और विकास को अपनाने के अपने अनुभव को साझा किया। इंडस्ट्री ने मुझे धैर्य रखना सिखाया, उन्होंने स्वीकार किया कि सफलता की राह हमेशा आसान नहीं होती, लेकिन आत्म-विश्वास उनके विकास की कुंजी रही है। हालांकि मौनी ने अपने पूरे करियर में उतार-चढ़ाव दोनों देखे हैं, लेकिन वह एक अभिनेत्री के रूप में विकसित होने के लिए समर्पित हैं। उनका मानना है कि इस प्रतिस्पर्धी इंडस्ट्री में सीखने और बढ़ने की क्षमता ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने बताया, हर उद्योग में उतार-चढ़ाव आते हैं। जो मायने रखता है वह यह है कि हम अभिनेता के रूप में विकसित होते रहें और ऐसी कहानियां पेश करें जो दर्शकों से जुड़ें। यह उनके संकल्प दर्शाता है कि वह हमेशा सुधार और विकास की दिशा में काम करती रहेंगी, चाहे रास्ते में कोई भी रुकावट क्यों न हो।

छह साल पूरे करने पर, मौनी ने सिर्फ एक माध्यम या प्रारूप से परे देखने और भूमिकाओं और कहानियों की एक विस्तृत श्रृंखला पर काम करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, मेरा ध्यान हमेशा ऐसी भूमिकाएं चुनने पर रहता है जो सच में मुझसे जुड़ते है, चाहे वह किसी भी शैली में हो।

थलपति 69 में नजर आएंगी पूजा हेगड़े

अपकमिंग फिल्म थलपति 69 में अभिनेत्री पूजा हेगड़े नजर आएंगी। हाल ही में पूजा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर चेन्नई में शूटिंग का एक दृश्य शेयर किया। उन्होंने अपने इस पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा, चेन्नई मॉर्निंग्स डे 16...। उन्होंने बताया कि उनके दिन की शुरुआत सुबह 6.30 बजे हुई।

इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल चेन्नई में चल रही है। अभिनेत्री इसमें थलपति विजय के साथ अभिनय करती नजर आएंगी। तमिल, तेलुगु और हिंदी सहित कई भाषाओं में अक्टूबर 2025 में रिलीज होने वाली फिल्म थलपति 69 विजय की विरासत को समर्पित होगी। फिल्म का निर्देशन एच. विनोद करेंगे और केवीएन प्रोडक्शंस के तहत वेंकट के. नारायण इसे प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म की शूटिंग 4 अक्टूबर को पारंपरिक पूजा समारोह के साथ शुरू हुई। निर्माताओं ने कलाकारों और क्रू की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। इस कार्यक्रम में कास्ट और क्रू की टीम शामिल हुई, जिसमें थलपति विजय, बॉबी देओल और पूजा हेगड़े शामिल थे। थलपति 69 में फिल्म निर्माता-अभिनेता गौतम वासुदेव मेनन, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री प्रियामणि, अनुभवी अभिनेता प्रकाश राज और प्रेमलु की प्रसिद्ध अभिनेत्री ममिता बैजू भी हैं। इस बीच पूजा हेगड़े इसके अलावा अपकमिंग फिल्म देवा और सूर्या 44 में भी नजर आएंगी। रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित देवा में अभिनेत्री शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

मलाई मक्खन के बिना लखनऊ नहीं छोड़ सकती: तमन्ना भाटिया

आगामी प्रोजेक्ट सिकंदर का मुकद्दर को लेकर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया चर्चा में हैं। इतना ही नहीं, अभिनेत्री अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भी सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में लखनऊ में मलाई मक्खन के प्रति अपने प्यार का इजहार किया। तमन्ना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें वह कार की पिछली सीट पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके पास एक प्लेट में मलाई मक्खन रखा हुआ है और वह इसे देखकर बेहद खुश नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मलाई मक्खन के बिना लखनऊ नहीं छोड़ सकती। यह पोस्ट लखनऊ के मशहूर और स्वादिष्ट व्यंजन के प्रति उनके प्यार को जाहिर करता है। बता दें कि मलाई मक्खन उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में विशेष रूप से लखनऊ, कानपुर और वाराणसी में खाया जाता है, जबकि दिल्ली में इसे दौलत की चाट के नाम से भी जाना जाता है। इसके बाद, अभिनेत्री ने अपने आगामी प्रोजेक्ट सिकंदर का मुकद्दर के प्रचार के दौरान अपनी सुनहरे और सफेद रंग की पोशाक में कुछ तस्वीरें भी साझा की। इन तस्वीरों में तमन्ना बेहद स्टाइलिश और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, देखो हीरे नहीं हैं मेरे पास, मैं एक गोल्डन गर्ल हूं। उनकी इस पोस्ट पर अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने उनकी तारीफ करते हुए कमेंट किया, अरे यहां तो आप हो। सिकंदर का मुकद्दर में तमन्ना भाटिया के साथ जिमी शेरगिल, अविनाश तिवारी, और राजीव मेहता भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 29 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होने वाली है। फिल्म एक थ्रिलर है, जिसमें अपराध, जुनून और न्याय की खोज को दर्शाया गया है। यह जिमी शेरगिल और तमन्ना भाटिया की पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी है। इसके अलावा, तमन्ना के पास ओडेला 2 भी है, जो अशोक तेजा द्वारा निर्देशित एक आगामी प्रोजेक्ट है।

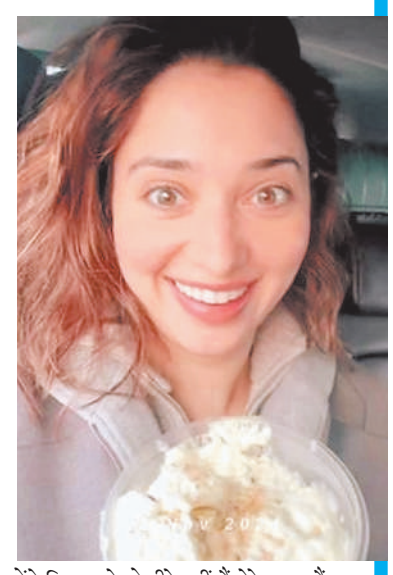

पति की जैकेट में प्रियंका चोपड़ा ने ली सेल्फी

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव रहती हैं, जहां वह अपने फैंस से जुड़े रहने का कोई मौका नहीं छोड़तीं। हाल ही में, 'देसी गर्ल' ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने पति निक जोनास की जैकेट पहने नजर आ रही हैं। प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, पति जैसी जैकेट वाली सुबह। इस तस्वीर में प्रियंका ब्लैक जैकेट में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं, और उनका ऑल ब्लैक लुक, जिसमें ब्लैक शूज और ट्राउजर भी शामिल हैं, बेहद आकर्षक था। प्रियंका ने अपनी लुक को पूरा करने के लिए एक टाइट पोनी बनाई और स्टाइलिश सेल्फी ली। इससे पहले, उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह हेयर स्टाइल करवाती हुई नजर आ रही थीं। इसके साथ ही, प्रियंका ने एक और पोस्ट में कैप्शन लिखा, सूरज के साथ खेल रही हूं, जिसमें उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स की झलक भी दी।

नागार्जुन ने किया खुलासा

अभिनेता नागार्जुन ने हाल ही में अपने पिता अक्किनेनी नागेश्वर राव (एएनआर) की विरासत और उनके दृष्टिकोण पर विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि एएनआर का सपना था कि तेलुगु सिनेमा को एक ऐसी ताकत बनाया जाए, जिसे हर कोई पहचाने। एएनआर ने अन्नपूर्णा स्टूडियो की स्थापना की, जो आज भी तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की बुनियाद के रूप में काम करता है। नागार्जुन ने अपने पिता की दूरदर्शिता की सराहना की, जो मानते थे कि भाषा कभी भी सिनेमा के रास्ते में रुकावट नहीं बननी चाहिए। यह सोच उस समय के लिए काफी आगे की थी, नागार्जुन ने कहा। नागार्जुन ने यह भी साझा किया कि एएनआर का सपना था कि तेलुगु सिनेमा को अखिल भारतीय पहचान मिले। जब खुशबू सुंदर ने उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी पर सवाल किया, तो नागार्जुन ने कहा कि उन्होंने अपने परिवार के समर्थन से इस दृष्टिकोण को बचाए रखा है।

ये काली काली आंखें का दूसरा सीजन

नेटफ्लिक्स की मोस्टअवेटेड वेब सीरीज ये काली काली आंखें का दूसरा सीजन अब दर्शकों के बीच आ चुका है, और इसने पहले सीजन की लोकप्रियता को और बढ़ा दिया है। सिद्धार्थ सेनगुप्ता द्वारा निर्देशित इस सीजन में बेहतरीन कहानी, दमदार अभिनय और शानदार निर्देशन का समावेश है। हर एपिसोड में रोमांस, थ्रिल और सस्पेंस का जबरदस्त तड़का देखने को मिलता है, जो दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब होता है। सीरीज का दूसरा सीजन पहले सीजन की कहानी से ही आगे बढ़ता है।

मानुषी ने आईएफएफआई में किया लाइव प्रदर्शन

हाल ही में मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने गोवा में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में अपना पहला लाइव प्रदर्शन किया। सोशल मीडिया पर मानुषी ने अपनी खुशी साझा की क्योंकि उनके माता-पिता उन्हें मंच पर लाइव प्रदर्शन करते हुए देख रहे थे। अपने माता-पिता के साथ एक तस्वीर सहित कार्यक्रम के पलों को साझा करते हुए, उन्होंने लिखा, ÷आईएफएफआई गोवा में भाग लेना और सभी फिल्मों का जश्न मनाना हमेशा खुशी की बात है। इस वर्ष मॉम एंड डैड के शामिल होने और मुझे मंच पर प्रदर्शन करते हुए देखकर बहुत खुशी हुई! मुझे वापस उन दिनों में ले गया, जब वे काम में व्यस्त होने के बावजूद मेरे स्कूल के सभी प्रदर्शनों में भाग लेते थे, मैं हमेशा उनके लिए छोटी लड़की रहूंगी। उन्होंने कुर्ची मदाथपेट्टी, गुलाबी साड़ी, आई नाइ और अन्य हिट गानों पर प्रस्तुति दी और अपने सिग्नेचर डांस मूव्स और आकर्षक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन ट्रैक्स पर उनका प्रदर्शन किसी शानदार से कम नहीं था। हाल ही में, मानुषी ने सोशल मीडिया पर दिल छू लेने वाली क्लिप साझा करके अपने मिस वर्ल्ड ताजपोशी की 7वीं वर्षगांठ भी मनाई। मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद से मानुषी ने न सिर्फ ब्यूटी क्वीन बल्कि एक्ट्रेस के तौर पर भी भारत को गौरवान्वित किया है। जैसा कि वह जॉन अब्राहम के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म तेहरान की रिलीज की तैयारी कर रही है, मानुषी अपनी प्रतिभा और अनुग्रह से प्रेरित करना जारी रखती है।

सान्या मल्होत्रा ने फिर साबित की अपनी योग्यता

फिल्म मिसेज में अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर सान्या मल्होत्रा ने अपनी योग्यता साबित की है। इस फिल्म का प्रीमियर गोवा में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में हुआ था। मिसेज के प्रीमियर पर, सान्या को इस सामाजिक ड्रामा में उनके शक्तिशाली किरदार के लिए भारी तालियाँ से सराहना मिलीं।

समीक्षकों द्वारा प्रशंसित मलयालम हिट द ग्रेट इंडियन किचन के रूपांतरण वाली इस फिल्म को दर्शकों से खूब सराहना मिली, जिसने सान्या को इंडस्ट्री की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक बना दिया। प्रतिक्रिया से अभिभूत होकर उन्होंने अपना आभार व्यक्त किया। उनके विचारोत्तेजक प्रदर्शन ने सामाजिक मानदंडों और लैंगिक भूमिकाओं पर विचार किया। पगलैट और कटहल में अपनी भूमिकाओं के लिए पहले ही प्रशंसा हासिल कर चुकी सान्या, प्रभावशाली कहानियों के साथ हमेशा खबर में रहती हैं। इस साल की शुरुआत में न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में उनकी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की जीत और मिसेज की वैश्विक सफलता ने भारतीय सिनेमा में अग्रणी कलाकारों में से एक के रूप में उनका प्रतिष्ठा और मजबूत कर दिया है। मिसेज के अलावा, सान्या की आगामी परियोजनाओं में धर्मा प्रोडक्शंस की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी, सह-कलाकार वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ साथ है, साथ ही अनुराग कश्यप के साथ एक बेनाम फिल्म शामिल है, जहां वह बॉबी देवल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती दिखेगी।

दर्शकों का 'द साबरमती रिपोर्ट' को मिल रहा बेहद प्यार

बालीवुड फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को दर्शकों का बेहद प्यार मिल रहा है। साल 2002 में हुए गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित इस फिल्म को गुजरात और उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री कर दिया गया है।

हाल ही में रिलीज हुई विक्रांत मैसी अभिनीत इस फिल्म में गोधरा ट्रेन अग्निकांड की सच्चाई और तथ्यों को उजागर करने का दावा किया गया है। इसे दर्शकों से काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत राजनीतिक नेताओं का भी समर्थन मिला है। इससे पहले इसे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में टैक्स-फ्री किया गया था। हाल ही में, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी गुजरात में फिल्म को टैक्स-फ्री घोषित किया और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजस्थान में भी फिल्म को टैक्स-फ्री घोषित किया, ताकि इस फिल्म को व्यापक दर्शक मिल सकें। 'साबरमती रिपोर्ट' साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगने की घटना पर आधारित है। फिल्म में अभिनेता ने एक हिंदी पत्रकार की भूमिका निभाई है, जो सिस्टम के खिलाफ खड़ा होता है क्योंकि वह चाहता है कि रिपोर्ट में सच्चाई को शामिल किया जाए। इससे पहले फिल्म के मुख्य अभिनेता विक्रांत मैसी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उत्तर प्रदेश के सीएम के आधिकारिक हैंडल ने इंस्टाग्राम पर उनकी मुलाकात की एक तस्वीर भी पोस्ट की थी। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी ने अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ फिल्म की स्क्रीनिंग देखी और फिल्म को टैक्स फ्री करने की घोषणा की। फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस सच को देख सकें और जान सकें।

इसलिए, इस फिल्म को यूपी में टैक्स फ्री किया जाएगा। सीएम योगी ने यह भी कहा कि हर भारतीय को यह फिल्म देखना चाहिए और देश व समाज में वैमनस्यता पैदा कर रहे लोगों को एक्सपोज करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं द साबरमती रिपोर्ट की पूरी टीम को बधाई देता हूं जिन्होंने इस सत्य के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए वास्तविक सत्य को देश की जनता को फिल्म के माध्यम से बाहर लाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हर भारतवासी को द साबरमती रिपोर्ट फिल्म को देखना चाहिए और सत्य के नजदीक जाने का प्रयास करना चाहिए। उन चेहरों को जो राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश के खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं। उन चेहरों को पहचानने के साथ-साथ उनका पर्दाफाश करने की भी आवश्यकता है।

योगी ने कहा कि सभी को पता है कि साबरमती एक्सप्रेस से अयोध्या से वापस जा रहे कारसेवकों के साथ गोधरा स्टेशन के बाद जो कुछ भी हुआ था, उस सच्चाई को झुठलाने का प्रयास हो रहा था। वह सच्चाई सामने आई है। उस सच्चाई को बहुत से लोग आज भी झुठलाते हैं। उन्हें एक्सपोज करने की आवश्यकता है।

ब्रीफ न्यूज

सीहोर जिले के चकल्दी में तीन आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

सीहोर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सीहोर वृत्त के अंतर्गत रेहटी वितरण केन्द्र के चकल्दी मुख्यालय में शासकीय कार्य के दौरान बिजली कंपनी के कर्मचारी से अभद्र व्यवहार एवं मारपीट करने के आरोप में तीन आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। गौरतलब है कि राजकुमार जगेत कंपनी के सीहोर वृत्त के अंतर्गत रेहटी वितरण केन्द्र के चकल्दी मुख्यालय में लाइन हेल्पर आउटसोर्स के पद पर पदस्थ हैं। यहां पर बिजलेंस की टीम द्वारा बिजली चेकिंग का कार्य किया जा रहा था। इस दौरान 66 हजार 982 रुपये बकाया राशि जमा नहीं करने के चलते छोटेलाल साहू के घर की लाइन काटी गई। इसके बाद छोटे लाल की दुकान की लाइन काटने गए थे। इस दौरान छोटे लाल, शुभम तथा रमेश साहू ने लाठी तथा डंडों से लाइन हेल्पर आउटसोर्स राजकुमार जगेत पर हमला किया तथा गंदी गंदी गालियां देते हुए जातिसूचक शब्दों के साथ झूमाझटकी करने लगे। इस घटना की जानकारी जब बिजली कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई तो उन्होंने घटना की एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

जिले के सभी जनपदों में रोजगार मेले का होगा आयोजन

सीहोर। युवाओं को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से जिले के सभी जनपदों में सिक्योरिटी गार्ड एवं सिक्योरिटी सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती के लिए रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। राज्य आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक श्री दिनेश बरफा ने जानकारी दी कि एसएससीआई सिक्योरिटी स्किल काउंसलिंग इंडिया लिमिटेड नीमच द्वारा युवाओं की सिक्योरिटी गार्ड एवं सिक्योरिटी सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि आष्टा जनपद पंचायत परिसर में 26 नवंबर को, आष्टा के ग्राम खामखेड़ा में 27 नवंबर को, ग्राम खड़ी हाट में 28 नवंबर को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार बुधनी जनपद पंचायत परिसार में 29 नवंबर, बुधनी के ग्राम मालीमाया प्रसादम केंद्र में 02 दिसंबर, बुधनी के शाहगंज शक्ति सीएलएफ में 03 दिसंबर, इछावर जनपद पंचायत परिसर में 04 दिसंबर, इछावर के ग्राम दीवाडिया में 05 दिसंबर, इछावर के ग्राम ब्रिजिशनगर में 06 दिसंबर, भैरूंदा जनपद पंचायत परिसर में 09 दिसंबर, ग्राम लाड़कुई के शक्ति सीएलएफ 10 दिसंबर, ग्राम गोपालपुर प्रगति सीएलएफ में 11 दिसंबर, सीहोर जनपद पंचायत परिसर में 12 दिसंबर, दोराहा वीर शिवाजी सीएलएफ में 13 तथा श्यामपुर के रानी लक्ष्मबाई सीएलएफ में 17 दिसंबर को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा।

स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को डिजिटल पेमेन्ट सुविधा से जोड़ा गया

हरदा। जिले की चारो नगरीय निकाय नगर पालिका हरदा, नगर परिषद टिमरनी, खिरकिया एवं सिराली में स्वनिधि भी, स्वाभिमान भी पखवाडा अभियान के तहत 18 नवंबर से 2 दिसम्बर तक शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इन शिविरों में पी.एम. स्वनिधि योजना के सभी पात्र हितग्राहियों को डिजिटल पेमेंट सुविधा से जोड़ा जा रहा है।

जिले के सभी जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए

70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों का बनाएं आयुष्मान कार्डः कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ सीहोर

समय-सीमा पत्रकों के निराकरण के लिए कलेक्टर प्रवीण सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को पूर्व से विभागीय लंबित आवेदनों के निराकरण करने और सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने तथा लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निदेज्श दिए। उन्होंने विभागवार सीएम हेल्पलाइन की विस्तृत समीक्षा की। इसके साथ ही कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन की आमजन की शिकायतों का गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही राजस्व महाभियान 3.0, हम होंगे कामयाब जागरूकता अभियान तथा धरती आभा अभियान के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान

कलेक्टर श्री सिंह ने नेशनल हाईवे के लिए भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा वितरण की समीक्षा के दौरान शेष भूस्वामियों को शीघ्र मुआवजा वितरण की कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने वन ग्रामों के राजस्व ग्रामों में परिवर्तन तथा वनाधिकार पट्टों के डिजिटिलाइजेशन, फौती नामांतरण, सामुदायिक दावे के संबंध में तत्परता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में एसपी दीपक कुमार शुक्ला वीसी के माध्यम से जुड़े। इसके साथ ही बैठक में अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह, जिला पंचायत प्रभारी सीईओ एवं संयुक्त कलेक्टर नितिन टाले, एसडीएम जमील खान, स्वाति मिश्रा, तन्मय वर्मा, डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुशवाह सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे। जिले के सभी जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

राजस्व महाभियान 3.0 के संबंध में निर्देश

प्रदेश के साथ ही जिले में 15 नवंबर से 15 दिसम्बर तक राजस्व महाभियान 3.0 चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने टीएल बैठक के दौरान राजस्व महा-अभियान 3.0 में राजस्व न्यायालयों में नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन के लंबित प्रकरणों का निराकरण, नये राजस्व प्रकरणों को राजस्व न्यायालयों में दजज् कराना, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान का सैच्युरेशन, आधार का आरओआर से लिंकिंग, फामर रजिस्ट्री और स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के सभी राजस्व अधिकारियों को निदेज्श दिए। समय-सीमा पार कर चुके नामांतरण प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करते हुए नवीन दर्ज प्रकरणों का भी समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि उत्तराधिकार नामांतरण के अंतगज्त ग्राम के पटवारी द्वारा बी-1 का वाचन कराया जाकर ऐसे व्यक्तियों की सूची तैयार की जाए, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। उसके अनुसार प्रकरण दर्ज कर फौती नामांतरण की कारज्वाई जाए। इसी प्रकार बंटवारा प्रकरणों के लंबित प्रकरणों का निराकरण और नवीन दजज् प्रकरणों का निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व महा-अभियान 3.0 में 6 माह की अवधि से लंबित सभी प्रकार के अभिलेखों के शुद्धिकरण के प्रकरणों का निराकरण भी सुनिश्चित करें। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि राजस्व महा-अभियान 3.0 में आरसीएमएस पर दर्ज लंबित सीमांकन प्रकरणों का त्वरित निराकरण और नवीन प्रकरणों को दर्ज कर निराकृत करें।

विश्व हिन्दू परिषद मध्य भारत प्रांत सामाजिक समरसता संत यात्रा पहुँची इछावर जात-पात की करो विदाई ,हिंदू-हिंदू भाई-भाई

सीहोर । विश्व हिंदू परिषद मध्य भारत प्रांत सामाजिक समरसता संत यात्रा सिहोर जिले के आज इछावर प्रखंड में सभा में संत श्री महंत विष्णु दास महाराज सनिध्य में समाज के लोगो का मार्गदर्शन किया विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत सहमंत्री गोपाल सोनी कपिल शर्मा राजगढ़ विभाग मंत्री, की ओर से कार्यक्रम की प्रस्तावना मधुकर राव देव्हारे जी द्वारा रखी गई। विश्व हिंदू परिषद सामाजिक समरसता प्रांत प्रमुख माननीय सुनील जी यादव मुख्य रुप से उपस्थित रहे व सभी विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी वा नगर के संत राजेंद्र शर्मा ,प्रशांत शर्मा ,आनंद शुक्ला ,संघ से विष्णु प्रसाद गुप्ता ,व्रज किशोर व्यास,सोनू वर्मा सभी सनातनीय प्रेमीयों ने धर्म सभा मे अपनी उपस्थिति दीं ।

पैरो पर खड़े होने वाली शिक्षा पीएम नरेन्द्र मोदी जी ने देश को दीः सिंह

स्वदेशी मेला समापन में मंत्री द्वय हुए शामिल, की मेले की सराहना

सत्ता सुधार ■ दमोह

प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल तथा प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री उदय प्रताप सिंह आज तहसील ग्राउंड में चल रहे स्वदेशी मेले के समापन कार्यक्रम में पहुँचे। प्रदेश के पंचायत और ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने स्वदेशी मेले को संबोधित करते हुए कहा हमें भारतीय संस्कृति पर गर्व हैं, हमने हथियार बनाए हैं, लेकिन उन पर मर्यादा का जो चरित्र होना चाहिए, संस्कार होना चाहिए, वह भारत के स्वदेशी परंपरा में हैं। उन्होंने कहा हमारी आत्मा में हमने समर्थ को स्वीकार किया हैं, लेकिन उसके साथ हमने त्याग के दंड को सिर पर रखकर यह तय किया कि वह प्रकृति के खिलाफ ना जा सके, स्वदेशी आंदोलन सिर्फ इसी उद्योग जगत का आंदोलन नहीं था। यह स्वदेशी आंदोलन या स्वदेशी मेला उन भावनाओं को मजबूत करने के लिए है, जो पहले सुनते नहीं थे, गांधी जी ने भी एक कोशिश की थी, उन्होंने कहा था कि स्वदेशी के प्रति हमारा आग्रह है बढ़ाना चाहिए, कम नहीं होना चाहिए। इस स्वदेशी की सामर्थ के लेकिन उसके बावजूद भी हमारी पीढ़ियां दर पीढ़ियां आई गई और पाश्चात्य से प्रभावित होती गई। श्री पटेल ने कहा हमने स्वदेशी के विचार को कहीं ना कहीं कमजोर करने की जो गलती की थी, आज फिर से पूरी दुनिया इस

बात को मानती है कि यदि कोई दुनिया में भुखमरी से बचा सकता है, अगर दुनिया में दोनों हाथों से रोजगार देने की कोई विधा है, जो संतुलित विकास को रास्ता देती है, वह हमारे स्वदेशी आंदोलन की मूल आत्मा है। उन्होंने कहा मानव जाति की भविष्य के बारे में कोई दिशा और भविष्य शांति का दिखता नहीं वहां जाने के बाद भी मैं आज गर्व के साथ कहूंगा वह विचार जो 100 साल पहले इस धरती पर आया और जिसने कहा ठीक है सत्ता चलाने वाले सत्ता चलाएंगे लेकिन समाज बनाने का काम कोई तो करेगा आज उनकी असमर्थ थी इसका एक हिस्सा जो स्वदेशी आंदोलन का हिस्सा है, उसमें दमोह की धरती पर 1842 की क्रांति की जगह है, वहां पर अपने सफलता के साथ यह आयोजन किया। मैं आपको डॉक्टर सोनल राय जी सेन और उनकी पूरी टीम को हृदय से बधाई देता हूं इसकी प्रेरणा क्षेत्रीय संगठन मंत्री केशव जी की है, उनकी टीम की है, उनको भी शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा यहां से स्वदेशी का संकल्प लेकर जरूर जाइए।इस अवसर पर प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री उदय प्रताप सिंह ने स्वदेशी मेले को संबोधित करते हुए कहा स्वदेशी के कॉन्सेप्ट को उतार कर स्व-रोजगार के साथ जीवन में कैसे आगे बढ़ाए, इसका पूरा लवो-लवाब देश की शिक्षा नीति में हैं, उस पर भी कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा पैरो पर खड़े होने वाली शिक्षा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को दी है। प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी नई शिक्षा नीति को लगातार लागू करने में फोकस होकर कार्य कर रहे हैं। श्री सिंह ने कहा स्वदेशी हमारी शिक्षा में समाहित होगी, विषय वस्तु होगी, शिक्षा में ज्ञान का आधार होगी, स्वदेशी जिस पर आगे आने वाले समय में कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा श्री मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बनते ही स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया का कॉन्सेप्ट इस देश में लेकर के आए थे, जिन नौजावनो ने स्व-रोजगार में आगे बढ़े, हिम्मत दिखाई वो आज समाज में स्थापित हो गए। उन्होंने कहा इस देश में जब तक व्यक्ति स्व-रोजगार के अलावा अपना खुद का व्यवसाय नहीं करते जीवन में सफल नहीं होते हैं। इस अवसर पर अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार रखें। अतिथियों के स्वागत के पूर्व उदघोष जय स्वदेशी, जय-जय स्वदेशी का नारा दिया गया। अतिथि परिचय व सम्मान (स्मृति चिन्ह, माला, अंग वस्त्र) से किया गया। इसके उपरांत दमोह के विभिन्न प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान, संचालन समिति व व्यवस्था समिति का परिचय, आभार किए जाने के उपरांत गणेश वंदना श्री रनवेंद्र वाराणसी टीम द्वारा प्रस्तुत की गई। इस दौरान पुरस्कार वितरण व सम्मान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ मोनिका पालीवाल तथा आभार प्रताप पटेल द्वारा किया गया।

विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पथरिया के नवीन भवन का हुआ लोकार्पण

सत्ता सुधार ■ दमोह

विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पथरिया के नवीन भवन का लोकार्पण विद्या भारती अखिल भारतीय संस्थान दिल्ली के महामंत्री अवनीश जी भट्नागर एवं महाकौशल प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री अमित दवे तथा जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती रंजीता गौरव पटेल तथा नगर परिषद पथरिया के अध्यक्ष श्री सुंदरलाल विश्वकर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस पूरे कार्यक्रम में पुराने विद्यालय भवन से नवीन विद्यालय भवन तक एक कलश यात्रा प्रारंभ हुई, जिसमें विद्यालय की सभी दीदीयां एवं बहिने सिर पर कलश रखकर पीत वस्त्र धारण किए हुए राम दरबार की झांकी को बग्गी में बैठाल कर नगर भ्रमण करते हुए नवीन विद्यालय भवन में पहुंचकर मुख्य अतिथि अवनीश द्वारा नवीन विद्यालय भवन के प्रवेश द्वार पर दीप प्रज्वलित कर विधिवत स्वसति वाचन मंत्र के उच्चारण के साथ उद्घाटन संपन्न किया।

स्किल एक्सपो बेंगलुरु के लिए चयनित विद्यार्थी

सिराली। सीएम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल के 9वीं के विद्यार्थी जिशान अमजद खान का बनाया माडल भोपालस्तर की स्किल एक्सपो में तृतीय स्थान पर रहा। जिशान ने वर्षों होने से पहले संकेत देने वाला मांडल बनाया जिसका उसने बेहतर प्रस्तुतिकरण किया इसके बाद माडल को बैंगलोर में होने वाले स्किल एक्सपो में प्रदर्शित किया जायेगा। इसके पहले जिलास्तर पर हुए स्किल एक्सपो में जिशान द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया और मांडल का चयन बैंगलोर के लिए होने पर टिमरनी-सिराली विधायक युवराज अभिजीत शाह एवं ग्राम पंचायत खुदिया सरपंच युवराज राहुल शाह द्वारा सिराली पहुंचकर जिशान को पुष्पमाला पहनाकर विद्यार्थी के उज्जवल भविष्य हेतु कामना की गई। इस मौके पर नगर कांग्रेसाध्यक्ष रमेश मालवीय, पत्रकार गोलू मंसूरी, शेख असलम, सचिन बरैठा, दिनेश नामदेव, पालकों सहित अनेक स्थानीय नागरीक मौजूद रहे।

अभा कोरी कोली समाज जिला शाखा सीहोर की बैठक

वीरांगना झलकारी बाई कोरी की जन्म जयंती उत्साह के साथ मनाई जावेगी

सत्ता सुधार ■ सीहोर

अखिल भारतीय कोरी कोली समाज की जिला इकाई सीहोर की बैठक आयोजित हुई। जिसमें स्वजातीय बन्धु उपस्थित रहे। बैठक में वीरांगना झलकारी बाई कोरी की जन्म जयंती दिनांक 30 नवंबर 2024, दिन शनिवार को सुबह 9-30 बजे से प्रारंभ स्थानीय कोली मोहल्ला गंज जिला मुख्यालय सीहोर पर वीरांगना झलकारी बाई कोरी की जन्म जयंती एक उत्सव के रूप में मनाये जाने हेतु अपने-अपने विचार व्यक्त किये गये। बैठक में सर्व सहमति से कार्यक्रम प्रमुख संयोजक आर.आर.शाक्य, प्रदेश

सचिव रिटायर्ड इंजीनियर, कार्यक्रम सहसंयोजक संतोष शाक्य पार्षद सीहोर, कार्यक्रम अध्यक्ष बालकिशन शाक्य जिला अध्यक्ष सीहोर, कार्यक्रम महिला अध्यक्षा सीमा धनबंती शाक्य, कार्यक्रम प्रभारी नंदकिशोर महावर जिला महामंत्री सीहोर, कार्यक्रम सह.प्रभारी अवनीश कुमार शाक्य युवा जिला अध्यक्ष सीहोर, कार्यक्रम में संरक्षक गणों में नंदलाल शाक्य, देवी लाल पटेल, श्रवण कुमार शाक्य, मांगीलाल मास्टर, हरिराम शाक्य, बाबू दास महावर, नंदकिशोर कोरी अध्यक्ष इछावर आदि को दायित्व सौंपा गया है।

राज्य के सरपंचों ने बिना नाराजगी जताये उस निर्णय के साथ अपनी सहभागिता की है, उनके संयम के कारण 2 लाख 48 हजार अधूरे काम पूरे हुयेः पटेल

सत्ता सुधार ■ दमोह

चार महीने मनरेगा के काम पूरे राज्य में रोके थे, राज्य के सरपंचों ने बिना नाराजगी जताये, उस निर्णय के साथ अपनी सहभागिता की है, इसके लिए मैं सभी सरपंचों को धन्यवाद देता हूं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि उनके संयम के कारण 2 लाख 48 हजार अधूरे काम पूरे हुए हैं, अभी भी कुछ काम बाकी है लेकिन अभी ठीक 20 दिन पहले खेत सड़क, खेत तालाब और ग्रेवल रोड के काम खोले हैं, जिनका रेश्यो जिले में तय होता था, वह ब्लॉक में होगा, यदि कोई ब्लॉक अच्छा काम कर रहा है तो उसको पैसे मिलेंगे, जिनका रेश्यो ठीक है, उनको 3 करोड़ रूपये और जिनका रेश्यो ठीक नहीं भी होगा, एक करोड़ रुपए उनके खाते में जाएगा। मेरा आग्रह यही है कि पैसे का सदुपयोग हो और हम ऐसी परिसंपत्तियां बनाएं। इस आशय के विचार पंचायत और ग्रामीण विकास श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने आज दमोह भ्रमण के दौरान सर्किट हाऊस पर मीडियाजनों से चर्चा करते हुये

व्यक्त किये। पंचायत मंत्री श्री पटेल ने कहा दूसरा बड़ा फैसला है लगभग 1250 नये पंचायत भवन बनाना है, उसकी हमने डिजाइन भी बदली है, अब जो पंचायत भवन बनेगा उसके ऊपर दो मंजिल और जा सकती है, यदि 25 साल 30 साल बाद जरूरत पड़ती है, तो उसके ऊपर बना सकते हैं, वह डिजाइन का हिस्सा है, अभी निर्णय करना बाकी है । मेरी इच्छा है कि अटल जी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को है, हम उस दिन उन सभी का एक साथ भूमि पूजन करें और जो अगला 2025 का 25 दिसंबर आएगा, उसमें हम पहली ग्राम सभा वहां पर आहूत करें और साथ में उन भवनो का नाम भी रखने का सोच रहे हैं, तो यह भी एक नया प्रयोग है।

उन्होंने कहा ढाई साल बाद पंचायत के चुनाव होंगे, ऐसी कोई पंचायत नहीं होनी चाहिए जहां पर पंचायत भवन ना ,हो यदि जर्जर है तो आगामी 4 महीने में डिस्मेंटल करने की सूची जारी करेंगे, सरपंच उन्हें मिटाए उनकी जगह पर नया भवन बनाएं। अभी जिला पंचायत सदस्य और जनपद अध्यक्ष तक की कॉन्फ्रेंस की है, अब संभाग के अंदर आधे दिन सरपंचों का और आधे दिन जनपद सदस्यों का, यह मुझे संभागवार करना हैं, इसी ठंड के बीच में इन कार्यक्रमों को करूंगा, क्योंकि संवाद से लाभ हुआ है, बातचीत में हम एक दूसरे की सुनते हैं, जो मैदान पर काम करने वाला है वह सरपंच है, उसको बहुत सारी छोटी-छोटी बातों का सामना करना पड़ता है, उनके जो सुझाव आएंगे वह सरकार मानेगी।

निर्देश सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये

बड़े भवनों का फायर सेफ्टी ऑडिट कराएं पूर्ण ग्रामीण क्षेत्र का दौरा कर निरीक्षण करें

सत्ता सुधार ■ हरदा

सभी अधिकारी ग्रामीण क्षेत्र के भ्रमण के दौरान अपने अधीनस्थ कार्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। इसके साथ ही दूरस्थ ग्रामों में भ्रमण के दौरान अधिकारीगण अपने विभाग के कार्यालयों के साथ-साथ गांव के आंगनवाड़ी, छात्रावास, स्कूल, अस्पताल का जरूर निरीक्षण करें और वहां जो भी समस्या सामने आये, उसे जिला प्रशासन के ध्यान में लाएं ताकि निराकरण किया जा सके। यह निर्देश कलेक्टर आदित्य सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत की सीईओ सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा, डिप्टी

कलेक्टर संजीव नागू, एसडीएम हरदा कुमार शानु देवड़िया सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर सिंह ने बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिये कि शहरी क्षेत्र में स्थित बड़े भवनों का फायर सेफ्टी ऑडिट पूर्ण कराएं। उन्होने जिले के सभी सीएम राइज स्कूल, पीएम स्कूल भवनों का भी फायर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश बैठक में दिये। बैठक में उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी से पिछले दिनों स्वीकृत सीएम राइज स्कूलों के लिये भूमि आवंटन के संबंध में भी जानकारी ली। कलेक्टर सिंह ने जिला संयोजक अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग को निर्देश दिये कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आयोजित हो रहे जनसमस्या निवारण शिविरों में जनजातीय वर्ग के युवाओं के स्वरोजगार संबंधी प्रकरण बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत बनवाएं ताकि उनकी आर्थिक स्थिति सुधर सके।

उन्होने 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड पंजीयन व वितरण के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जानकारी ली। कलेक्टर सिंह ने बैठक में निर्देश दिये कि विभिन्न विभागों में अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होने उप संचालक कृषि को निर्देश दिये कि कृषि अधोसंरचना निधि योजना के तहत किसानों के कोल्ड स्टोरेज के प्रकरण बनवायें।

ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिये 27 को कायरी में लगेगा शिविर

हरदा। जिले के वनग्रामों में निवासरत ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा योजनाओं की जानकारी उन्हें देने के उद्देश्य से कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश पर जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इन शिविरों में ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण तो किया ही जा रहा है साथ ही ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया जा रहा है ताकि ग्रामीणजन इन योजनाओं के बारे में जान सकें और योजनाओं का लाभ उठाने के लिये आगे आएं। इसी क्रम में अगला शिविर 27 नवम्बर को टिमरनी विकासखण्ड के वनग्राम कायरी में आयोजित किया जाएगा, जिसमें कायरी के आसपास के ग्राम कायरी, डोंग, आम्बा, मन्नासा, बोथी व जवारधा के ग्रामीणजनो की समस्याएं सुनी जायेंगी।

प्रशिक्षु बालिकाओं का किया उत्साहवर्धन

सीहोर। बैंक ऑफ़ इंडिया स्टार स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सीहोर द्वारा ज्वेलरी उद्यमी का 13 दिवसीय प्रशिक्षण ग्राम कुलास खुर्द में विगत् 7 दिनों से संचालित हो रहा है। यह प्रशिक्षण ग्रामीण युवा बेरोजगारों को रोजगार उन्मुख धारा से जोडने हेतु दिया जा रहा है, भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय, मध्यप्रदेश शासन, जिला अग्रणी बैंक बैंक आफ इंडिया एवं जिला प्रशासन की ओर से यह प्रशिक्षण छात्राओं को निशुल्क दिया जा रहा है । राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समूह सदस्य परिवारों को प्रमुखता में यह प्रशिक्षण दिया जाना सुनिश्चित किया गया था जिसके अंतर्गत 28 हितग्राहियों को आभूषण निर्माण प्रशिक्षण दिया जा रहा है । इस प्रशिक्षण के सातवें दिन रविवार को ग्राम पंचायत कुलांस खुर्द के सरपंच प्रतिनिधि मनोज वर्मा और युवा समाजसेवी पंकज शर्मा प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचे और प्रशिक्षणरत बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया और ज्वेलरी प्रशिक्षक रचना चौहान, सलमा कुरैशी, व्यापारिक प्रशिक्षक विवेक दिलवारिया एवं संस्था के निदेशक ओमप्रकाश प्रजापति का सम्मान किया और इस पुनीत कार्य के लिए उनका आभार एवं धन्यवाद भी व्यक्त किया ।

ब्रीफ न्यूज

रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ 84.35 डॉलर पर

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों के मजबूत रुख के बीच रुपया सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे मजबूत होकर 84.35 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक के ऊंचे स्तर तथा रूस-यूक्रेन संघर्ष के बढ़ने से पिछले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में करीब पांच प्रतिशत की वृद्धि जैसे कारक अमेरिकी डॉलर, भारतीय मुद्रा की जोड़ी के लिए बड़ी बाधाएं हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.38 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 84.35 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की बढ़त दर्शाता है। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 106.93 पर रहा।

सोलरवर्ल्ड एनर्जी ने आईपीओ से पहले जुटाए 110 करोड़

नई दिल्ली। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस ने वैल्यूक्रेस्ट इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स सहित कई निवेशकों से आईपीओ से पहले करीब 110 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसके साथ ही कंपनी के निर्धारित आईपीओ के नए निर्गम घटक को पहले अनुमानित 550 करोड़ रुपये से घटाकर 440 करोड़ रुपये कर दिया गया है। सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता ने पिछले सप्ताह सार्वजनिक घोषणा में कहा कि उसने हाल ही में निवेशकों को 352.05 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 31.24 लाख शेयर आवंटित किए हैं, जिससे लेनदेन का कुल आकार 109.99 करोड़ रुपये हो गया। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण सेवाओं में विशेषज्ञता रखती है।

अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से नौ के शेयरों में तेजी

नई दिल्ली। अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से नौ के शेयरों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में तेजी देखी गई। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में करीब सात प्रतिशत की तेजी आई। बीएसई पर अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में 6.89 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी में 6.42 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस में 5.33 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 4.64 प्रतिशत और अदाणी पावर में 4.17 प्रतिशत की तेजी आई। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर चार प्रतिशत, अदाणी विल्मर के 3.23 प्रतिशत, एसीसी के तीन प्रतिशत और अंबुजा सीमेंट्स के शेयर 2.71 प्रतिशत चढ़े। गौरतलब है कि समूह के संस्थापक अध्यक्ष गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर सहित सात अन्य लोगों के खिलाफ अमेरिका में 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की कथित रिश्वतखोरी की साजिश रचने का हिस्सा होने के आरोप में अभियोग लगाए जाने के बाद विदेशों से धन जुटाने की इसकी क्षमता पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है। कुछ वैश्विक बैंक और वित्तीय संस्थान कथित तौर पर समूह को नए ऋण देने पर अस्थायी रूप से रोक लगाने पर विचार कर रहे हैं।

एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक फायदा, नुकसान में रही मुकेश अंबानी की रिलायंस

आठ शीर्ष कंपनियों की बाजार पूंजी 1,55,603.45 करोड़ रुपये बढ़ी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बीते सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 1,536.8 अंक या 1.98 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं एनएसई का निफ्टी भी 374.55 अंक या 1.59 प्रतिशत चढ़ गया। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की 10 शीर्ष कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में 1,55,603.45 करोड़ रुपये का उछाल आया। एचडीएफसी बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम की बाजार पूंजी घटी। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक की बाजार पूंजी 40,392.91 करोड़ रुपये बढ़कर 13,34,418.14 करोड़ रुपये हो गई। टीसीएस की बाजार हैसियत 36,036.15 करोड़ रुपये बढ़कर 15,36,149.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 16,266.54 करोड़ रुपये बढ़कर 9,01,866.22 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का 16,189.33 करोड़ रुपये बढ़कर 7,90,151.83 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 13,239.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 5,74,569.05 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 11,508.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,94,272.93 करोड़ रुपये हो गई। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 11,260.11 करोड़ रुपये बढ़कर 8,94,068.84 करोड़ रुपये पर और भारतीय स्टेट बैंक की बाजार पूंजी 10,709.55 करोड़ रुपये बढ़कर 7,28,293.62 करोड़ रुपये रही। वहीं एलआईसी का मूल्यांकन 11,954.24 करोड़ रुपये घटकर 5,62,545.30 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 2,368.16 करोड़ रुपये घटकर 17,13,130.75 करोड़ रुपये रही। टॉप 10 कंपनियों की सूची में मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम है। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एसबीआई, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी हैं।

गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया हर शेयर पर देगी 35 रुपए का डिविडेंड

नई दिल्ली। विश्व की जानी मानी सिगरेट बनाने वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया रेड स्क्वायर, रेड एंड व्हाइट, कैवेंडर्स, स्टेलर और फोकस जैसे ब्रांड नाम से सिगरेट बनाती है। अब कंपनी ने बड़ा ऐलान किया है। सिगरेट और तंबाकू प्रोडक्ट्स बेचने वाली यह कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 35 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देने वाली है। डिविडेंड का ऐलान कंपनी के बोर्ड की हाल ही में हुई मीटिंग के बाद किया था। अंतरिम डिविडेंड को लेकर शेयरहोल्डर्स की पात्रता तय करने के लिए रिकॉर्ड डेट 29 नवंबर है। इस तारीख तक जिन शेयरधारकों के नाम शेयरों के लाभार्थी मालिकों के तौर पर रजिस्टर ऑफ मेंबर्स ऑफ द कंपनी या डिपॉजिटरीज के रिकॉर्ड्स में होंगे, वे डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया का कहना है कि वह पात्र शेयरहोल्डर्स को डिविडेंड का भुगतान 19 नवंबर की तारीख से शुरू होने वाली 30 दिन की अवधि में कर देगी। यह कंपनी मोदी एंटरप्राइजेज-केके मोदी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी है। यह भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में शामिल है। गॉडफ्रे शेयर एक मल्टीबैगर स्टॉक है। एक साल में इस शेयर ने निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है।

मशहूर उद्योगपति एलन मस्क इतिहास में अब तक के सबसे अमीर शख्स हुए

334.3 अरब डॉलर की संपत्ति के हो गए हैं मालिक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राजा-महाराजाओं को पीछे छोड़ते हुए मशहूर उदयोगपति एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर शख्स हो गए है। अमेरिका की टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक और कीर्तिमान रच दिया है। एलन मस्क इतिहास में अब तक के सबसे अमीर शख्स हो गए हैं। फोर्ब्स के अनुसार, वह अब 334.3 अरब डॉलर की संपत्ति के मालिक हो गए हैं। एलन मस्क की नेटवर्थ में तेजी का कारण टेस्ला के शेयरों में आया तगड़ा उछाल है। माना जा रहा है कि यूएस के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई ऐसी नीतियां लागू करेंगे जो व्यवसायियों को समर्थन देंगी। यह बात जगजाहिर है कि ट्रंप और मस्क के बीच काफी अच्छे संबंध हैं। इसलिए बाजार को उम्मीद है कि उन नीतियों का सीधा प्रभाव टेस्ला पर सकारात्मक रूप से पड़ेगा। इसी उम्मीद में टेस्ला के शेयरों में रैली देखी जा रही है। टेस्ला के शेयर यूएस में राष्ट्रपति चुनाव की शुरुआत से अब तक 40 फीसदी तक चढ़ चुके हैं। इसमें शुक्रवार को शेयरों में आया 3.8 फीसदी का उछाल भी शामिल है। शुक्रवार को टेस्ला के शेयर 352.56 डॉलर पर पहुंच गए। यह टेस्ला के स्टॉक्स की 3 साल की सर्वाधिक वैल्यू है। नतीजतन, मस्क की वेल्थ में 7 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और उनकी नेटवर्थ 320.3 अरब डॉलर से आगे निकल गई। नवंबर 2021 में उनकी नेटवर्थ 320 अरब डॉलर हुई थी जो इससे पहले तक उनकी सर्वाधिक नेटवर्थ थी। मस्क की नेटवर्थ का एक बड़ा हिस्सा टेस्ला में उनकी 13 फीसदी हिस्सेदारी और 9 फीसदी इक्विटी अवॉर्ड की वजह से आता है। मस्क ने राष्ट्रपति चुनाव में खुलकर ट्रंप का समर्थन किया। ट्रंप के कैंपेन में 10 करोड़ डॉलर का योगदान भी दिया। ट्रंप से मस्क की दोस्ती के कारण उनमें निवेशकों का विश्वास और बढ़ गया। मस्क को नए बने विभाग डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफीशिएंसी का चेयरमैन बनाया गया है। इस पद को बायोटेक उद्यमी विवेक रामास्वामी के साथा साझा करेंगे। मस्क की संपत्ति में उनकी अन्य कंपनियों का भी बड़ा योगदान है। उनके पास आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी एक्स एआई में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसकी वैल्यू 50 डॉलर अरब है और इससे उनकी नेटवर्थ में 13 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है।

अमेरिकी चुनाव के परिणाम ने बढ़ाई बिटकॉइन की चमक

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम आने के बाद दुनिया भर में क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की चर्चा में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इलेक्शन रिजल्ट्स के बाद से ही बिटकॉइन की कीमत में जोरदार उछाल देखा जा रहा है। साल 2011 को जब बिटकॉइन की कीमत केवल 1 डॉलर थी, यह क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ने वाले एक निवेशक ने सिर्फ 100 रुपये निवेश किए थे, जिसका वर्तमान मूल्य लगभग 1.65 करोड़ रुपये है7 बिटकॉइन का सफर साल 2009 में शुरू हुआ था और आज साल 2024 में इसकी कीमत 1 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच चुकी है। 24 नवंबर को बिटकॉइन की कीमत 97,654.9 डॉलर थी। इस चौंकाने वाली बढ़ोतरी के साथ बिटकॉइन ने महामारी के समय में भी दिखाया कि यह एक सुरक्षित निवेश हो सकता है।

भारत और नॉर्वे के बीच टेपा समझौते पर हुई चर्चा

व्यापारिक संबंधों को और प्रगति देने की योजना बनाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के वाणिज्य सचिव सुनील भार्थवाल ने हाल ही में नॉर्वे का दौरा किया। उनका यह दौरा भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ ईएफटीए देशों के साथ व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टेपा) लागू करने में तेजी लाने और 100 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से था।

भार्थवाल का नॉर्वे दौरा भारत और ईएफटीए देशों के बीच टेपा समझौते को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए था। इस समझौते के तहत, भारत को ईएफटीए देशों के बाजारों में अपने उत्पादों और सेवाओं के निर्यात के लिए 99.6 प्रतिशत बाजार का अधिकार मिलेगा। इसमें गैर-कृषि उत्पादों और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर महत्वपूर्ण टैक्स छूट दी जाएगी। भारत ने ईएफटीए देशों को 82.7 प्रतिशत अपनी टैक्स लाइनों की पेशकश की है, जो ईएफटीए के निर्यात का 95.3 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। भारत ने ईएफटीए के लिए 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जबकि नॉर्वे ने 114 क्षेत्रों में प्रतिबद्धता की है। भार्थवाल ने नॉर्वे में टॉमस नॉर्वोल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इन बैठकों में मुख्य रूप से व्यापार संबंधों को बढ़ावा देना भारतीय निर्यात को प्रोत्साहन देना, और टेपा के अनुमोदन में तेजी लाने के मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा वाणिज्य सचिव ने नॉर्वेजियन संसद के सदस्यों से भी मुलाकात की और समझौते के संभावित लाभों पर जोर दिया।

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोत्तरी देखी गई

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 75.14 डॉलर प्रति बैरल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से सोमवार को देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी दिख रही है। सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को सुबह जारी रेट में बदलाव किया है और दिल्ली के आसपास के शहरों में भी भाव बदल गए हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में जहां तेल के दाम बढ़े हैं तो पास के गाजियाबाद और गुरुग्राम जिले में तेल सस्ता हो गया है। हालांकि, दिल्ली सहित देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 11 पैसे महंगा होकर 94.98 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 12 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे गिरकर 94.53 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 14 पैसे टूटकर 87.61 रुपये लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 15 पैसे सस्ता हो गया और 95.02 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 14 पैसे फिसलकर 87.88 रुपये लीटर हो गया है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी मामूली बदलाव हुआ है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 75.14 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी थोड़ा चढ़कर 71.23 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है।

नेपाल का व्यापार घाटा 460 अरब के पार

काठमांडू। नेपाल का व्यापार घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह में 460 अरब रुपये से अधिक हो गया है। सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार नेपाल ने चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान 513.38 अरब रुपये के सामान का आयात किया, जबकि निर्यात केवल 52.67 अरब रुपये तक ही रहा। विभाग के अनुसार नेपाल ने चार महीनों में कुल 566.5 अरब रुपये के विदेशी व्यापार में 460.71 अरब रुपये का व्यापार घाटा देखा। आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आयात 0.17 प्रतिशत बढ़ा, जबकि निर्यात में 4.16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में नेपाल का भारत के साथ व्यापार घाटा 281 अरब रुपये को पार कर गया है। इस अवधि के दौरान नेपाल ने भारत से करीब 317 अरब रुपये का सामान आयात किया, जबकि उसने भारत को सिर्फ 36 अरब रुपये का सामान निर्यात किया।

अदाणी समूह ने अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के वित्तीय और ऋण विवरण जारी किए

अदाणी समूह की कंपनियों ने बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार में निवेश को बढ़ावा दिया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

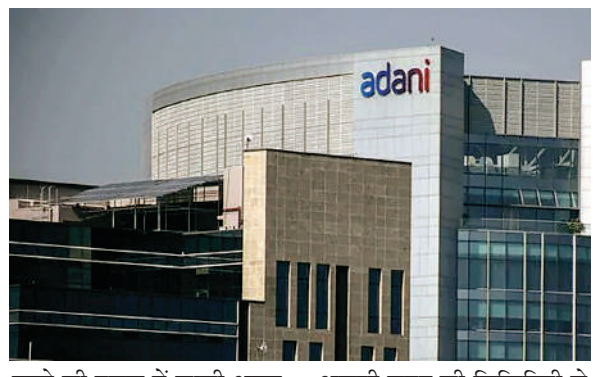

गौतम अदाणी के समूह ने निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने सोमवार को अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के वित्तीय और ऋण विवरण जारी किए। इस घोषणा के माध्यम से कंपनी ने अपने मजबूत मुनाफे और नकदी प्रवाह की बढ़त को दर्शाया।

अदाणी समूह के कंपनियों ने बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार में निवेश को बढ़ावा दिया है। कंपनी के अनुसार वे अब अपनी विकास की गति को बनाए रख सकते हैं बिना ऋण पर निर्भर होने की दरकार। हाल ही में गौतम अदाणी और दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ अमेरिकी अदालत में सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप है। समूह की कुल संपत्ति में इक्विटी का योगदान करीब दो तिहाई है, जो पांच साल पहले की तुलना में काफी अलग है। समूह ने पिछले 12 महीनों में करीब 75,227 करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि कुल कर्ज में सिर्फ 16,882 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। अदाणी समूह ने अपने निवेशकों के साथ एक नोट भी साझा किया है, जिसमें कहा गया है कि वे कम से कम 12 महीनों के लिए सभी ऋण सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता रखते हैं। अदाणी समूह की लिक्विडिटी से जुड़े एक नोट में कहा गया है कि उनके पास 53,024 करोड़ रुपये की नकदी है, जो इसके कुल सकल बकाया ऋण का 21 प्रतिशत है। समूह ने अगले 10 वर्षों में 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने की योजना बनाई है और उनकी लाभदायकता में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए धारिता की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है।

आदेश

हर्जाने के रूप में याचिकाकर्ता को 25,000 रुपये का भुगतान भी करे

धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति के खाते से गायब हुए 2.6 लाख वापस करे बैंक: हाईकोर्ट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को निर्देश दिया है कि वह साइबर धोखाधड़ी के शिकार 55 वर्षीय व्यक्ति के खाते से गायब हुए 2.6 लाख रुपये वापस करे। यह मामला 2021 में सामने आया था, जब याचिकाकर्ता एक फिशिंग और विशिंग हमले का शिकार हुआ। अदालत ने यह भी आदेश दिया है कि बैंक उक्त राशि पर 9 फीसदी वार्षिक ब्याज और हर्जाने के रूप में याचिकाकर्ता को 25,000 रुपये का भुगतान करे। न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा ने अपने फैसले में भारतीय स्टेट बैंक को स्पष्ट सेवा कमी का दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी की सूचना मिलने के बावजूद बैंक की प्रतिक्रिया ढीली, दोषपूर्ण और समय पर नहीं थी।

अदालत ने कहा कि बैंक को ग्राहक के साथ एजेंट की तरह व्यवहार करते हुए उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और धोखाधड़ी का पता लगते ही तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसने अपराधियों के साथ कोई ओटीपी साझा नहीं किया था, फिर भी उसके खाते से राशि निकाल ली गई। न्यायमूर्ति ने कहा कि बैंक ने संदिग्ध खातों को चार्जबैक, पुनर्प्राप्ति या फ्रीज करने जैसे कदम उठाने में लापरवाही बरती। अदालत ने विशेष रूप से एसबीआई की आलोचना करते हुए कहा कि उसने आईडीएफसी बैंक और वन97 कम्युनिकेशन में रखे गए खातों पर भी कोई कार्रवाई नहीं की। न्यायालय ने कहा कि ग्राहक सेवा किसी भी बैंक के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर धोखाधड़ी के मामलों में। इस मामले में बैंक का रवैया गंभीर रूप से असंतोषजनक और गंभीर सेवा कमी का उदाहरण था। अदालत के इस आदेश से साइबर धोखाधड़ी से पीड़ित लोगों को न्याय पाने की उम्मीद जगी है।

रिलायंस के रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कमजोर रिफाइनिंग मार्जिन में अब सुधार दिखने लगा है। बता दें कि आरआईएल के खराब प्रदर्शन की एक वजह कमजोर रिफाइनिग मार्जिन को माना जा रहा था। यह बात ब्रोकरेज कंपनी जेपी मॉर्गन ने एक रिपोर्ट में कही है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि खुदरा कारोबार की कमजोर आय वृद्धि के बारे में अनुमान लगाना मुश्किल है। रिलायंस का शेयर आठ जुलाई के अपने उच्चतम स्तर से 22 प्रतिशत नीचे हैं। ऐसे बाजार में जहां ज्यादातर शेयर ऐतिहासिक मूल्यांकन से काफी ऊपर कारोबार कर रहे हैं, रिलायंस का शेयर काफी नुकसान में लग रहा है।

अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली कंपनी के तीन मुख्य कारोबार तेल शोधन और पेट्रोरसायन, खुदरा और दूरसंचार हैं। इसमें खुदरा कारोबार और दूरसंचार कारोबार की कुल आय में लगभग 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में लगभग सभी ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पूर्व की शुद्ध कमाई (एबिटा) में वृद्धि इन दोनों कारोबार से ही आएगी।

कृषि उपसंचालक का बयान, पर्याप्त मात्रा में डीएपी उपलब्ध तो फिर 2 महीने से किसान क्यों परेशान ?

सोमवार को फिर एक बार धक्का मुक्की और अफरा तफरी के बीच पूरी रात लाइन में खड़े रहे किसान

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग पिछले दो महीने में जिले के किसानों को डीएपी खाद उपलब्ध कराने में पूरी तरह फे ल साबित हुआ है और अधिकारी कर्मचारी अपने-अपने लोगों को टोकन देकर उपकृत करने में लगै रहे तथा अभी भी यह खेल चल रहा है। कृषि विभाग के उपसंचालक एक बार फिर डीएपी खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने का दावा कर रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर उनके इस दावे की पोल वितरण केंद्र पर लगी किसानों की भीड़ खोल रही है। कृषि विभाग के उपसंचालक पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध होने की बात कर रहे हैं तो फिर पिछले दो महीने से लगातार यह स्थिति क्यों बन रही है, इसकी पड़ताल कौन करेगा। कृषि मंत्री के गृह जिले में पिछले दो माह से यह हालात बने हुए हैं, लेकिन फिर भी शासन प्रशासन व्यवस्था को बनाने में नाकामयाब साबित हुआ है।

इस समय गेहूं की बोबनी को लेकर जिले भर का किसान चिंतित है। डीएपी खाद की कमी के कारण किसान परेशान है और पूरा परिवार डीएपी के लिए दिन-रात लाइन में खड़ा हुआ है, लेकिन कृषि मंत्री जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को कोई चिंता किसानों की नहीं है। पिछले दो महीने से देखने में आ रहा है कि किसान रात्रि 2:00 बजे से लेकर देर दोपहर तक लाइन में टोकन के लिए खड़ा है और फिर उसके बाद डीएपी खाद प्राप्त करने के लिए मशक्कत कर रहा है। किसान तो किसान उनकी बीवी बच्चे भी लाइन में खड़े नजर आ रहे हैं। सोमवार को भी खाद वितरण केंद्र पर भारी संख्या में किसानों की लाइन लगी हुई थी और जमकर धक्का मुक्की और अफरा-तफरी मच रही थी, लेकिन अधिकारी एवं पुलिस बल कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। डीएपी खाद की किल्लत को लेकर किसान वितरण केंद्र पर हंगामा मचाते रहे, लेकिन कोई भी जिम्मेदार अधिकारी किसानों की सुनवाई करने के लिए मौके पर नहीं पहुंचा।

सूत्र बताते हैं कि कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी नेताओं एवं अपने परिचितों को टोकन देकर डीएपी खाद उपलब्ध करा रहे हैं, जबकि आम किसान टोकन और खाद के लिए मारा-मारा फिर रहा है। जिले भर में अधिकारी एवं कर्मचारी किसानों के साथ भेदभाव कर रहे हैं तो वहीं डीएपी खाद की कालाबाजारी भी चरम सीमा पर चल रही है। मुरैना का जिला प्रशासन पिछले दो महीने में डीएपी खाद की व्यवस्था बनाने में पूरी तरह फे ल साबित हुआ है।

क्या कहते हैं कृषि संचालक

कृषि विभाग के उपसंचालक का कहना है कि जिले में वर्ष 2024-25 की स्थिति में रबी फसल के लिये खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने बताया है कि वर्ष 2024-25 के लिये 54 हजार 239 मैट्रिक टन खाद प्राप्त हुआ, जिसमें 22 नवंबर 2024 की स्थिति में अभी तक 43 हजार 101 मैट्रिक टन खाद का वितरण हो चुका है। अभी भी जिले के स्टॉक में 11 हजार 138 मैट्रिक टन खाद उपलब्ध है।

ब्रीफ न्यूज

सड़क दुर्घटना में मृतक के वारिसान को 15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता

मुरैना। मुरैना गांव का पुरा तहसील मुरैना निवासी कायरब पुत्र बनिया की विगत 18 अप्रैल, 2024 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। तहसीलदार मुरैना के प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर ने मृतक के वारिसान बनिया पुत्र मनफूल को 15 हजार रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत कर बैंक ऑफ इंडिया में ट्रान्सफर कर दी गई है।

75 वर्ष पूर्ण होने पर संविधान दिवस 26 नवम्बर को

मुरैना। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले ने बैठक के दौरान समस्त अधिकारियों को निर्देश दिये है कि संविधान को अपनाये जाने के 75 वर्ष पूर्ण होने पर संविधान दिवस 26 नवम्बर को मनाया जाये। जिसमें शपथ का आयोजन सभी कार्यालयों, जनपद, पंचायत, विद्यालय, महाविद्यालय, स्वशासी संस्थाओं में शपथ का आयोजन किया जाये। शपथ के दौरान फोटो भी अपलोड किये जायें।

आबकारी एक्ट में जप्त 15 वाहनों को राजसात करने के लिए नोटिस जारी

मुरैना। जिले के थानों में आबकारी एक्ट में जप्त किए गए वाहनों के निराकरण हेतु उन्हें राजसात करने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा कलेक्टर को प्रस्ताव दिया गया, जिस पर से कार्यवाही आरंभ कर दी गई है और 15 वाहन मालिकों को नोटिस जारी किए गए हैं। जिला मुरैना के विभिन्न पुलिस थानों में जप्तशुदा वाहनों के निराकरण के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। उक्त अभियान के तारतम्य में जिला मुरैना में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत जप्तशुदा वाहनों को शासन हित में राजसात कराए जाने संबंधी प्रस्ताव प्रतिवेदन पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ द्वारा कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मुरैना की ओर प्रेषित किए गए। उक्त प्रस्तावों पर कलेक्टर मुरैना द्वारा कार्यवाही प्रारंभ करते हुए 34(2) आबकारी एक्ट में जप्तशुदा वाहनों 12 चार पहिया, 02 दो पहिया एवं 01 ऑटो को शासन हित में राजसात किये जाने हेतु संबंधित वाहन स्वामियों के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी कर नियत दिनांक तक उत्तर प्रेषित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष ने ब्लॉक अध्यक्ष व कार्यकारी अध्यक्ष किए नियुक्त

मुरैना। मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष योगेश यादव के निर्देशानुसार मुरैना जिला अध्यक्ष कांग्रेस सेवादल प्रदीप रजक ने संगठन ओर पार्टी को और अधिक सशक्त व मजबूत बनाने के लिए कांग्रेस सेवादल के ब्लॉक अध्यक्ष व कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए हैं। जिला अध्यक्ष प्रदीप रजक ने जानकारी देते हुए बताया है कि मोहब्बत हुसैन को सुमावली ब्लॉक, गोपाल कुशवाह को सरायछौला ब्लॉक, महेश शर्मा बागचीनी ब्लॉक, पवन पाराशर को जौरा ब्लॉक, राजवीर यादव को जिगनी ब्लॉक एवं राहुल कुमार बंसल को जीगनी कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष पद पर नियुक्ति किया है। प्रदीप ने कहा कि कार्यकारिणी का गठन करने से संगठन को एक नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी तथा कांग्रेस पार्टी की विचारधारा जनदृजन तक पहुंचेगी।

बरवासिन घाट बंद होने के बाद रेत माफिया का चंबल राजघाट पर लगा रेला

सत्ता सुधार ■ मुरैना

चंबल नदी के राजघाट से खुलेआम रेत माफिया सोमवार की सुबह से ही रेत का उत्खनन करने ऐतिहासिक संख्या में पहुंच गया, जिसे देखकर लोग आश्चर्यचकित रह गए। चंबल राजघाट पर लगभग 1000 ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से रेत माफिया रेत का उत्खनन कर रहे थे, जिसके वीडियो एवं फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं और प्रशासन, पुलिस व वन विभाग के अधिकारियों को चिढ़ा रहे हैं। अधिकारियों को जानकारी होने के बावजूद भी रेत माफियाओं की ऊंची पहुंच के कारण कोई भी उन पर हाथ डालने में कतरा रहा है।

सूत्र बताते हैं कि इस समय बरवासिन घाट बंद होने के बाद सोमवार की सुबह पहली बार चंबल राजघाट पुल के पास चंबल नदी के किनारे रेत माफिया का रेला देखने को मिला। वहां देखने पर लाइन से ट्रैक्टर-ट्रॉली लगे हुए थे और नदी से रेत का उत्खनन चल रहा था। यह दृश्य जब जागरूक लोगों ने देखा तो फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। हालांकि कुछ लोगों ने चंबल राजघाट से रेत के अवैध उत्खनन की सूचना प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों को भी दी है, लेकिन कोई भी कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। बताया जाता है कि वन विभाग की गश्ती टीम भी पर्याप्त संसाधन और पुलिस बल न होने के कारण कार्रवाई करने में अक्षम महसूस कर रही है। चंबल नदी से रेत का अवैध उत्खनन का सिलसिला पिछले दो दशक से भी अधिक समय से चल रहा है, जिसे रोका नहीं गया है। बरसों पूर्व कुछ बहादुर अधिकारियों द्वारा रेत माफियाओं पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया, लेकिन रेत माफियाओं ने बुलंद हौसलों के साथ प्रशासन एवं पुलिस का सामना किया। रेत व पत्थर माफिया के कारण कई पुलिस कर्मचारी एवं एक आईपीएस अधिकारी की मौत हो चुकी है। एक बार तो तत्कालीन कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक पर माफिया द्वारा जमकर फायरिंग की गई थी।

1000 ट्रैक्टर-ट्रॉली से हो रहा उत्खनन, जिला प्रशासन, वन विभाग और पुलिस ठंड में कंबल ओढ़कर सोया

वर्तमान में जिला प्रशासन एवं पुलिस डिपार्टमेंट पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका है और रेत माफिया पर कार्यवाही के लिए कोई योजना उनके द्वारा नहीं बनाई गई है। ऐसा लगता है कि सर्दी के कारण अधिकारी कर्मचारियों को कुछ दिखाई नहीं दे रहा और वह ठंड के चलते कंबल ओढ़कर आराम कर रहे हैं। उधर रेत माफिया चंबल का सीना चीरकर चंबल नदी का स्वरूप बिगाड़ने में लगे हुए हैं। सर्दियों के इस मौसम में विदेशी पक्षियों का चंबल नदी में आना जाना रहता है, ऐसे में जलीय जीवों एवं विदेशी पक्षियों के जीवन पर भी खतरा मंडराने लगा है।

प्रभारी कलेक्टर ने नहीं रिसीव किया मोबाइल फोन, सरकारी नंबर पर भी नहीं मिला रिस्पांस

चंबल नदी राजघाट पुल के पास सोमवार की सुबह भारी संख्या में रेत माफिया द्वारा किए जा रहे अवैध उत्खनन को लेकर प्रभारी कलेक्टर विवेक कुमार को उनके मोबाइल नंबर 8770391970 पर संपर्क साधकर जानकारी लेनी चाही गई, लेकिन उनके द्वारा कॉल रिसीव नहीं किए गए। वहीं कलेक्टर के सरकारी नंबर 6263806243 पर भी कॉल लगाया गया, लेकिन वह भी रिसीव नहीं हुआ। ऐसा लगता है कि जिला प्रशासन रेत माफिया को संरक्षण दे रहा है व अधिकारियों में मीडिया कर्मियों के फोन ना उठाने की प्रतिस्पर्धा चल रही है।

जप्तशुदा वाहनों के शीघ्र निराकरण के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के सभी थानों में अलग-अलग प्रकरणों में जप्तशुदा वाहनों के शीघ्र निराकरण के लिए पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ द्वारा विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत उन्होंने सोमवार को थाना प्रभारी को उक्त सभी वाहनों के निराकरण के लिए व्यक्तिगत रूप से रुचि लेकर प्रकरणों का निपटारा करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक थाना स्तर पर जप्तशुदा वाहन निराकरण हेतु उनि,सउनि स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

जिला मुरैना के थानों में धारा 25 पुलिस एक्ट, धारा 102 जाफौ, अन्य प्रकरणों में जप्तशुदा वाहनों के निराकरण एवं नीलामी प्रक्रिया के संबंध में पुलिस लाईन मुरैना स्थित कॉन्फ्रेन्स हॉल में कंडम वाहन नीलामी प्रक्रिया प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में जप्तशुदा वाहनों के निराकरण की प्रक्रिया में विशेष अनुभव प्राप्त आशीष कुमार श्रीवास जिला पुलिस भोपाल उपस्थित रहे, जिनके द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित जिले के विभिन्न थाना प्रभारियों, थाना स्तर पर नियुक्त नोडल अधिकारियों कनक सिंह चौहान रक्षित निरीक्षक मुरैना एवं सूबेदार हरेन्द्र सिंह आदि को थानों में रखे जप्तशुदा वाहनों के निराकरण प्रक्रिया, कंडम वाहनों की नीलामी प्रक्रिया आदि के संबंध में चरणबद्ध तरीके से जानकारी दी गई। साथ ही जप्तशुदा वाहनों के निराकरण के दौरान आने वाले संभावित कठिनाईयों एवं उनके यथोचित निराकरण के संबंध में भी प्रशिक्षण के दौरान जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित रहे, जिनके द्वारा भी संबंधित थाना प्रभारियों एवं नोडल अधिकारियों को जप्तशुदा वाहनों के निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

ताज एक्सप्रेस के इंजन में फंसकर मोर की मौत, तिरंगे में लपेटकर फॉरेस्ट को सोंपा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

गत दिवस राष्ट्रीय पक्षी मोर रेलगाड़ी के इंजन में फंस गया और उसकी मौत हो गई। मुरैना स्टेशन पर चालक को जब पता चला तो उसके द्वारा स्थानीय जीआरपी थाना पुलिस को सूचना दी गई। बताया जाता है कि गत दिवस 12279 ताज एक्सप्रेस के इंजन मैं अचानक राष्ट्रीय पक्षी मोर फंस गया था, जिससे उसकी मौत हो गई। मुरैना रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ी के चालक द्वारा मोर को निकाल कर राष्ट्रीय ध्वज में सम्मान से उतार कर फॉरेस्ट के अधिकारियों को सुपुर्द किया गया।

दीपेंद्र यादव शहर कोतवाल बने परिहार हुए रिलीव

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मुख्यालय का महत्वपूर्ण थाना सिटी कोतवाली के तत्कालीन थाना प्रभारी आलोक परिहार का ग्वालियर स्थानांतरण हुए लगभग एक महीना हो गया। इसके पश्चात सोमवार को पुलिस अधीक्षक समीर सौरव द्वारा श्री परिहार के रिलीव होने के पश्चात दिमनी थाना प्रभारी दीपेंद्र यादव को मुरैना सिटी कोतवाली निरीक्षक तैनात किया है। श्री यादव सोमवार की रात या मंगलवार को पदभार संभाल सकते हैं। श्री यादव के समक्ष शहर में बढ़ रहे अपराध एक बड़ी चुनौती होंगे।

जन समस्याओं को लेकर मिलकर संघर्ष करेंगे : उपनेता प्रतिपक्ष

मुरैना। नगर पालिक निगम में उपनेता प्रतिपक्ष सोनू जोनवार द्वारा रविवार को सिंगल बस्ती स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर नगर पालिक निगम मुरैना में नेता प्रतिपक्ष विनीत कंषाना सहित रमेश अर्गल पार्षद, हरिराम पचौरिया, कांग्रेस नेता राकेश गर्ग पार्षद, विनोद जोनवार, बलवीर दोनेरिया, गजेन्द्र सिंधी, आशीष नागोरिया, राजवीर पिप्पल, प्रशांत, लखन आदि मौजूद थे। नेता प्रतिपक्ष सोनू जोनवार ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, मैं उसका भलीभांति निर्वहन करूंगा। मुरैना क्षेत्र में जो भी समस्यायें हैं, उनको निराकृत कराने का प्रयास किया जाएगा। कांग्रेस अपनी भूमिका का अच्छी तरह निर्वहन करेगी। हम जन समस्याओं को लेकर संघर्ष भी करेंगे। उन्होंने वहां उपस्थित सभी नेताओं का आभार जताया।

विश्व एंटीबायोटिक माइक्रोबियल रेजिस्टेंस के लिये जनजागरूकता हेतु मनाया जागरूकता सप्ताह

गुना। मिशन डायरेक्टर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्देश पर विश्व एंटीबायोटिक जन जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत जिला चिकित्सालय गुना में स्थानीय लोगों में एंटीबायोटिक माइक्रोबियल रेजिस्टेंस के लिये जागरूक करने के लिए जिला चिकित्सालय गुना की बिल्डिंग को गो ब्लू कैंपेन के तहत ब्लू लाइटिंग से रोशन कर एंटीबायोटिक जन जागरूकता सप्ताह मनाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर एवं सिविल सर्जन डॉ. आर. एस. भाटी द्वारा शरीर में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस पैदा होने के दुष्परिणामों के विषय में जागरूक किया जो कि इस प्रकार है - कोई भी वायरल और बैक्टिरियल इन्फेक्श जल्दी ठीक नहीं होगा। एंटीमाइक्रोबियल दवाइयों का अधिक लंबे समय तक सेवन करना पड़ेगा। ज्यादा दवाइयों के सेवन से दवाइयों के साइड इफेक्ट होने का खतरा बढ़ जाएगा। विषम परिस्थितियों में ऐसा भी हो सकता है कि कोई भी दवा बैक्टरीया पर असर न करे। यह स्थिति खतरनाक हो सकती है। दवा के बेअसर होने के कारण ही WHO इसे बड़े खतरे के रूप में देख रहा है।

कलेक्टर का प्रभार जिला सीईओ ग्वालियर विवेक कुमार ने संभाला

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार 30 नवम्बर तक मुरैना कलेक्टर अंकित अस्थाना का प्रभार सीईओ जिला पंचायत ग्वालियर विवेक कुमार संभालेंगे। विदित है कि 19 नवम्बर को सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार मुरैना कलेक्टर 30 नवम्बर तक अर्जित अवकाश पर है, उनके अर्जित अवकाश तक मुरैना कलेक्टर का प्रभार सीईओ जिला पंचायत ग्वालियर विवेक कुमार देंखगें।

जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति ने खाद्य वितरण गोदाम प्रभारी की जूते से की मारपीट, मामला थाने में पहुंचा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले में डीएपी खाद वितरण अब नए-नए रंग ले रहा है जिले की कैलारस तहसील में सोमवार की दोपहर जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति तथा उसके साथियों ने गोदाम प्रभारी की जूते एवं लात घुसा से जमकर मारपीट कर डाली, जिससे वितरण केंद्र पर हंगामा मच गया और जमकर गाली-गलौज हुआ। गोदाम प्रभारी ने अपने साथ हुई मारपीट एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज करने हेतु कैलारस थाना पुलिस को आवेदन दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर 2:00 बजे धीरवल सिंह पुत्र रामदयाल राठौर गोदाम प्रभारी मध्य प्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित कैलारस गोदाम गल्ला मंडी कैलारस पर खाद वितरण कर रहा था, तभी जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति अमरसिंह धाकड़ निवासी ग्राम खिरी एवं उसके तीन चार साथियों द्वारा मां बहन की गन्दी-गन्दी गालियां देते हुये बोले कि मेरे आदमियों को खाद के 20-20 कट्टा दे, मैने कहा कि मैं नियम के अनुसार खाद का वितरण करूंगा। इसी बात पर अमरसिंह धाकड़ ने शासकीय कार्य में बाधा डाली एवं जूता उतारकर मेरे सिर में मारा एवं उसके साथ 03-04 अज्ञात लोगों ने मेरी लात घूंसो से मारपीट की और मुझे पकड़कर खींच लिया, जिससे मेरा खाद विक्रय करने का केश वही पर जमीन पर बिखर गया। मौके पर कई किसान, चौकीदार पुष्पेन्द्र पाण्डे एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर विकास शुक्ला द्वारा मुझे बचाया गया। जिला पंचायत सदस्य एवं उसके साथियों ने गोदाम प्रभारी को धमकी दी कि अगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई तो जान से खत्म कर देंगे, इसके बाद गोदाम प्रभारी दहशत में हैं।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ का सदस्यता अभियान जारी

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की सदस्यता अभियान प्रदेश के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, जिलाध्यक्ष, जिला सचिव की देखरेख मे चलाया जा रहा है। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के पदाधिकारीयों के द्वारा अलग अलग स्थानो पर जाकर सदस्यता अभियान चला रहे है। जिस संगठन में सदस्यता नहीं है, तो उस संगठन का अस्तित्व नहीं माना जाता है। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के सदस्य प्रत्येक संकुल एवं प्रत्येक शिक्षक तक पहुंच रहे है, जिससे संगठन में मजबूती आई है। इसी प्रकार भविष्य में भी काम करते रहेंगे और शिक्षको को जोड़ने का काम करेंगे स सदस्यता में मुख्य रूप से प्रांतीय उपाध्यक्ष रामवरन सिंह सिकरवार, जिलाध्यक्ष पवनसिंह परिहार, जिलासचिव रामअवतार सिंह सिकरवार, प्राचार्य मधुमंगल शुक्ला, रामसहाय शर्मा, देवेन्द्र सिकरवार यजुवेंद्र सिंह तोमर, राजू शुक्ला, लोकेन्द्र यादव, आलोकेन्द्र सिंह तोमर, अजय कुमार, रामेन्द्र सिंह गुर्जर, रामशंकर गौड़, किरण सिकरवार, रजनी भदौरिया, बीनू तोमर, निशी राजपूत, रूची शर्मा, गोरेटिया इक्का आदि उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा थाना सिंहपुर, अमलाई, धनपुरी एवं बुढार का किया औचक निरीक्षण

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री रामजी श्रीवास्तव द्वारा थाना सिंहपुर, अमलाई, धनपुरी एवं बुढार का औचक निरीक्षण किया गया। थानो के निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा थाने के रिकॉर्ड रजिस्टर, गुंडा, हिस्ट्रीशीटर रजिस्टर इत्यादि चेक करते कमी पूर्ति हेतु संबंधित अधिकारी कर्मचारी को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। थानो के सीसीटीव्ही कैमरो को चेक किया गया। सीसीटीएनएस एवं आईसीजीएस पोर्टल के संबंध में दिशा निर्देश दिये गये। थाने के निरीक्षण के दौरान पेंडिंग अपराधो के जल्द निकाल करवाने, इनामी एवं फरारी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु भी थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया। थानो में लंबित शिकायतों के निकाल हेतु थाना प्रभारियो को समुचित निर्देश दिये गये। औचक निरीक्षण के दौरान एसडीओपी धनपुरी अभिनव मिश्रा, थाना प्रभारी सिंहपुर, अमलाई, बुढार एवं उनका थाना स्टाफ उपस्थित रहे।

खरगोन सांसद गजेंद्रसिंह पटेल भाजपा के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी नियुक्त

खरगोन। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व 2024 अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री व खरगोन सांसद गजेंद्रसिंह पटेल को राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी एवं प्रदेश इकाई के समन्वयक के रूप में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना का केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश भावसार ने बताया सांसद श्री पटेल को संगठन चुनाव में महत्वपूर्ण दायित्व दिए जाने पर खरगोन भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्रसिंह राठौर, जिला निर्वाचन अधिकारी देवीलाल धाकड़, जिला सह निर्वाचन अधिकारीद्वय रणजीतसिंह डंडीर, कल्याण अग्रवाल, खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार, महेश्वर विधायक राजकुमार मेव, बड़वाह विधायक सचिन बिरला, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य परसराम चौहान, धुलसिंह डावर, आत्माराम पटेल, दिनेश शर्मा, जितेंद्र पाटीदार, राजेंद्र यादव आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नड्डा सहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। इस उपलब्धि पर श्री पटेल ने भी आभार व्यक्त करते हुए कहा यह अवसर मुझे पार्टी के सिद्धांतों और आदर्शो के साथ और अधिक तत्परता से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

पानी की किल्लत दूर! तेंदूखेड़ा में अब हर घर पहुंच रहा नर्मदा जल

वार्ड में प्रतिदिन 1.5 एमएलडी के करीब की जा रही पानी सप्लाई

सत्ता सुधार ■ तेंदूखेड़ा

मध्यप्रदेश के दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लॉक में पानी की किल्लत दूर हो गई है। अब यहां नर्मदा जल पहुंच गया है। जबलपुर के लमेटा घाट से नर्मदा पेयजल योजना के तहत पानी पहुंचाया गया है। नर्मदा परियोजना के कारण अब लगभग हर घर नर्मदा जल पहुंच रहा है। गौरतलब है कि एशियन डेवलपमेंट बैंक की सहायता से संचालित नर्मदा पेयजल योजना को भेड़ाघाट के नाम से जाना जाता है। नर्मदा पेयजल योजना का भेड़ाघाट, पाटन, कंटगी, मझौली, पनागर, सिहोरा और दमोह जिले का तेंदूखेड़ा ब्लॉक के हर घर को लाभ मिलेगा। सातों निकायों में अगले कई वर्षो की जरूरत के अनुसार सप्लाई लाइन तैयार की गई है। क्षेत्रवार योजना का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। दरअसल, नगर परिषद तेंदूखेड़ा में इस समय नर्मदा जल योजना के तहत लगभग 95 फीसदी घरों में पानी पहुंचने लगा है। इससे वार्डवासियों को पानी की किल्लत से छुटकारा मिल गया है। अब पानी के लिए कुआं, बोर या अन्य जगह रहवासियों को कतार में नहीं लगना पड़ता है।

टैंकरों की सप्लाई बंद

लमेटा घाट पर बने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (31 एमएलडी) से पानी को फिल्टर करके जबलपुर के छह टाउन और दमोह जिले के तेंदूखेड़ा में पानी की सप्लाई सुचारू रूप से की जा रही है। योजना के संचालन से लोगों को इतना लाभ हुआ कि नगर में पानी के टैंकरों की सप्लाई बंद कर दी गई है।

दो टंकियां भी बन गईं

उल्लेखनीय है कि मप्र सरकार का लक्ष्य है कि हर घर नल से जल पहुंचाया जाएगा। यहां उक्त योजना का कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

योजना के सही संचालन से ब्लॉक में पानी के टैंकरों की सप्लाई बंद

इनका कहना है

तेंदूखेड़ा नगर परिषद के सभी वार्डों में निरंतर पानी की सप्लाई की जा रही है, जो थोड़े बहुत कार्य बचे हैं, उन्हें तेजी से पूरा कराया जा रहा है। जल्द ही शेष कार्य करा लिया जाएगा। काम में गुणवत्ता पर विशेष फोकस है। प्रोजेक्ट से जुड़े हर कर्मचारी इमानदार के साथ दिन-रात लगे हुए हैं।

अभिषेक गौतम, प्रोजेक्ट इंचार्ज

कॉर्मल कान्वेंट अमलाई स्कूल के बच्चों ने अंतरिक्ष से लेकर यातायात तक बच्चों ने बनाया प्रोजेक्ट

सत्ता सुधार ■ शहडोल/ अमलाई

कॉर्मल कान्वेंट स्कूल अमलाई की वाइस प्रिंसिपल सिस्टर एलिस एवं पी.आर.ओ विभा राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश सरकार हर स्कूलों के लिए बच्चों के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही है ! तो वही आज भी नन्हे मुन्ने बच्चों का दिमाग जमीनी स्तर से लेकर अंतरिक्ष यान तक पहुंच चुका है ! ऐसा ही शहडोल जिले की कॉर्मल कान्वेंट स्कूल अमलाई के बच्चों ने कर दिखाया जो गांव से लेकर शहर तक के विकास को अपने हाथों की कला से बनाया और दिखाया भी जिसने भी यह देखा वह दंग रह गए !

कही न कही बच्चों का दिमाग़ अब जमीनी स्तर से लेकर अंतरिक्ष यान तक पहुंच चूका है वही कार्मेल कान्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में हर 04 साल में आयोजित साइंस एग्जीबिशन का पुनः आयोजन किया गया था ! जहाँ स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाओं के दिशा निर्देश में इस कार्यक्रम की तैयारी बहुत ही उत्साह के साथ क्लास नर्सरी से लेकर बारहवीं तक के छात्र -छात्राओं ने किया था ! बच्चों के माता-पिता ने भी इसमें बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान दिया है उनके सहयोग से यह कार्यक्रम बहुत ही सुंदर तरीके से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया ! कक्षा नर्सरी और के.जी. वन के बच्चों ने जंगल बुक और जंगल के लाइफ को दिखलाया। जुरासिक पार्क को के.जी. टू ने दिखाया है। कक्षा प्रथम व द्वितीय ने स्नो वर्ल्ड को दिखाया है। तीसरी से पांचवी तक कक्षा के बच्चों ने प्लैनेटेरियम हिंदी साहित्य साइंस कॉर्नर एवं आर्ट का भी प्रदर्शन किया ! 06 से 12 तक के बच्चों ने विषय को चुनकर अपनी बेहतरीन बुद्धिमता का परिचय दिया है जिसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के प्रोजेक्ट्स बिल्कुल नवीनता लिए हुए हमारे जूनियर वैज्ञानिक सामने आए हैं ! समाज विज्ञान से हिटलर का गैस चैंबर बार्टर सिस्टम इकोनॉमिक्स में तथा मुद्रा का डेवलपमेंट को बहुत ही बेहतरीन तरीके से बच्चों ने दिखलाया ! मनमोह लेने वाला योगा कॉर्नर और हिंदी साहित्य का इतिहास जहां मिडिल क्षेत्र के बच्चों ने एवं हाई स्कूल के बच्चों ने अपने प्रतिभा का परिचय दिया !

भारत कॉर्नर में विभिन्न खेलों का परिचय एवं म्यूजिक कॉर्नर में अपने प्रतिभा का परिचय देते हुए बच्चों ने गाने का आयोजन किया और जिन्हें गाने में रुचि है उन्होंने भी वहां गाना गाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। हिंदी मीडियम जो विद्यालय द्वारा संचालित है उसमें भी मिडिल स्कूल के बच्चों ने अपने प्रतिभा का परिचय दिया है, कि वे आने वाले भविष्य के निर्माता है जो भारत का भविष्य निश्चित करेंगे ! विद्यालय की मैनेजर सिस्टर जैस्मीन, प्रिंसिपल सिस्टर एन्सी एवं समस्त स्टाफ ने बच्चों की सफलता पर उन्हें बधाईयां दी और बच्चों के माता पिता की सराहना की !

पोरवाड़ सामाजिक मंच का पोरवाड़ी आनंदोत्सव 15 दिसंबर को मंडलेश्वर में होगा आयोजित

सत्ता सुधार ■ खंडवा

समाज के प्रत्येक वर्ग उत्थान के लिए सदैव अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय पोरवाड़ सामाजिक जैन मंच खंडवा जोन के सचिव मनीष जैन ने बताया की प्रतिवर्ष अनुसार आयोजित होने वाले मंच के पोरवाड़ी आनंदोत्सव 2024 का आयोजन मंडलेश्वर में 15 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा जिसको सफल बनाने के लिये खंडवा जोन कार्यकरिणी सदस्यों द्वारा *लकी ड्रॉ कूपन* का वितरण किया गया और साथ ही सभी से कार्यक्रम में साथ चलने का निवेदन किया गया। समाज के प्रचारमंत्री सुनील जैन ने बताया कि सम्मेलन में बचपन से लेकर हर वर्ग के लिए अलग-अलग गतिविधियों के साथ विशेष अतिथियों एवं समाज के रत्नों का सम्मान, साथ ही स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल, व्यवसायिक स्टॉल लगाए जायेंगे। मनोरंजन के लिए म्यूजिकल तंबोला एवं रात्रि में सभी जोनो के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। साथ ही लक्की ड्रॉ भी निकाले जाएगें।

स्कंदमाता का पूजा पाठ घर में करने से होगा नन्हे मेहमान का आगमन : पं. श्रीहरि

दमोह। स्थानीय शिव शनि हनुमान मंदिर एस.पी.एम. नगर में 20 नवम्बर 2024 से 28 नवम्बर 2024 तक नव दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा पुराण एवं गौतम परिवार द्वारा आयोजित इस आयोजन में हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध कथा वाचक श्री हरि जी महाराज के मुखारविंद से कथा की जा रही हैं। हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध कथा वाचक श्री हरि जी महाराज के मुखारविंद से कथा की जा रही हैं। नव दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा के पंचम दिवस कि कथा में स्कंदमाता की पूजा पाठ, करने से घर में नन्हे मेहमान का आगमन होता हैं। नव देवी की अलग-अलग दिन मां दुर्गा के 9 रूपों को समर्पित है। पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा-अर्चना करना चाहिए, स्कंदमाता की चार भुजाएं हैं, इनकी दाहिनी ओर की ऊपर वाली भुजा में भगवान स्कंद गोद में हैं और दाहिनी तरफ की नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है। बाईं ओर की ऊपरी भुजा वरमुद्रा में और नीचे वाली भुजा में कमल हैं। स्कंदमाता की पूजा अर्चना जो नही करता हैं, उस साधक को शुभ फल की प्राप्ति नहीं होती है, स्कंदमाता संतान सुख देने बाली हैं।

कार्यवाई लंबित जनप्रतिनिधियों की इच्छा शक्ति की आवश्यकता है खंडवा की बटालियन को: जैन

खंडवा । जिला खण्डवा की अति संवेदनशीलता सर्वविदित है, खण्डवा शहर की साम्प्रदायिक पृष्ठभूमि के कारण प्रायः कानून-व्यवस्था की स्थिति निर्मित होती रहती है, जिला खण्डवा में द्वादश ज्योर्तिलिंगों में से एक ÷ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग÷ की वृहद धार्मिक मान्यता एवं पावन नर्मदा के तट पर स्थित होने से अनेक अवसरों पर कानून-व्यवस्था संबंधी ड्यूटी एवं व्ही.आई.पी. ड्यूटियां प्रत्येक वर्ष के लगभग एकचौथाई कार्य दिवसों में न्यूनतम रूप से जारी रहती है, जिनमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ आकर स्नान, दर्शन करती है, महाकाल लोक बनने के पश्चात ओंकारेश्वर में श्रद्धालुओं की संख्या में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है, समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि कहीं ऐसे बिंदु है जिसको लेकर जिला मुख्यालय खंडवा में एस ए एफ वाहिनी बटालियन की अति आवश्यकता है, इसके अतिरिक्त ओंकारेश्वर में अभ्यारण प्रस्तावित है।

मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को दिया पौष्टिक आहार

सत्ता सुधार ■ खरगोन

जिले के सनावद सिविल अस्पताल में प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत पोस्टिक आहार माह में दो दिवस दिया जाता है। आज भी सिविल अस्पताल में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुनीता बिरला ने डॉक्टर हंसा पाटीदार के साथ गर्भवती महिलाओं को पोहे परोसें।

डा हंसा पाटीदार ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार की बहुत जरूरत होती है वह खानपान में कोटा ही करती हैं इसलिए प्रधानमंत्री मातृ तो सुरक्षा योजना के तहत प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को सिविल अस्पताल में पौष्टिक आहार परोसा जाता है इस आहार को देखकर महिलाएं अपनी डाइटिंग में आहार को शामिल करें जिससे कि महिला और होने वाले बच्चे का स्वास्थ्य अच्छा रहे एवं प्रसूति के समय कमजोरी के कारण होने वाली परेशानियों से बचा जा सके। पौष्टिक आहार के कारण शिशु मृत्यु दर में भी कमी आई है वही महिलाओं को ब्लड प्रेशर और पानी की कमी की समस्या भी दूर हुई है। नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता बिरला ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार परोसने का बड़ा सुखद अनुभव हुआ है लगभग 25 से 30 महिलाएं सिविल अस्पताल आई थी मैं 10 महिलाओं को पौष्टिक आहार परोसा है।

बेटियों की सुरक्षा और सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव पर बेटियों को दी जानकारी

सत्ता सुधार ■ खरगोन

हिंदू संस्कृति एवं संस्कार संस्था खरगोन की महिलाओं ने दिनांक 23 नवंबर 2024 रविवार को शाम 5:00 बजे खरगोन शहर के पोस्ट मैट्रिक पिछड़ा वर्ग छात्रावास एवं शासकीय आदिवासी कन्या अंग्रेजी आश्रम की बेटियों को लव जिहाद, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर रिल्स नहीं बनाना, सोशल मीडिया पर फोटो नहीं डालने जैसे बहुत सारे विषयों पर चर्चा करने हेतु बैठक आयोजित की व बेटियों को ऐसे विषय पर सावधान रहने हेतु बहुत सारी जानकारियां प्रदान की।

कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती देवी की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात संस्था की महिला प्रमुख लवीना शर्मा ने बालिकाओं को कहां की आप छात्रावास में माता-पिता और परिवार से अलग रहती हो इसलिए आपको अपनी सुरक्षा स्वयं करनी होगी। हर परिस्थितियों से निपटने के लिए आप लोगों को तैयार रहना होगा। अपने मोबाइल पर 112 नंबर पुलिस अधीक्षक का नंबर थाना प्रभारी का नंबर सभी नंबर सेव करके रखना होंगे और विषम परिस्थितियों में उसका उपयोग करना होगा यदि कोई व्यक्ति आपका पीछा करता है या मोबाइल पर परेशान करता है तो उसकी जानकारी आपको पुलिस को देना चाहिए या अपने माता-पिता से शेयर करना चाहिए हम लोग लड़ाई झगड़े के डर से घरवालों को यह बात बताते नहीं है और फिर बात बहुत ज्यादा आगे बढ़ जाती है। संस्था की साक्षी पाराशर एवं कीर्ति जैन ने भी बच्चियों को समझाते हुए कहा कि फेसबुक, इंस्टाग्राम पर अपने फोटो शेयर नहीं करना चाहिए। इंस्टाग्राम पर रिल्स वगैरह बनाना भी गलत है। इस अवसर पर हिंदू संस्कृति एवं संस्कार संस्था की दीपिका गुप्ता, पूजा जैन कविता गुप्ता, पूजा चौहान, प्रिया गुप्ता शाहिद बहुत सारी महिलाएं उपस्थित थी।

बजरंग दल जिला खंडवा द्वारा आयोजित किया गया त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम

खण्डवा। विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल जिला इकाई द्वारा खालवा प्रखंड और पंधाना प्रखंड में त्रिशूल दीक्षा का कार्यक्रम आयोजित किया गया।।जिसमे विभाग संगठन मंत्री श्री वासुदेव जी पांड्या द्वारा बजरंगियों का मार्गदर्शन किया गया, जिसमें उन्होंने बताया कि हमारे देवी , देवताओं के पास भी शास्त्र, और शस्त्र हैं, हमारे पूर्वजों द्वारा भी धर्म, देश , ओर समाज की रक्षा के लिए, शस्त्र के माध्यम से ही रक्षा की, भगवान श्रीराम, और भगवान श्री कृष्ण भी यही संदेश दिया है, कि धर्म की रक्षा के लिए, शस्त्र का होना आवश्यक है।

भूमिपूजन

पार्षद एवं क्षेत्र वासियों की उपस्थिति में लाखों रुपए के विकास कार्यों का महापौर ने किया भूमि पूजन

प्रत्येक वार्ड में लाखों रुपए के किया जा रहे हैं विकास कार्य: महापौर

सत्ता सुधार ■ खंडवा

नगर निगम की भाजपा परिषद द्वारा शहर के प्रत्येक वार्डों में करोड रुपए की लागत से विकास एवं निर्माण कार्य पार्षदों की अनुशंसा एवं महापौर अमृता अमर यादव के निर्देश पर किये जा रहे हैं, बिना भेदभाव के समस्त वार्डों में पार्षदों की अनुशंसा पर प्रत्येक वार्ड में लाखों रुपए के विकास कार्य चल रहे हैं और कई कार्यो का भूमि पूजन कार्यक्रम चल रहा है।

समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि रविवार को महापौर अमृता अमर यादव एवं परिषद अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा के साथ ही वार्ड पार्षद के द्वारा पंडितों के मंत्रोच्चार के साथ कई विकास कार्यो के भूमि पूजन किए गए, रंजीत वार्ड में पार्षद वेद प्रकाश मालाकार की अनुशंसा पर 18 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सीसी रोड का भूमि पूजन किया गया वही सुरजकुंड वार्ड के टैगोर पार्क में पार्षद संतोष सारवान के अनुशंसा पर शहर के सुंदर शहर के सुंदर टैगोर पार्क में 15 लख रुपए की लागत से पेवर ब्लॉक एवं अंबेडकर वार्ड में पार्षद मीना ओम सिलावट की अनुशंसा पर क्रॉसिंग, नाली एवं सीसी रोड के साथ ही विशाल नगर बगीचे में बाउंड्री वॉल हेतु 25 लाख रुपए की लागत के निर्माण कार्यो का भूमि पूजन महापौर अमृता अमर यादव द्वारा किया गया, कार्यक्रमों में भूमि पूजन के अवसर पर महापौर अमृता अमर यादव ने क्षेत्र वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, हमारा प्रयास है कि हमारा शहर विकसित हो इस हेतु पार्षदों की अनुशंसा पर वार्डो में विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जा रहे हैं, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां देश को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव प्रदेश को विकास के माध्यम से विकसित कर रहे हैं, वहीं जिला मुख्यालय खंडवा को हम पार्षदों के साथ मिलकर विकसित कर रहे हैं, झूठे वादे हम नहीं करते जो कहते हैं वह करके दिखाते हैं, महापौर अमृता यादव ने कहा कि महिला पुरुष में समानता लाने के लिए लगातार हमारी सरकार महिलाओं के लिए कार्य कर रही है, 50त्न आरक्षण की भागीदारी से महिलाओं को भी कार्य करने का मौका मिल रहा है, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत सभी बेटियों को निशुल्क शिक्षा के माध्यम से शिक्षित किया जा रहा है, गरीब कन्याओं के विवाह में प्रदेश की सरकार सहयोग प्रदान कर रही है, प्रधानमंत्री श्री मोदी जी द्वारा आवास योजना के माध्यम से प्रत्येक गरीब को मकान बनवा कर दिए जा रहे है, शहर में पेयजल के संकट को दूर करने के लिए अमृत योजना अंतर्गत नई पाइपलाइन डालने का कार्य चल रहा है, नई टंकियां का निर्माण कार्य भी किया जा रहा है।

वैवाहिक कार्यक्रम में खंडवा पहुंचे मंत्री राकेश सिंह का भाजपा जनों ने किया स्वागत

सत्ता सुधार ■ खंडवा

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, जबलपुर से लगातार चार बार सांसद, वर्तमान में जबलपुर पश्चिम से विधायक बनकर डॉक्टर मोहन यादव के मंत्रिमंडल में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह खंडवा पहुंचे, प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि रविवार को प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने खंडवा पहुंचे, मंत्री राकेश सिंह का खंडवा आगमन पर पार्टी के जिलाध्यक्ष सेवादास पटेल, खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे, महापौर अमृता अमर यादव, जिला महामंत्री अरुण सिंह मुन्ना, राजेश तिवारी, हरीश कोटवाले, धर्मेंद्र बजाज, दिनेश पालीवाल, सुनील जैन, संदेश गुप्ता, महेश चौधरी, श्रृंगी उपाध्याय, सचिन तायडे, हरदीप सिंह छाबड़ा, विशाल छाबड़ा व अन्य कार्यकर्ताओं ने मुलाकात कर स्वागत अभिनंदन किया।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि लायेगा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे

सत्ता सुधार संवाददाता आगरा

किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए सड़के रीढ़ का काम करती है। सड़कों के निर्माण होने से सम्बन्धित क्षेत्र का विकास बड़ी तेजी के साथ होता है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र उत्तर प्रदेश का ऐसा क्षेत्र रहा है, जहाँ त्वरित आवागमन का अभाव रहा है। पथरीला क्षेत्र होने के कारण क्षेत्र वासियों को कई तरह की कठिनाई आती थी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बुन्देलखण्ड के विकास के लिए विशेष पैकेज दिये और इस क्षेत्र में सिंचाई के लिए जहाँ बाधों, नलकूपों व तालाबों का निर्माण कराया है. वहीं पेयजल परियोजनायें पूर्ण कर ग्रामवासियों को जल आपूर्ति की जा रही है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र के सवार्गीण विकास के लिए प्रदेश सरकार द्वारा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराना प्रदेश सरकार द्वारा बुन्देलखण्ड वासियों को बहुत बड़ा तोहफा दिया गया है, जिसे उस क्षेत्र की आने वाली पीढ़ी सदैव याद रखेगी। यह एक्सप्रेस-वे बुन्देलखण्ड के जनपद चित्रकूट, बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन से गुजरते हुए औरैया व जनपद इटावा में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे में जुड़ जाता है।

बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे विकास का पहिया :- प्रदेश सरकार बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विकास के लिए कृत संकल्पित है। बुन्देलखण्ड वासियों की हर क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि और विकास करना सरकार का ध्येय है। इस क्षेत्र के विकास के लिए जितना ध्यान वर्तमान सरकार ने दिया है. उत्तना पूर्व में किसी ने नही दिया। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण का शुभारम्भ एवं लोकार्पण भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया। यह एक्सप्रेस-वे 296 किमी लम्बा है। यह जनपद चित्रकूट बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरेया होते हुए इटावा जनपद में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे में मिलता है। अभी यह फोर लेन का होगा जिसे आगे चलकर 6 लेन भी बनाया जायेगा। इसमें चार रेलवे ओवर ब्रिज, 14 बडेपुल, सात रैम्प प्लाजा, 268 छोटेपुल, 18 फ्लाई ओवर और 214 अन्डरपास बनें है। इस एक्सप्रेस-वे को समयान्तर्गत पूर्ण कर लिया गया है। इस एक्सप्रेस वे के बनने से बुन्देलखण्ड के 138 ग्राम और औरेया व इटावा के 44 ग्रामों का सीधा जुड़ाव हो गया है। किसानों का हो रहा है फायदा :- बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के बनने से बुन्देलखण्ड क्षेत्र के किसानों को लाभ मिल रहा है। किसानों को उनकी उपज की फसलें मण्डियों तक पहुँचाने में शीघ्रता हो रही है। स्थानीय फसल, फल, फूल, सब्जियों, दूध आदि जल्द खराब होने वाली फसलों को बाजारों, मण्डियों तक पहुँचने में शीघ्रता और ताजी होने पर सही मूल्य भी मिल रहा है। यदि किसान अपनी उपज को बाहर की मण्डियों, शहरों में बेचना चाहेगा तो उसका भी उसे फायदा मिलेगा। किसानों को खेती किसानी करने के लिए आवश्यक बीज, खाद आदि भी समय से मिलते रहेगें। किसानों को उनकी फसल का वाजिब मूल्य मिलने से उनकी आय में बढ़ोत्तरी हो रही है।

पर्यटन को बढ़ावा :- सांस्कृतिक धरोहर को संजोये हुए बुन्देलखण्ड अपनी एकता और आपसी भाई चारे के लिए जाना जाता है। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से बुन्देलखण्ड समृद्ध है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के बनने से पर्यटकों को देखने के लिए झाँसी का किला, ओरछा का किला, चतुर्भुज का मन्दिर, जहाँगीर महल, ओरछा वन्य जीव अभ्यारण, मध्य प्रदेश में पड़ने वाला खजुराहो आदि नजदीक पड़ते है। कालिजर का किला, चित्रकूट धाम, भरतकूप, राजापुर, कालपी, महोबा, उरई, बटेश्वर आदि ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों को देखने, दर्शन करने के लिए पर्यटक आकर्षित होगें। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से बुन्देलखण्ड पर्यटन का हब बन रहा है। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से स्थानीय लोककला, लोकसंस्कृति, स्थानीय निर्मित वस्तुएं दस्तकारी आदि को बढ़ावा मिलेगा और लोगों की आर्थिक प्रगति के साथ ही रोजगार भी मिलेंगे।

स्थानीय उत्पाद एवं रोजगार को मिलेगा बढ़ावा :- बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण से स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलना शुरू हो गया है। आवागमन की अच्छी सुविधा होने पर क्षेत्रीय युवकों को स्वरोजगार के साथ-साथ स्थानीय हस्तकला, दस्तकारी, लोककला, पत्थर की मूर्तियों व खनन सामग्री आदि को बढ़ावा मिले रहा है। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से स्थानीय लोग सड़कों के किनारे विभिन्न तरह के खान-पान के लिए दुकानें, रेस्टोरेंट, होटल, ढाबा, वाहन मरम्मत, इलेक्ट्रानिक्स सामानों, स्थानीय खाद्य वस्तुओं, कृषि उपज, स्थानीय लोककला के बर्तन-वस्त्र आदि बेचने की दुकानें खोलकर अपना धन्धा शुरू कर रहे हैं। उन्हें भविष्य में अच्छा लाभ होगा। लोगों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही एक्सप्रेस-वे के किनारे एवं औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित उद्योगों, फैक्टरियों आदि में भी कुशल, अकुशल श्रमिकों, तकनीशियनों, प्राविधिक शिक्षा प्राप्त युवाओं/युवतियों को नौकरियों मिलेंगी। इससे लोगों को विभिन्न प्रकार के रोजगार का सृजन होगा।

ईंधन की कम खपत व प्रदूषण में कमी :- बुन्देलखंड एक्सप्रेस के बनने से वाहनों की गति में तेजी आ रही है और वाहन घूमकर ज्यादा रास्ता तय कर अपनी मंजिल पर पहुँचने के बजाय एक्सप्रेस-वे से उनकी मंजिल कम हो रही है और शीघ्र ही अपने गन्तव्य तक पहुँच रहे है। इससे वाहनों के ईधन में कमी आ रही है और वाहनों के ईधन में कमी से पैसा भी बच रहा है। अच्छी और गुणवत्तायुक्त सड़क से चलने पर ईधन की खपत कम होती है। ज्यादा दूरी तक वाहन चलाने व जाम की समस्या होने पर वाहनों से ज्यादा धुआ निकलता है. इससे प्रदूषण बढ़ता है। किन्तु एक्सप्रेस-वे से कहीं जाम व गति में धीमापन न होने से प्रदूषण कम होगा। साथ ही सड़क किनारे वृक्षारोपण भी हो रहा है। इससे प्रदूषण और कम होगा।

डा. यशपाल बसपा पार्षद दल के नये नेता

आगरा : नगर निगम सदन में सत्ता पक्ष भाजपा के खिलाफ बसपा की ओर से अब डा. यशपाल सिंह मोर्चा संभालेंगे। वार्ड नंबर 32 नाई की सराय, टेढ़ी बगिया के बसपा पार्षद डा. यशपाल सिंह को बसपा के पार्षद दल का नेता नियुक्त किया गया है। नगर निगम सदन में बसपा पार्षद दल का नेता विपक्ष के नेता की भूमिका में होता है क्योंकि भाजपा के बाद बसपा सदन में नंबर दो की पार्टी है। अब डा. यशपाल सिंह के कंधों पर पार्टी के पार्षदों को दिशा देने का दायित्व आ गया है। बसपा के जिलाध्यक्ष विमल कुमार वर्मा ने बताया कि पार्टी सुप्रीमो मायावती, मंडल प्रभारी शमसुद्दीन राइन, विजेंद्र सिंह विक्रम, हेमंत प्रताप सिंह, पूर्व सांसद गिरीश चंद जाटव, पूर्व एमएलसी प्रताप सिंह बघेल, दारा सिंह आजाद, नरेश कुमार, दीपक कुशवाह, संजय गुर्जर और नेमिचंद चौधरी आदि वरिष्ठ नेताओं से परामर्श के बाद डा. यशपाल सिंह को बसपा पार्षद दल के नेता पद का दायित्व सौंपा गया है।

6 महीने बीत जाने के बाद भी पंचायत विभाग स्कूलों में मुहैया नहीं करा पाए ब्रेंच

फि रोजाबाद : आदेश लैटर के बाद भी स्कूलों में आदेश के हिसाब से नहीं पहुंची स्कूली ब्रेंच प्रधान और सचिव ने स्कूलों में जरूरत के हिसाब से कम ब्रेंच उपलब्ध कराई स्कूल में बच्चे जमीन पर बैठ कर रहे हैं पढ़ाई जिस गुणवत्ता का निकाला पैसा वैसी गुणवत्ता की नहीं है ब्रेंच,स्कूल में उपलब्ध ब्रेन्च कुछ ही महीनों में लगी टूटनेब्लॉक नारखी के ग्राम पंचायत डोरी स्कूल का मामला ।

दरोगा का तस्कर बेटा 17 बंदूकों के साथ पकड़ा

मेरठ : यूपी पुलिस के दरोगा का बेटा हथियार तस्कर निकला। ने आरोपी रोहन को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 17 बंदूकें और 700 कारतूस मिले हैं। रोहन हथियार सप्लाई का एक गैंग चला रहा था। यह गैंग अङ-47 तक की सप्लाई कर चुका है।गैंग के बाकी सदस्यों की तलाश में रळ्ऋकी टीम जुटी हुई है। रळ्ऋकी टीम रोहन से पूछताछ कर रही है कि वह अब तक कहां-कहां हथियारों की सप्लाई कर चुका है। रोहन के पिता राकेश सिंह यूपी पुलिस में दरोगा हैं। इन दिनों उनकी तैनाती मथुरा में है। रोहन ने पोस्ट ग्रेजुएशन किया। उसने दरोगा परीक्षा की भी तैयारी की, लेकिन पास नहीं कर पाया। इसके बाद वह ठेकेदारी करने लगा। इसी दौरान उसकी मुलाकात हथियार तस्कर अनिल बालियान से हुई। ज्यादा पैसा कमाने के लालच में वह हथियारों की तस्करी का काम करने लगा। रोहन ग्राहकों को खोजता था, उनका नेटवर्क तैयार करता था। सौदा तय होने के बाद वह हथियार सप्लाई कर देता था।

टूंडला में टक्कर के बाद बस के नीचे घुसी बाइक, दो घायल

टूंडला : आगरा-फिरोजाबाद हाईवे पर टूंडला क्षेत्र में एफएच पुलिस चौकी के निकट आज दोपहर हुए एक सड़क हादसे में बस ने बाइक को रौंद दिया। बाइक बस के नीचे जा घुसी। हादसे में बाइक सवार दो लोग घायल हुए हैं, जिनों अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे की वजह से हाईवे पर लम्बा जाम लग गया।टूंडला में हाईवे पर टकर के बाद बस के नीचे घुसी बाइक। यह हादसा हाईवे पर महादेव कट पर हुआ। हाईवे पर जा रही एक बाइक को पीछे से आती बस ने टक्कर मारी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बाइक बस के नीचे आ गई। इस हादसे में बाइक सवार एक वयक्ति व्यक्ति को गंभीर चोट आई है जबकि दूसरे को मामूली चोटें हैं। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जुट गई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे की वजह से हाईवे पर जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस और लोगों ने बाइक को बस के नीचे से निकाला। पुलिस ने टकर मारने वाली बस को साइड में खड़ी कराकर ट्रैफिक को सुचारू कराया।

लखनऊ विवि और पुलिस ने पिंक स्कूटी रैली निकाल दिया महिला सुरक्षा का संदेश

लखनऊ । योगी सरकार प्रदेशभर में महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर विभिन्न कार्यक्रम चला रही है। सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेशभर में लगातार मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्राओं और लखनऊ पुलिस की ओर से पिंक स्कूटी रैली निकाली गयी। रैली के माध्यम से प्रदेशभर में महिला सुरक्षा के प्रति जागरुकता फैलाने का संदेश दिया गया। रैली को वीसी और मिशन शक्ति नोडल अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में 250 से अधिक पिंक स्कूटी शामिल हुई। लखनऊ विश्वविद्यालय के वीसी आलोक राय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्थापक दिवस पर मिशन शक्ति फेज-5 के तहत विवि के गेट नंबर 3 से लखनऊ पुलिस के सहयोग से 250 से अधिक पिंक स्कूटी रैली को रवाना किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में बेटियां और महिला आरक्षी शामिल हुई। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेशभर में महिला सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाना है। विवि मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के ह्यमिशन शक्तिह्न अभियान से आज प्रदेश की महिलाएं स्वयं को सशक्त और सुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने बताया कि रैली को सुबह 9 बजे रवाना किया गया, जो हनुमान सेतु स्थित हनुमान मंदिर, हजरतगंज चौराहा, गवर्नर हाउस, लोरेटो चौराहा होते हुए 1090 चौराहे पर 10रू30 बजे समाप्त हुई। वीसी ने कहा कि पिंक स्कूटी रैली मिशन शक्ति अभियान का हिस्सा है, जो महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। वीसी ने महिला सशक्तिकरण के लिए शैक्षणिक संस्थानों, पुलिस विभाग और समुदाय के बीच सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। मिशन शक्ति पिंक स्कूटी रैली में बड़ी संख्या में छात्रों, डीन, विभागाध्यक्षों और संकाय सदस्यों ने बाइक और कार से भाग लिया। महिला पुलिसकर्मियों ने पिंक स्कूटी और एसयूवी पर भागीदारी निभायी। सभी ने मिलकर जागरूकता बढ़ाने और मिशन शक्ति के उद्देश्यों को सशक्त करने का संदेश दिया। प्रो-वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना ने शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जो महिलाओं के अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरुकता फैलाने पर आधारित रहा। विवि की मिशन शक्ति नोडल अधिकारी डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर से बाहर निकलकर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। साथ ही लखनऊ पुलिस के साथ मिलकर यह संदेश फैला रहा है कि मिशन शक्ति आंदोलन को आगे ले जाने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। यह रैली भी उसी का हिस्सा है।

कृपालु महाराज की बड़ी बेटी का यमुना एक्सप्रेस वे पर एक्सीडेंट में निधन

नोएडा :आज सुबह आगरा से नोएडा की तरफ जाने वाले रास्ते पर थाना दनकौर क्षेत्र में यमुना एक सप्रे स वे पर 8 किमी के बोर्ड के पास कैंटर ने दो कार इनोवा हाय क्रास व टोयटा केमरी को पीछे से टकर मार दी। गया। एक्सीडेंट जिसमें आठ लोग घायल हो गए, जिसमें से जगदुरु कृपालु महाराज की बड़ी पुत्री ८. विशाखा त्रिपाठी का उपचार के दौरान निधन होभक्ति धाम मनगढ़ कुंडा व प्रेम मंदिर वृंदावन के संस्थापक जगदुरू कृपालु जी महाराज जी की तीनों बेटियां सिंगापुर की फ्लाइट पकड़ने के लिए आज सुबह वृंदावन से यमुना एक्सप्रेस से होते हुए दिल्ली जा रहीं थी। रास्ते में भयानक एक्सीडेंट हो गया। तीनों बेटियां सिंगापुर जाने के लिए निकली थी और उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट जाना था। उनकी कार और साथ ही एक और कार में डंपर ने टक्कर मार दी। सभी घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया। हादसे में कृपालु महाराज की बड़ी बेटी 65 साल की डॉ. विशाखा त्रिपाठी का निधन हो गया। जबकि दो छोटी बेटियों डॉ. श्यामा त्रिपाठी व डॉ. कृष्णा त्रिपाठी की हालत गंभीर बताई जाती जा रही है। सभी घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घायलों को एंबुलेंस द्वारा अस्पताल भेजा गया। घायल व उनके साथी एक समूह में वृंदावन की यात्रा करके वृंदावन से दिल्ली जा रहे थे। घायलों में हंसा पटेल व कंचन पटेल निवासीगण कुंडा प्रतापगढ़, गरिमा गुप्ता निवासी दिल्ली, संजय मलिक व दीपक भरेजा निवासी द्वारिका दिल्ली, पालु महाराज की दोनों बेटियां श्यामा त्रिपाठी निवासी सेक्टर 10 द्वाराका नई दिल्ली और कृष्ण त्रिपाठी निवासी सेक्टर 10 नई दिल्ली शामिल हैं।

यूपी उपचुनाव की जीत पर एसपी सिंह का चौंकाने वाला बयान !

क्योंकि मैंने पहले ही आपका इंट्रोडक्शन दिया एक साधु से एक कथावाचक से एक सनातन के प्रवक्ता से एक सनातन बोर्ड के पहरो का से हमने थोड़ी देर पहले बात की अब सत्ता में उपस्थित केंद्रीय मंत्री हैं आप एसपी सिंह बघेल नाम है आपका सभी बहुत प्रेम देते हैं प्रेम का कारण है आपकी बेबाकी क्योंकि जब सवाल होते हैं तो बेबाकी से जब जवाब आ तो आनंद आता है लोग सुनते हैं तो बहुत जोरदार तालियों के साथ स्वागत कीजिए एसपी सिंह बघेल जी का क्योंकि बात मैं कंटिन्यू करूंगा यह जवाब सुनक गुरुजी यहां से प्रस्थान करेंगे आपको कानपुर जाना है और तीन बजे कथा करनी जो अभी नहीं हो पाएगी चा साढ़े बज जाएंगे आपको आराम से ला कर ऑनलाइन कर ऑप्शन है सर आपसे सवाल है क्योंकि लगातार चारों तरफ पूरे देश मेंही बात हो रही कि हिंदू एक हो जाओ हिंदू एक रहेगा तो कुछ होगा बटो ग नहीं तो कटो ग तो यह कहां से अचानक आ गया सब कुछ तो ठीक चल रहा है आप सरकारों पर आरोप लगाते थे कि यूपीए सरकार कहीं ना कहीं हिंदू को उपेक्षित करती है अब तो पिछले 15 साल हो जाएंगे मतलब 12 साल तो हो ही गए हैं 11 साल हो गए हैं 11 साल से आपकी सरकार है भाजपा की सरकार है साधु आपको मानता है आपकी प्रवृति को समझता है आप उनकी प्रवृति को समझते हैं तो ये नारे अचानक कहां से आ गए कि कटो तो बटो या हिंदू एक हो जाओ कहां जरूरत पड़ रही है हिंदू राष्ट्र है भाई हिंदू राष्ट्र कहां है यह कहा है बहुत लोगों ने कहा है अयोध्या में मैं आपको बताता हूं मैंने क्यों कहा ये देखिए राजनीति जो है ये अल्पकालीन धर्म है मेरा धर्म यह भी है कि मैं विकास करूं लेकिन धर्म है यह दीर्घकालीन राजनीति है और जो आप सनातन वाली बात कर रहे हैं घर में जब दो भाइयों में बंटवारा होता है तो भी कट जाते हैं वह आर्थिक रूप से जो महिलाएं शादी होती ही सोचती हैं कि मेरा पति कमा रहा है बाकी लोग खा रहे हैं न्यारी होती है जैसे गांव में कहते हैं तो इससे आर्थिक विकास उनका रुकता है मुख्यमंत्री केवल मुख्यमंत्री नहीं है वो गार्जियन भी है राज्य के अभिभावक भी है तो उनको इस प्रकार के दिशा निर्देश भी देने जरूरी थे और जिसको पूरे देश ने स्वीकार किया केवल उत्तर प्रदेश ने क्योंकि 800 साल गुलामी रही है वो थोड़ी थोड़ी डीएनए में आ गई है इसलिए यह पुनर्जागरण वाला काम आपने पांचवी में या आठवी में या हाई स्कूल या इंटर के बोर्ड में कहीं पर भी महाभारत है सिलेबस में रामायण है क्या रामचरित मानस है क्या गीता जी है कोर्स में वेद कोर्स में है क्या तो रामायण महाभारत गीता उपनिषद रचाए यह हमारे पाठ्यक्रम में नहीं है शुरू में पाठ्यक्रम किसने बनाया देश की आजादी के साथ कांग्रेस को सरकार मिली और नेहरू जी पहले प्रधानमंत्री बने तो नेहरू जी पर पश्चिमीकरण का पूरा प्रभाव था और मुस्लिम तुष्टीकरण का भी और कश्मीर में पैदा होने की वजह से जिस वातावरण में वो पड़े हुए हैं उन पर उसका इंपैक्ट र अगर यह हमारे शंकराचार्य आचार धमार्चार्य ये ना हो तो जो सिलेबस में होता है वह एग्जाम में पास होने के लिए पढ़ना मैंडेटरी होता है और जो सिलेबस में नहीं होता वो ऑब्लिगेटरी होता है बहुत तेजी के साथ पश्चिम की सभ्यता इतनी आ गई है कि हमारे बच्चे मिक्की माउस जानते हैं टॉम जेरी को जानते हैं

ठाकुर जयवीर सिंह दुधवा महोत्सव का आज करेंगे शुभारम्भ

फिरोजाबाद : उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में 'दुधवा महोत्सव 2024' का आयोजन किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एव संस्क ति मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह बतौर मुख्य अतिथि आज दुधवा नेशनल पार्क में महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। पर्यटन विभाग के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव में कई कार्यक्रम होंगे। इसी दिन से दुधवा आने वाले सैलानियों के लिए हवाई सेवा की शुरूआत भी होगी।उक्त कार्यक्रम में वन मंत्री अरुण सक्सेना के साथ-साथ वन विभाग और पर्यटन विभाग के उच्च अधिकारियों की भी उपस्थिति रहेगी। दरअसल, दुधवा नेशनल पार्क सैलानियों को खासा आकर्षित करता है। जैव विविधता वाले देश के चुनिंदा पर्यटन स्थलों में एक दुधवा सैलानियों की पहली पसंद रही है। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डे से एक विमान 25 नवम्बर को पलिया हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरेगा। दोनों मंत्री एक संयुक्त प्रेस वार्ता को भी संबोधित करेंगे। फिर, दुधवा महोत्सव में शामिल होंगे। लखनऊ से दुधवा के लिए हेली सर्विस का आनंद लेने के इच्छुक प्रति सैलानी के लिए किराया करीब पांच हजार रुपए निर्धारित किया गया है। इस दौरान, उ.प्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा आयोजित नेचर गाइड ट्रेनिंग प्रोग्राम के मेधावियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया जाएगा। दुधवा नेशनल पार्क पर आधारित एक वीडियो फिल्म का प्रसारण भी होगा। तत्पश्चात, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। अपने उद्बोधन के बाद पर्यटन मंत्री टाइगर सफारी के लिए प्रस्थान करेंगे। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा, दुधवा महोत्सव 2024 राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने का एक बड़ा अवसर है। इस महोत्सव के जरिए उत्तर प्रदेश के समृद्ध प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है। यह आयोजन दुधवा नेशनल पार्क में होगा, जहां जैव विविधता और पर्यटन के विकास को केंद्र में रखा जाएगा। राज्य में पर्यटन के निरंतर विकास में विभाग का ये प्रयास मील का पत्थर साचित होगा।

उत्तर प्रदेश का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान दुधवा का कोर जोन 884 वर्ग किलोमीटर में स्थापित है। इसकी ख्याति देश-दुनिया में है। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में विभिन्न प्रकार के बेशकीमती वृक्ष, पौधे, घासें, बाप, तेंदुआ, भालू, हाथी, गैडा, हिरण, सरीसृप, पक्षी व अन्य जीव-जंतु पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। इस राष्ट्रीय उद्यान को जैवविविधता की अलौकिकता, इसके मनोहारी दृश्य

पर्यटकों को यहां बार-बार आने को प्रेरित करते हैं।

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान देखने हेतु यहां संचालित पर्यटन सेवाओं में आस-पास के क्षेत्रीय निवासियों, थारु जनजाति को वरीयता प्रदान की जाती है।

पर्यटन क्षेत्र में वर्तमान में १० नेचर गाइड, 60 वाहन चालकों को रोजगार प्राप्त है। इसी तरह, दुधवा के आस-पास बनों पर निर्भरता को कम किए जाने की दृष्टि से संचालित ईको विकास समितियां भी पर्यटन में सेवाएं प्रदान कर रही हैं। इस प्रकार सैकड़ों अन्य लोगों को रोजगार प्राप्त है।

किशोरी को ब्लैकमेल कर युवक ने किया रेप, फरार

आगरा : युवक ने एक किशोरी की नहाते समय का वीडियो बनाकर उसे न केवल ब्लैकमेल कि या तमंचे की नौक पर उसको होटल ले जाकर रेप भी किया। यह आरोप है किशोरी की मां का। पुलिस ने इस मामले में युवक के खिलाफ अभियोग दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मामला ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र का है। किशोरी की मां का आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले सुमेर खान ने उनकी बेटी की नहाते वक्त को वीडियो बना ली। वह वीडियो के जरिए बेटी को कई माह से ब्लैकमेल कर रहा है। इतना ही नहीं वह कई बार बेटी को जबरन होटलों में ले जाकर उसके साथ गंदा काम कर चुका है। किशोरी की मां ने पुलिस को दो तहरीर में लिखा है कि 18 नवंबर को उनकी नाबालिग बेटी घर से मामा के यहां जाने की कहकर निकली थी। वहां न पहुंचने पर किशोरी को तलाश किया पर उसका कहीं पता नहीं पड़ा। मां ने बताया कि 19 नवंबर की सुबह बेटी बदहवास हालत में घर आई। पूछने पर उसने बताया कि सुमेर उसे तमंचा दिखाकर धमकाते हुए जबरन अपने दोस्त के घर ले गया था। जहां उसके साथ रेप किया। इंस्पेक्टर ट्रांसयमुना भानुप्रताप ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्रदेश सरकार के प्रोत्साहन से प्रदेश के निर्यात में हुई अभूतपूर्व वृद्धि

सत्ता सुधार संवाददाता फिरोजाबाद

उत्तर प्रदेश महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु के बाद देश की तीसरी सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था है। अन्य विकसित प्रदेशों की भांति उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में निर्यात का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश में निर्यात संवर्धन हेतु किये जा रहे निरन्तर प्रोत्साहनात्मक प्रयासों एवं निर्मित निर्यात सम्बन्धी संरचनात्मक वातावरण के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश से होने वाले निर्यात में वर्ष 2017-18 की तुलना में लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि दर प्राप्त करते हुए वर्ष 2018-19 में रू0 1,14.057 करोड़ का निर्यात किया गया है जो इसी अवधि में राष्ट्रीय निर्यात वृद्धि दर की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक रहा है। देश से हो रहे निर्यात में प्रदेश की भागीदारी लगभग 5 प्रतिशत हो गयी है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रदेश के निर्यात में विगत वर्ष 2020-21 की तुलना में 30 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रदेश से रू0 174037 करोड़ मूल्य का निर्यात हुआ जो गत वर्ष 2021-22 की तुलना में 16.5 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश के निर्यात में गत की वर्ष तुलना में 10 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश से रेडीमेड गारमेंट्स, लेदर फुटवियर, गोल्ड ज्वेलरी, आयरन, स्टील उत्पाद, कारपेट, एल्युमीनियम उत्पाद, फिनिश्ड लेदर, हैण्डीक्राफ्ट खाद्यान्न वस्तुऐ आदि उत्पादों को मुख्य रूप से यूएसए, यूएई, वियतनाम, यूके, नेपाल, जर्मनी, चीन आदि देशों को अपने उत्पाद निर्यात किये जा रहे है। निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो में निर्यातक इकाईयों का **पंजीयन :-** निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत प्रोत्साहन/सुविधा प्राप्त करने हेतु ब्यूरो में पंजीयन की व्यवस्था की गयी है तथा पंजीकरण की सम्पूर्ण प्रक्रिया वर्ष 2014-15 से ऑनलाइन की जा चुकी है। प्रदेश में अद्यतन 3157 निर्यातक इकाईयों द्वारा ऑनलाइन पंजीयन कराया गया है। निर्यातकों को गोल्ड/सिल्वर कार्ड : प्रदेश के निर्यातकों को विभिन्न सरकारी विभागों में उनके कार्य में वरीयता/प्राथमिकता एवं यथोचित सम्मान तथा विभिन्न सरकारी कार्यालयों में बिना प्रवेश पत्र के प्रवेश की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से गोल्ड कार्ड एवं सिल्वर कार्ड जारी किये जाने की व्यवस्था है। इस योजना के अन्तर्गत एक वर्ष में रू0 50.00 लाख से अधिक टर्न ओवर करने वाली निर्यातक इकाईयों को गोल्ड कार्ड एवं रू0 20.00 लाख से अधिक टर्न ओवर करने वाली निर्यातक इकाईयों को सिल्वर कार्ड जारी किये जाने की व्यवस्था की गयी है। प्रदेश में अद्यतन 745 इकाईयों को गोल्ड कार्ड एवं 63 इकाईयों को सिल्वर कार्ड से सम्मानित किया गया। योजनाओं का सरलीकरण एवं उपादान राशि में वृद्धि-प्रदेश सरकार द्वारा संचालित त्वरित निर्यात विकास प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रदान जाने वाली सुविधाओं को समयानुकूल एवं युक्तिसंगत बनाये जाने के प्रावधान के अनुपालन में संदर्भित योजना के दिनांक 13 मई, 2022 को जारी नवीनतम शासनादेश के माध्यम से उपयोजनाओं में संशोधन किया गया है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्यातकों को विपणन विकास सहायता-इस योजनान्तर्गत प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग क्षेत्र के निर्यातकों को विदेशी मेला/प्रदर्शनी में भाग लेने पर स्टाल चार्जेज पर रू0 02 लाख तथा हवाई यात्रा पर रू0 1.00 लाख की गयी है। प्रचार प्रसार, कैटेलाग, विज्ञापन, वेबसाइट इत्यादि को तैयार करने पर हुए व्यय पर अनुमन्य सहायता राशि 0.60 लाख से बढ़ाकर रू0 0.75 लाख प्रति निर्यातक प्रति वर्ष की गयी। विदेशी क्रेताओं को नमूनों के प्रेषण में हुए व्यय पर अनुमन्य सहायता राशि में वृद्धि करते हुए रू0 0.50 लाख से अधिकतम रु0 1.00 लाख प्रति निर्यातक प्रति वर्ष की गयी। गुणवत्ता नियंत्रण योजनान्तर्गत आई०एस०ओ० एवं बी.आई.एस की विभिन्न श्रेणियों यथा-ऊनी उत्पादों के लिए वूलमार्क, स्वणाभूर्षण के लिए हाल मार्क, फूड सेफ्टी के लिए एच.ए.सी. सी.पी. एवं विद्युत उपकरणों के लिए सी0 मार्क आदि के प्रमाणीकरण हेतु किये गये व्यय पर अनुमन्य सहायता राशि रू0 0.75 लाख को बढ़ाकर रू. 2.00 लाख प्रति निर्यातक प्रति वर्ष की गयी। विदेशों में ट्रेड फेयर बायर सेलर मीट इत्यादि के आयोजन पर आयोजक संस्था को व्यय का 90 प्रतिशत अथवा रु० 0.75 लाख तक की सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है।

संगठित रहने से ही हो सकता है समाज व राष्ट्र का विकास: धर्मेन्द्र

आगरा :गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस के अवसर पर पूर्वी महानगर आगरा के विद्यार्थी कार्य विभाग द्वार । शतोत्कर्ष विद्याथों (वा सगम) 2 4 नवम्बर 2024 को पालीवाल पार्क में संपन हुआ। जिसमें पूर्वी महानार के 13 नगर की 43 विद्यार्थी शाखाओं और दो विद्यार्थी मिलन के 960 स्वयंसेवको ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में व्यायाम योग, तिष्ठ योग व घोष की 15 रचनाओं का बादन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरदार ओपिन्दर सिंह उर्फ लवली जी ने की। उन्होंने अपने आशीर्वचन में बोला संघ वही कार्य कर रहा है जो कार्य सिख गुरुओं ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आदरणीय धर्मेन्द्र जी प्रान्त प्रचारक (खज प्रान्त) रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में बोला धममों रक्षति रक्षित: यदि आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म भी आपकी रक्षा करेगा। उन्होंने युवा संगम के विद्याथीयी को उद्‌बोधित किया कि ये शाखा के माध्यम से अपनी शारीरिक मानसिक व बौद्धिक विकास करे। कार्यक्रम में मंच पर विभाग संघचालक, राजन जी, महानगर संघचालक रविन्द्र जी, विभाग प्रचारक आनन्द जी व प्रांत के प्रचार प्रमुख कीर्ति जी का रहना हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महानगर प्रचारक विमल जी, महानगर कार्यवाह विजय माहेश्वरी, सह महानगर कार्यवाह डॉ नरेंद्र सिसोदिया जी, महानगर विद्यार्थी प्रचारक राम जी, महानगर विद्यार्थी प्रमुख मनोज जी तथा सह विद्यार्थी प्रमुख राजेश जी व अरुण जी का रहना हुआ।

ब्रीफ न्यूज

अथिया ने राहुल की तस्वीर शेयर कर कहा वह अभी हार नहीं मानता

मुंबई। बल्लेबाज केएल राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में शानदार बल्लेबाजी कर फार्म में आने के संकेत दिये हैं। राहुल की इस पारी को देखकर उनकी पत्नी अथिया शेट्टी उत्साहित हैं। अथिया ने सोशल मीडिया पर खास पोस्ट शेयर कर पति की प्रशंसा की है। अथिया ने पर्थ के क्रिकेट मैदान से राहुल की एक तस्वीर शेयर की और लिखा कि वह जो कभी हार नहीं मानता, कभी पीछे नहीं हटता। राहुल ने 176 गेंदों पर 77 रनों की अच्छी पारी खेली, जिसमें उनकी पारी में पांच चौके शामिल थे। राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर शुरुआती टेस्ट में पहले विकेट के लिए 201 रनों की रिकॉर्ड-तोड़ साझेदारी बनायी। अथिया और राहुल की पिछले साल जनवरी में शादी हुई थी। राहुल पिछले कुछ समय से लय में नहीं थे जिसके बाद उनपर इस दौरे में बेहतर प्रदर्शन का दबाव था।

विराट का भारतीय क्रिकेट में अहम योगदान : कपिल

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि खेल में उन्होंने अहम योगदान दिया है इसलिए उन्हें किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। कोहली ने करीब डेढ़ साल बाद पर्थ में शतक लगाकर भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने का काम किया। ऑस्ट्रेलिया में कोहली ने अपना सातवां शतक लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के छह टेस्ट शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। कपिल ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'जिन लोगों को आलोचना करनी है वे करेंगे ही उसमें कोई कुछ नहीं कर सकता। कोई बड़ा खिलाड़ी अगर वापसी करने में काफी समय लेता है तो मीडिया आलोचना करती ही है। उन्होंने कहा, 'हमें उसकी क्षमता और प्रतिभा देखनी चाहिए। वह बहुत बड़े खिलाड़ी है। उन्हें किसी को साबित करने की जरूरत नहीं है। उन्हें मुझे या मीडिया के सामने कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। इस इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'उसने क्रिकेट के लिए जो किया है वह अद्भुत है और इसके लिए सभी को उसका हौंसला बढ़ाना चाहिये।

कबड्डी खिलाड़ी की गोलियां मारकर हत्या

चंडीगढ़। पंजाब के तरनतारन में एक कबड्डी खिलाड़ी सुखविंदर सिंह की गोलियां मारकर हत्या का मामला सामने आया है। सुखविंदर एक कृषि से जुड़े सामान के स्टोर में बैठा था तभी उस पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। में मौजूद एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक खिलाड़ी गैंगस्टर सतनाम सिंह सत्ता का चचेरा भाई बताया जाता है। सतनाम पर रंगदारी सहित कई अन्य आपराधिक मामले हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि उसी के विरोधियों का हाथ इस वारदात के पीछे हो सकता है। मृतक खिलाड़ी की अभी एक माह पहले ही शादी हुई थी, जिससे इलाके में दुख का माहौल है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरु हो गयी है। आरोपियों की पहचान के लिए पुलिस आसपास के इलाके में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरों की जांच भी कर रही है।

सीएसके ने अपने रिलीज किये खिलाड़ियों को ही खरीदा

एजेंसी ■ जेद्दा

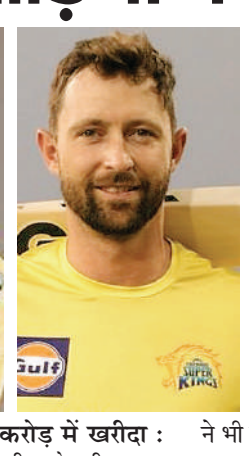

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए हुई नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने उन्हें खिलाड़ियों का खरीदा जिन्हें उसने रिलीज कर दिया था। वहीं माना जा रहा था कि सीएसके कुछ नये खिलाड़ियों को अवसर देगी पर ऐसा नहीं हुआ। नीलामी में सीएसके प्रबंधकों की टीम ने केवल अपने खिलाड़ियों को खरीदने में रुचि दिखाई। जब भी सीएसके के किसी खिलाड़ी का नाम लिया जाता तो चेन्नई पहली बोली से ही नीलामी में आगे आ जाती थी। उन्होंने अपने अनुभवी खिलाड़ियों को कम कीमतों में ही अपने से जोड़ लिया।

सीएसके ने आर अश्विन को सबसे पहले 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा : अश्विन ने पंजाब, दिल्ली और राजस्थान की ओर से भी खेला है पर इस दौरान वह सीएसके टीम की तारीफ करना कभी नहीं भूले। वैसे भी तमिलनाडु प्रीमियर लीग में भी अश्विन ही छाये रहते हैं। ऐसे में अपने खिलाड़ियों की वापसी का पूरा प्रयास सीएसके ने किया।

रचिन रविंद्र को 4 करोड़ में खरीदा : रचिन के लिए नीलामी में सीएसके की टक्कर पंजाब के साथ हुई। सीएसके ने 4 करोड़ की बोल लगाने के साथ ही आरटीएम का इस्तेमाल कर लिया जिससे रचिन एक बार फिर से सीएसके के हो गये। रचिन ने अब तक 10 मुकाबलों में 222 रन बनाए हैं।

राहुल त्रिपाठी - 3.40 करोड़ : राहुल त्रिपाठी को सीएसके ने 3.40 करोड़ में खरीदा है। त्रिपाठी पिछले तीन सालों से सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे थे। उन्हें पिछली बार सनराइजर्स ने 8.50 करोड़ रुपये दिये थे पर इस बार सीएसके उन्हें अपने साथ जोड़ने में सफल रही है।

डेवोन कॉनवे - 6.25 करोड़ : कॉनवे के लिए नीलामी में पंजाब किंग्स ने भी बोली लगायी पर अंत में चेन्नई की बोली सफल रही। कॉनवे चेन्नई के लिए पारी की शुरुआत करने के साथ ही गेंदबाजी में भी करते हैं। उन्होंने सीएसके की ओर से 23 मैचों में 48 की औसत से 924 रन बनाये हैं।

लखनऊ सुपरजायंट्स ने आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली लगाई

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए दो दिवसीय नीलामी हो रही है। इसमें खिलाड़ियों पर करोड़ों रुपये बरस रहे हैं। सभी टीम अच्छे से अच्छे खिलाड़ी को शामिल करने के प्रयास में लगी है। संयुक्त अरब अमीरात के जेद्दा में हुई खिलाड़ियों की नीलामी में एक निया रिकार्ड बना है। इस बार लखनऊ सुपरजायंट्स ने आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली लगाई। लखनऊ ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर 27 करोड़ रुपए की लगाई। इसके साथ ही ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने सबसे महंगे खिलाड़ी का श्रेयस अय्यर का रिकॉर्ड तोड़ा। अय्यर पर इससे कुछ समय पहले ही 26.75 करोड़ रुपए की बोली लगी थी। आईपीएल मेगा नीलामी में 577 खिलाड़ी शामिल हैं। एक टीम अधिकतम 120 करोड़ रुपए खर्च कर सकती है। इसमें रीटेन खिलाड़ियों को दी गई रकम भी शामिल है। खिलाड़ियों को रीटेन करने के बाद 10 फ्रेंचाइजी के पास अब कुल 641. 5 करोड़ का शेष है। इन फ्रेंचाइजी के पास कुल 204 स्लॉट खाली हैं। आईपीएल ऑक्शन में पहली बोली अर्शदीप सिंह पर लगी.। पंजाब किंग्स ने राइट टू मैच का कार्ड का इस्तेमाल किया और अर्शदीप सिंह को खरीदा।

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट में 295 रन से हराया

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-0 की बढ़त हासिल की, बुमराह को मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

एजेंसी ■ पर्थ

भारतीय टीम ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को 295 रनों से हराकर पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम ने इस मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी सहित हर क्षेत्र में कंगारुओं को पीछे छोड़ दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने जीत के लिए 534 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए मेजबान टीम चौथ दिन अपनी दूसरी पारी में 238 रनों पर ही आउट हो गयी। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा 89 रन ट्रेविस हेड ने बनाए। उनके अलावा मिचेल मार्श ने 47 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज असफल रहे। भारत की ओर से बुमराह ने 3 और मोहम्मद सिराज ने भी 3 विकेट लिए जबकि वाशिंगटन सुंदर ने दो, हर्षित राणा और नीतिश रेड्डी ने एक-एक विकेट लिया। । इस मैच में भारतीय टीम की जीत में यशस्वी जायसवाल 161 और विराट कोहली 100 के अलावा केएल राहुल की 77 रन की अर्धशतकीय पारी की अहम भूमिका रही। इससे भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 487 रन बनाते हुए ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 534 रन का विशाल लक्ष्य दिया। जिसके सामने मेजबान टीम ढ़ह गयी। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में ऋषभ पंत (37) और नितीश रेड्डी (41) की बदौलत 150 रन बनाए। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी अच्छी रही और जोश हेजलवुड ने 4 जबकि मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और मिशेल मार्श ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। इसके बाद जवाब में मेजबान टीम भी 104 पर सिमट गय। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम को 46 रन की बढ़त बनाई। भारत की ओर से बुमराह के 5 विकेट शामिल थे। दूसरी इनिंग में यशस्वी यशस्वी और विराट के शतकों के अलावा केएल राहुल की 77 रन की अर्धशतकीय पारी से भारतीय टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 487 रन बनाते हुए ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 534 रन का विशाल लक्ष्य दिया। दूसरी पारी में भारत ने मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने में बेहतर वापसी की। तीसरे दिन के तीसरे सत्र में ही 12 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। चौथे दिन की शुरुआत में ही मोहम्मद सिराज ने उस्मान ख्वाजा को पंत के हाथ कैच आउट कराकर एक बड़ा झटका दिया। ख्वाजा ने इस पारी में 4 रनों का योगदान दिया।

इसके बाद मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ ने एक साझेदारी बनाने की कोशिश की और दोनों ने टीम का स्कोर 79 तक पहुंचाया। लंच से पहले भारत को एक और बड़ी सफलता तक मिली जब सिराज ने स्मिथ को 17 रनों पर आउट कर दिया। स्टीव स्मिथ ने आउट होने से पहले 60 गेंदों का सामना किया और एक भी बाउंड्री नहीं लगाई। इसी बीच ट्रेविस हेड के तेज अर्धशतक के चलते ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तेजी से आगे बढ़ा लेकिन लंच तक उनकी आधी टीम केवल 104 रनों के स्कोर पर ही आउट हो चुकी थी।

लंच के बाद हेड ने अपनी पारी को गति के साथ आगे बढ़ाना जारी रखा और कुछ शानदार शॉट्स खेले। हेड को 89 रनों के निजी स्कोर पर बुमराह ने पेवेलियन भेज दिया। हेड ने 101 गेंदों पर 8 चौके लगाए। इसके बाद नीतिश रेड्डी ने मिशेल मार्श को 47 रनों की पारी का अंत कर दिया।

इसके बाद सिर्फ विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ही निचले क्रम पर भारतीय गेंदबाजी का प्रतिरोध कर सके, जबकि दूसरे छोर पर विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा। वाशिंगटन सुंदर ने मिशेल स्टार्क (12) और नाथन लियोन (0) के विकेट हासिल किए। वहीं, हर्षित राणा ने कैरी को बोल्ड करके विजयी विकेट हासिल किया। कैरी ने 58 गेंदों पर 36 रनों की पारी खेली।

भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को तीन-तीन विकेट मिले। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह को मैच में कुल आठ विकेट लेने के चलते प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। बुमराह ने पहली पारी में भी पांच विकेट लिए थे। इस मैच से पदार्पण करने वाले नीतिश रेड्डी ने भी मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन कर भारतीय टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

डिविलियर्स ने यशस्वी को भारतीय क्रिकेट का सुपरस्टार बताया

एजेंसी ■ जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के स्टार क्रिकेर रहे एबी डिविलियर्स ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। डिविलियर्स ने कहा कि जिस प्रकार से यशस्वी बल्लेबाजी करते हैं वह क्रिकेट का सुपरस्टार है जो भविष्य में विश्व क्रिकेट में धूम मचा देगा। पर्थ टेस्ट मैच में युवा यशस्वी ने पारी की शुरुआत करते हुए दूसरी पारी मे शानदार शतक लगाया। यशस्वी ने 161 रनों की बड़ी पारी खेली। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर भातरीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। अपनी आक्रामक पारी से जायसवाल ने दिखा दिया है कि क्यों उनसे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज डरते हैं। जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक जमाकर इतिहास रच दिया। यशस्वी का ऑस्ट्रेलिया की धरती पर यह पहला टेस्ट शतक है। डिविलियर्स ने यशस्वी की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा, मैं यशस्वी को काफी समय से देख रहा हूं, मैंने पहले भी कहा है कि वह भारतीय क्रिकेट का सुपरस्टार है। उसने पर्थ टेस्ट मैच में दिखा दिया है कि वह क्या कर कसता है। डिविलियर्स ने जायसवाल को लेकर आगे कहा कि, जायसवाल में भारतीय क्रिकेट का महान बल्लेबाज बनने की काबिलियत है, उसके अंदर काफी प्रतिभा है और इसे आगे ले जाने और निखारने की जरुरत है। साथ ही कहा कि ऐसे क्रिकेटर को बार-बार अवसर देकर भारतीय क्रिकेट अच्छा कर रहा है। मुझे उनकी बल्लेबाजी को देखकर काफी आनंद आता है। वास्तव में वो भारतीय क्रिकेट के लिए ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट के लिए भी महान बल्लेबाज बनने की ओर अग्रसर है।साथ ही कहा कि जायसवाल ने दिखा दिया कि उन्हें लोग भविष्य का सुपस्टार मानते हैं।

सोशल मीडिया पर छायी रहीं काव्या

एजेंसी ■ जेद्दा

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा नीलामी में पहले सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को 11.25 करोड़ रुपये में खरीदकर बेहद उत्साहित दिखीं। काव्या नीलामी मंच पर छायी रहीं और ईशान को खरीदने के बाद उनके चेहरे पर अलग ही चमक दिखायी दीं। काव्या का ये अंदाज भी सोशल मीडिया पर छाया रहा।

सनराइजर्स ने नीलामी में पहले दिन सात खिलाड़ियों को खरीदा। इनमें ईशान किशन, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, अभिनव मनोहर, राहुल चाहर, एडम जांपा और अथरव तायदे शामिल हैं। शमी को काव्या 10 करोड़ में जबकि हर्षल को 8 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। नीलामी के पहले दिन कुल 72 खिलाड़ियों पर बोली लगी। इन खिलाड़ियों पर कुल 467.95 करोड़ रुपए की बोली लगाई गई। अब आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के पास कुल 132 स्लॉट खाली हैं। आईपीएल ऑक्शन 2025 की शुरुआत अर्शदीप सिंह से हुई। कुछ दिन पहले अर्शदीप सिंह को रिलीज करने वाली पंजाब किंग्स ने उन्हें फिर से अपनी टीम में शामिल कर लिया। पंजाब ने अर्शदीप सिंह पर 18 करोड़ की बोली लगाई। वहीं पंजाब किंग्स ने ही श्रेयस अय्यर पर 26.75 करोड़ रुपए की बोली लगाई।

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया पहुंचते ही शुरु किया अभ्यास

पर्थ। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने यहां पहुंचने के तत्काल बाद से ही अभ्यास शुरु कर दिया। रोहित पर्थ पहुंचने के बाद तुरंत नेट अभ्यास के लिए पहुंचे। रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं। उन्हें लंच सत्र के दौरान नेट में बल्लेबाजी की। उन्होंने उन्होंने रिजर्व तेज गेंदबाजों नवदीप सैनी, यश दयाल और मुकेश कुमार की गेंदों का सामना किया। रोहित 30 नवंबर से केनबरा में शुरू होने वाले दो दिवसीय अभ्यास मैच में भी खेलेंगे। इस अभ्यास मैच को प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त नहीं है पर यह मैच अहम होगा क्योंकि इससे भारतीय टीम को गुलाबी गेंद से होने वाले दिन-रात्रि के मुकाबले के लिए अभ्यास का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम छह दिसंबर से एडीलेड में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। रोहित के भी कैनबरा में इस मैच में खेलने की उम्मीद है। इससे उन्हें टेस्ट में उतरने से पहले लय हासिल करने का अवसर मिलेगा।

आइवरी कोस्ट सात रनों पर आउट हुई सबसे कम स्कोर बनाने वाली टीम बनी

एजेंसी ■ लागोस

आइवरी कोस्ट की टीम अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे कम केवल 7 रन पर आउट होने वाली पहली टीम है। नाइजीरिया के खिलाफ हुए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप सब रीजनल क्वालीफायर मैच में ये शर्मनाक रिकार्ड आइवरी कोस्ट के नाम हुआ। आइवरी कोस्ट की टीम नाइजीरिया के खिलाफ सिर्फ सात रन पर आउट हो गई और इस तरह वह 264 रनों से हार गयी। नाइजीरिया की टीम ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की। इस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच सेलिम सलाउ ने शतक बनाया। वह 53 गेंदों पर 112 रन बनाकर रिटायर आउट हो गए। वही सुलेमान रनसेवे ने 50 और इसाक ओक्पे ने(नाबाद 65 रन बनाकर आइवरी कोस्ट को चार विकेट पर 271 रन तक पहुंचाया।

इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए आइवरी कोस्ट की टीम नाइजीरियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। नाइजीरिया की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर इसहाक दानलाडी और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रॉस्पर उसेनी ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके अलावा, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज पीटर अहो ने दो और सिल्वेस्टर ओक्पे ने एक विकेट लिया। वहीं आइवरी कोस्ट की ओर से 11 में से 7 बल्लेबाज शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। एक बल्लेबाज ही 4 रन बना सका। बाकी के 3 बल्लेबाज सिर्फ 1-1 रन बना पाये। यह पुरुषों के टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में सबसे कम स्कोर है। इस प्रारुप में इससे पहले का सबसे कम स्कोर 10 रन था। इस स्कोर पर दो बार टीम आउट हुई है। इससे पहले मंगोलिया की टीम इस साल सितंबर में सिंगापुर के खिलाफ 10 रनों पर ही सिमट गयी थी।

आईपीएल-2025 विलियम्सन-शॉ से लेकर शार्दुल-रहाणे तक को नहीं मिला कोई खरीदार

नीलामी के दूसरे दिन कई दिग्गज खिलाड़ी नहीं बिके

एजेंसी ■ जेद्दा

आईपीएल 2025 के लिए नीलामी का दूसरा दिन जारी है। तेजतर्रार भारतीय सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को आईपीएल की बड़ी नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को कोई खरीदार नहीं मिला। वहीं, स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को गुजरात टाइटंस ने सोमवार को आईपीएल मेगा नीलामी के दूसरे दिन 3.20 करोड़ रुपये में खरीदा।

न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियम्सन और ग्लेन फिलिप्स भी नहीं बिके। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी फाफ डुप्लेसिस और वेस्टइंडीज के रोवमन पॉवेल को क्रमश- दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स ने दो करोड़ रुपये और 1.50 करोड़ रुपये में खरीदा। अनुभवी भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के लिए भी किसी फ्रेंचाइजी से बोली नहीं लगाई।

बिना बिके खिलाड़ियों को दिन के अंत में एक्सलरेटेड ऑक्शन के दौरान खरीदार मिल सकते हैं यदि उनके नाम किसी फ्रेंचाइजी द्वारा दिए जाते हैं। शुरुआती तीन सेट में से 19 खिलाड़ियों में से 10 खिलाड़ी अनसोल्ड रहे थे। विलियम्सन और रहाणे के अलावा न्यूजीलैंड ग्लेन फिलिप्स, मयंक अग्रवाल, न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल, वेस्टइंडीज के शाई होप, ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स कैरी और भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज श्रीकर भरत पर कोई बोली नहीं लगी।

वहीं, अफगानिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर मुजीब उर रहमान और दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बैटर डोनोवन फरेरा को भी कोई खरीदार नहीं मिला। भारतीय गेंदबाजों पर जमकर पैसे बरसे। इनमें भुवनेश्वर कुमार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 10.75 करोड़ रुपये, मुकेश कुमार को दिल्ली कैपिटल्स ने राइट टू मैच कार्ड के जरिये आठ करोड़ रुपये, दीपक चाहर को मुंबई इंडियंस ने 9.25 करोड़ रुपये में और आकाश दीप को लखनऊ सुपर जाएंट्स ने आठ करोड़ रुपये में खरीदा। अफगानिस्तान के युवा स्पिनर अल्लाह गजानफर को मुंबई इंडियंस ने 4.80 करोड़ रुपये में अपनी टीम से जोड़ा।

मैकस्वीनी को पहले खेलने का अवसर देकर ख्वाजा ने गलती की : क्लार्क

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान माइकल क्लार्क ने पहले क्रिकेट टेस्ट में मेजबान टीम की शर्मनाक हार पर निराशा जताते हुए कहा कि बड़े स्कोर का पीछा करते हुए नाथन मैकस्वीनी को पहले बल्लेबाजी का अवसर देकर उनमे सलामी जोड़ीदार उस्मान ख्वाजा ने गलती की थी। इस मैच सलामी बल्लेबाज मैकस्वीनी दबाव का सामना नहीं कर पाये और केवल चार गेंद ही खेल पाये। वह बुमराह की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। वहीं ख्वाजा भी सिराज की गेंद पर आउट हुए। क्लार्क ने कहा, बहुत से लोग पहली गेंद खेलना पसंद नहीं करते, इसलिए सलामी बल्लेबाज रोटेट किये जाते हैं। ख्वाजा ने पहली पारी में पहली गेंद खेली, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने मैकस्वीनी को पहली गेंद खेलने का कहा पर मुझे लगता है कि ख्वाजा को ही दूसरी पारी में पहली गेंद खेलना चाहिए था। उन्हें कहना चाहिए था मैं अधिक अनुभवी हूं। मैं जानता हूं कि तुम ऐसा करना चाहते होपर मुझे इसका आनंद उठाने दो। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम की दूसरी पारी के दौरान गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं था। क्लार्क ने कहा, ऐसा लग रहा था कि हम भारत को फिर से कम समय में हराने की उम्मीद कर रहे थे। वे हमारे सामने थे, पर मैंने हमारे किसी भी गेंदबाज को किसी भी भारतीय बल्लेबाज पर हावी होते नहीं देखा।

गोरखपुर में सुनीं 300 लोगों की समस्याएं, बोले- हर समस्या का कराएंगे समाधान

सीएम योगी का फिर जनता दरबार...बत्तखों को दाना खिलाते हुए नजर भी आए

एजेंसी ■ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि किसी को भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। हर पीड़ित व्यक्ति की शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की

समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश

कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर सीएम योगी ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

गायों को खिलाया गुड़

गोसेवा के दौरान उन्होंने सितंबर माह में आंध्र प्रदेश के येलेश्वरम स्थित गोशाला से गोरखनाथ मंदिर लाए गए नादिपथि मिनिएचर नस्ल (पुंगनूर नस्ल की नवोन्नत ब्रीड) के दो गौवंश भवानी और भोलू को खूब दुलारा तथा अपने हाथों से उन्हें चारा (बरसीम) खिलाया। सीएम ने अन्य गौवंश को भी खूब दुलारने के बाद उन्हें गुड़ खिलाया और गौशाला के भी कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए। मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान सीएम योगी जब भीम सरोवर पर पहुंचे तो वहां बतखों का समूह विचरण कर रहा था। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से चारा खिलाकर बतखों पर भी स्नेह बरसाया।

सीएम योगी ने की गौ-सेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। सोमवार प्रातःकाल शिवावतारगुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद सीएम योगी मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने गोवंश के बीच समय बिताया और गोसेवा की।

ब्रीफ न्यूज

अखिलेश का आरोप, द साबरमती रिपोर्ट देखने के बाद बड़े नेता बनने के लिए संभल हिंसा कराई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के अदालत के आदेश के विरोध में हुई संभल हिंसा के संबंध में समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क और सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई है। हालांकि, इस एफआईआर को समाजवादी पार्टी योगी सरकार पर सवाल खड़े कर रही है। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि उपचुनाव के दौरान वोट लूटने और अपने कुकर्मों को छुपाने के लिए योगी सरकार ने जानबूझ कर ऐसा किया है।

गूगल मैप के सहारे अधूरे फ्लाईओवर पर दौड़ा दी कार नदी में गिरने से तीन की मौत

बरेली। वर्तमान में यहां फिर कभी भी तकनीक पर विश्वास करना ठीक है, लेकिन अति विश्वास करना ठीक नहीं हैं। इसी अति विश्वास का शिकार बेरली में तीन लोग हो गए। दरअसल बरेली जिले में दुखद घटना घटी, जहां एक अधूरे फ्लाईओवर से एक कार गहरी खाई में गिर गई, इसमें तीन लोगों की मौत हुई। यह घटना शनिवार को हुई, जब दो व्यक्ति, विवेक और अमित और अन्य, गुरुग्राम से शादी के लिए बरेली जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि बरेली जिले में तीन लोगों की मौत हुई, जब गूगल मैप पर उनकी कार गलत तरीके से निर्माणाधीन पुल पर ले गई और कार नदी में गिर गई। पीड़ितों में से दो की पहचान विवेक और अमित के रूप में हुई, जिन्होंने गुरुग्राम से अपनी यात्रा शुरू की और एक शादी में शामिल होने के लिए बरेली जा रहे थे।

रास्ते में ही पूरा हुआ जिंदगी का सफर, अज्ञात वाहन से कुचलकर दो लोगों की मौत

फिरोजाबाद। जिले के पचोखरा इलाके में एटा रोड पर अज्ञात वाहन ने दो राहगीरों को कुचल दिया जिससे दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया है। निधौलीकलां के गांव पृथ्वीपुर निवासी अमन 16 वर्ष पुत्र बिजेंद्र सिंह अपने चाचा के साथ शादी समारोह लौटते समय रास्ते में किसी वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे अमन और चाचा लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर पड़े। घटना स्थल के समीप हरिओम पुत्र राम सिंह का भी शव मिला है जो कहीं से लौट रहा था। पुलिस तीनों को लेकर अस्पताल आई जहां डॉक्टरों ने हरिओम और अमन को मृत घोषित कर दिया है।

सनसनीखेज आरोप: विहिप ने नुकसान की भरपाई दोषियों से करने की मांग

संभल हिंसा के पीछे मौलानाओं का हाथ, दोषियों पर लगाओ एनएसए

कांग्रेस-समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भड़काऊ बयान देकर उकसाया

एजेंसी ■ संभल

विश्व हिंदू परिषद ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के संभल जिले में हुई हिंसा की निंदा की और मामले में शामिल लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मामला दर्ज करने की मांग की। साथ ही विहिप के संयुक्त महासचिव सुरेन्द्र जैन ने हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई दोषियों से करने की मांग की है। सुरेन्द्र जैन हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि जिस तरह से मुस्लिम कट्टरपंथियों ने संभल में पुलिस पर पथराव किया, गोलियां चलाईं और आगजनी की, वह बेहद निंदनीय है। इतना ही नहीं जिस तरह से मुस्लिम नेताओं, मौलानाओं और राहुल गांधी समेत समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कई नेताओं ने इस हिंसा का समर्थन किया है, वह भी चिंताजनक है। सुरेन्द्र जैन ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ये हिंसा मौलानाओं के इशारे पर की गई और कांग्रेस-समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भड़काऊ बयान देकर उसे और उकसाया। दंगाइयों और उनके समर्थकों पर एनएसए के तहत मामला दर्ज कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उनके द्वारा किए गए सभी नुकसान की भरपाई भी उनसे ही की जानी चाहिए।

कर्फ्यू जैसे हालात

संभल शहर में फिलहाल अघोषित कर्फ्यू जैसा माहौल है। सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और संयम बनाए रखने की अपील की जा रही है। फिलहाल, इलाके में प्रशासन ने फ्लैग मार्च निकाला है। सोमावर की सुबह इलाके में तनावपूर्ण शांति है। हिंसा के बाद अभी तक कोई घटना सामने नहीं आई। पूरे मुरादाबाद रेंज के 30 थानों की पुलिस को संभल के हिंसाग्रस्त इलाके में तैनात किया है।

कट्टरपंथियों ने संभल में पुलिस पर पथराव किया, गोलियां चलाईं, आगजनी की

डीआईजी की अपील और गिरफ्तारियां

डीआईजी मुनिराज जी ने बताया कि हिंसा के आरोप में अब तक 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। इसके अलावा, 400 से अधिक अज्ञात और नामजद लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की।

भाजपा नेता अपर्णा यादव ने कहा- गुंडई बर्दाश्त नहीं करेगी योगी सरकार

इधर, उत्तर प्रदेश के संभल में धार्मिक स्थल पर हुई हिंसा के मामले में भाजपा नेता व महिला आयोग उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार किसी भी प्रकार से गुंडई बर्दाश्त नहीं करेगी, जरूरत पड़ने पर सशस्त्र बल की सहायता ली जाएगी। वहीं करहल विधानसभा चुनाव में सवाल पर उन्होंने बोलने से इंकार कर दिया। भाजपा नेता ने कहा कि वह महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर बात करेंगी। भाजपा नेता ने कहा कि वर्तमान समय में लड़के व लड़कियों के दायित्व समाज के प्रति शिक्षा में शामिल करने के लिए प्रदेश सरकार को ड्राफ्ट बनाकर देंगी। साथ ही कहा कि घर से स्वेच्छा से भाग रहे बच्चों में माता-पिता का भी रोल होता है। परिवार में प्रबोधन क्यों नहीं हो पा रहा है इस पर चिंता करने की जरूरत है। कुंदरकी में सपा की हार और भाजपा की जीत पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिंतन पर लोगों ने वोट दिया है।

राहुल की अपील- सुप्रीम कोर्ट दखल दे- मौन धरने पर बैठे कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता

संभल जिले में हुई हिंसा के विरोध में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और अन्य कार्यकर्ताओं ने पार्टी मुख्यालय पर मौन रहकर प्रदर्शन किया और मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। प्रदेश अध्यक्ष ने पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और फिर मौन धरने पर बैठे। कांग्रेस ने मामले में राज्य सरकार पर पक्षपात पूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। संभल हिंसा पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर बयान देकर कहा कि संभल, उत्तर प्रदेश में हालिया विवाद पर राज्य सरकार का पक्षपात और जल्दबाजी भरा रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंसा और फायरिंग में जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रशासन द्वारा बिना सभी पक्षों को सुने और असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने माहौल और बिगाड़ दिया और कई लोगों की मृत्यु का कारण बना-जिसकी सीधी जिम्मेदार भाजपा सरकार है।

डीएम-कमिश्नर की एसीआर में शामिल होगा निवेश आकर्षण-सीडी रेशियो

यूपी में निवेश को बढ़ावा देने और सशक्त करने के लिए योगी का अहम कदम

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

यूपी में अब जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों की वार्षिक कार्य मूल्यांकन रिपोर्ट (एसीआर) में निवेश आकर्षण और सीडी रेशियो (क्रेडिट-डिपॉजिट) वृद्धि को भी शामिल किया जाएगा। इस पहल के साथ उत्तर प्रदेश ऐसा कदम उठाने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। जिलाधिकारी एवं मंडलायुक्तों के प्रदर्शन का आकलन उनके जिलों में क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात में की गई प्रगति के आधार पर किया जाएगा। इसका उद्देश्य जिलों में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देना, निवेश बढ़ाना, और बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ करना है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों की वार्षिक कार्य मूल्यांकन रिपोर्ट में निवेश आकर्षण और सीडी रेश्यो वृद्धि के साथ साथ निवेशकों की सुरक्षा, सुविधाएं और सहूलियतों को ध्यान में रखते हुए किये गये प्रयासों का भी मूल्यांकन होगा जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही उद्यमियों के लिए समयबद्ध तरीके से लैंड अलॉटमेंट, लैंड सब्सिडी, लैंड यूज चेंज, लैंड क्लियरेंस समेत लैंड बैंक को तैयार कर उसकी मॉनीटरिंग और रेगुलर अपडेशन किये जाने का भी मूल्यांकन किया जाएगा। यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि जिलों में निवेश लाने और उसे प्रोत्साहित करने के लिए अधिकारी अपनी भूमिका को जिम्मेदारी से निभाएं।

पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी

उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने जिलों में निवेश को मापने और बढ़ावा देने के लिए क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात को प्राथमिकता दी है। यह नीति न केवल आर्थिक विकास को गति प्रदान करेगी, बल्कि सरकारी अधिकारियों के कार्यप्रणाली में जवाबदेही और पारदर्शिता भी सुनिश्चित करेगी। सरकार का यह कदम राज्य के समग्र विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम मील का पत्थर साबित होगा। क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात बैंकों द्वारा जिलों में दिए गए ऋण और उनके द्वारा जमा की गई धनराशि का अनुपात है। यह आर्थिक गतिविधियों के स्तर और वित्तीय संसाधनों के उपयोग का एक प्रमुख संकेतक है।

'प्रदेश सरकार को बुंदेलखंड विकास में अपना योगदान जारी रखना चाहिए'

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

बुंदेलखंड सांस्कृतिक एवं सामाजिक सहयोग परिषद का 38वां स्थापना दिवस समारोह बुन्देलखण्ड सांस्कृतिक एवं सामाजिक सहयोग परिषद, लखनऊ के तत्वावधान में परिषद का 38 वां स्थापना दिवस समारोह सोमवार को एफिल क्लब एल्डिको ग्रीन कॉलोनी गोमती नगर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कवि डॉ. शिवमंगल सिंह, शिखा गर्ग, डॉ. अरुण नागर,सरला शर्मा, हरि प्रसाद हरि, संतोष पटेरिया कवियों द्वारा काव्य पाठ किया गया। इस अवसर पर सभी ने वीरांगना रानी झांसी को भी याद किया। इंजीनियर कैलाश जैन महासचिव बुंदेलखंड सांस्कृतिक एवं सामाजिक सहयोग परिषद द्वारा संस्था के कार्यकलापों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन द्वारा हुई, सरस्वती वंदना सुधा गुप्ता, अनीता जैन, रजनी विश्वकर्मा प्रीति सिंह द्वारा दी गई। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने बुंदेलखंड से संबंधित विकास की चर्चा की और सरकार से आग्रह किया कि बुंदेलखंड में विकास की गति को तेज करना चाहिए और बुंदेलखंड के विकास में अपना योगदान जारी रखना चाहिए। राजधानी में बुंदेलखंड भवन के लिए सरकार से भूमि उपलब्ध कराने के लिए मांग की,कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र अग्निहोत्री ने किया, अंत में धन्यवाद प्रस्ताव महेंद्र भीष्म वरिष्ठ उपाध्यक्ष द्वारा किया गया ।

क्रियाशील पाइप पेयजल परियोजनाओं से सभी घरों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो सुनिश्चितः मुख्य सचिव

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से समस्त मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर जीरो पावर्टी उत्तर प्रदेश अभियान, धान की खरीद, संविधान दिवस के आयोजन आदि की अद्यतन प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को जीरो पावर्टी उत्तर प्रदेश अभियान की साप्ताहिक समीक्षा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि लगभग 1 लाख एन्युमेरेटर द्वारा पोर्टल पर लॉगिन किया जा चुका है, अवशेष

सभी एन्युमेरेटर को भी पोर्टल पर लॉगिन कराया जाये। इसी प्रकार पर वेरीफायर को भी पोर्टल पर ऑनबोर्ड कराया जाए। सभी पंजीकृत एन्युमेरेटर द्वारा निर्धनतम परिवारों के चयन की कार्यवाही तेजी से पूरी करायी जाये। पोर्टल पर सभी रिकॉर्ड त्रुटिपूर्ण अंकित होने चाहिये। यह भी कहा कि निर्धनतम परिवारों की पहचान के लिए एन्युमेरेटर को साइट पर जाना जरूरी है, वहीं से फोटोग्राफ्स इत्यादि पोर्टल पर अपलोड करना होगा। एक ही स्थान पर बैठ कर सभी कार्यवाहियां पोर्टल पर अपलोड करना संभव नहीं है। इस बारे में एन्युमेरेटर को सेंसटाइज किया जाये। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने जिलाधिकारियों से क्रियाशील पेयजल परिजनाओं का फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं का कार्य अंतिम चरण में है, उन्हें प्राथमिकता पर पूरा कराया जाए। जिन जनपदों में पाइप पेयजल परियोजनाओं के क्रियाशील होने में दिक्कत आ रही है, जिलाधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेकर उन अड़चनों को जल्द से जल्द दूर कराएं। यह भी सुनिश्चित कराया जाए कि क्रियाशील पाइप पेयजल परियोजनाओं से सभी घरों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो। रोड रेस्टोरेशन का कार्य समय-सीमा में पूरा कराया जाये। उन्होंने कहा कि एक एसओपी होनी चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि एक विभाग दूसरे विभाग द्वारा बनाई गई सम्पत्ति को क्षतिग्रस्त न कर सकें।

आयोजन बोले-वेदव्यास की परंपरा का हो रहा निर्वहन

शिवमहापुराण कथा सुनने काशी पहुंचे सीएम योगी

एजेंसी ■ वाराणसी

यूपी कॉलेज के निकले के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काल भैरव मंदिर में विशेष पूजा आरती की। इसके बाद सीएम ने बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने षोडषोपचार विधि से रुद्राभिषेक किया। इसके बाद गंगा द्वार से क्रूज में सवार होकर डोमरी के लिए रवाना हुए। कथा स्थल पर पहुंचते ही मंच पर सतुआ बाबा ने सीएम योगी का स्वागत किया। पूरे पंडाल में जयघोष होने लगा। सीएम ने शिवमहापुराण कथा में शामिल होने को लेकर खुशी जाहिर की। सीएम ने कहा कि बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के पावन तट पर

शिवमहापुराण की कथा को श्रवण का आनंद आप सबको प्राप्त हो रहा है। मैं सबसे पहले पंडित प्रदीप मिश्रा का आप सभी काशी, प्रदेशवासियों श्रद्धालु जनों की ओर से हृदय से स्वागत करता हूं। भगवान शिव का भक्त और सनातनी होने के नाते मैं आप सबका अभिनंदन करता हूं। मुझे याद है कि पंडित प्रदीप मिश्रा के कथा हापुड़ में होने वाली थी तो अचानक वहां के प्रशासन ने कथा के आयोजन को निरस्त कर दिया। मुझे शाम को जानकारी मिली। मुझे बताया गया कि भीड़ ज्यादा हो सकती है। मैंने कहा कि उनकी कथा की तो चर्चा ही इस बात के लिए होती है कि वहां हजार में नहीं लाखों में श्रद्धालुओं की गिनती होती है।

मुझे बहुत अच्छा लगा: सभी श्रद्धालु होते हैं परम भक्त होते हैं और परम भक्त की सबसे बड़ी पहचान क्या है वह अनुशासित होता है। जिसकी आत्मा अनुशासन है, उसका भौतिक द्रव्यों पर भी अनुशासन होता है। अभी कथा को अनुमति दे दिया जाए और भव्यता के साथ आयोजन को आगे बढ़ाने के लिए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाए।

सबका हृदय से अभिनंदन

योगी ने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक यानी पौष पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक प्रयागराज की पावन धरती पर दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ 2025 का आयोजन है। उसे ठीक पहले काशी की धरती पर इस कथा के माध्यम से कुंभ का दर्शन हम सबको देखने का अवसर प्राप्त हो रहा है। जिस अनुशासन और श्रद्धा भाव के साथ आप सभी इस कथा का श्रवण कर रहे हैं तो मैं आप सबका भी हृदय से अभिनंदन करता हूं।

न्याय की गुहार : साहब बेटी जन्मी तो ससुराल वालों ने घर से निकाल दिया

पति ले आया सौतन, बात सुन पुलिस भी रह गई सन्न

एजेंसी ■ गोंडा

यूपी के गोंडा में रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित परिवार परामर्श केंद्र में एक विवाहिता की बात सुनकर परामर्शदाताओं को यकीन नहीं हुआ तो वह पति के दूसरी शादी करने की बात पूछते रहे। इसके बाद फिर बगल में बैठे पति से बेटी के जन्म होने पर दूसरी शादी करने की बात सुनकर सभी दंग रह गए। परामर्शदाताओं ने कहा कि पहली पत्नी के होते हुए दूसरी शादी करना अवैध है। विवाहिता को कोर्ट जाने की सलाह दी है। विवाहिता ने न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। सुनवाई

के दौरान चार वर्षीय बेटी व वृद्ध पिता के साथ कौड़िया थाना क्षेत्र की एक महिला ने परामर्शदाताओं से कहा कि स्थानीय थाने के तेलियाकोट निवासी पति ने दूसरी शादी कर ली, मगर परामर्शदाताओं को यकीन नहीं हुआ तो दोबारा पति के शादी के बारे में पूछा। इतना ही नहीं, पति के हामी भरने के बाद परामर्शदाता सन्न रह गए।

पति व ससुर ने घर से भगाया

परामर्शदाता गंगाधर शुक्ल, संतोष ओझा और उपनिरीक्षक प्रियंका सिंह ने कहा कि पहली पत्नी के रहते हुए दूसरी शादी बिना तलाक किए अवैध माना जाएगा। विवाहिता को कोर्ट जाने की सलाह दी। विवाहिता ने बताया कि दोनों की शादी 11 मई 2017 को हुई थी, लेकिन बेटी को जन्म देने के बाद पति व ससुर ने उसे घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद भैरमपुर गांव में एक महिला से शादी कर ली। वह पिता के घर रहकर बेटी का भरण-पोषण कर रही है। हांलाकि कई जोड़े एक साथ रहने के लिए भी राजी हुए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव द्वारा करुणा प्रिन्टर्स महाडिक साहब के बाड़े के पास, निम्बालकर की गोठ नं. 2 कम्पू लश्कर, ग्वालियर से मुद्रित एवं 62 छत्रसालपुरा, ललितपुर से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100।
भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आर.एन.आई. नं. यूपीएचआईएन/2006/18447 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट, शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।